प्रदेश के शिक्षकों के लिए बड़ा फैसला... 04

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भूमि पेडनेकर इंटरनेट स्क्रोलिंग को... 11

वर्ष - 01, अंक - 305 | गाजियाबाद / शुक्रवार 06 फरवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

लोकसभा में हंगामा के बीच 2004 के बाद पहली बार पीएम स्पीच के बिना धन्यवाद प्रस्ताव पास

- कांग्रेस बोली- जब तक राहुल नहीं बोलेंगे, पीएम को नहीं बोलने देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के 7वें दिन लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास हो गया। 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है। इससे पहले 10 जून 2004 को विपक्ष ने तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह को धन्यवाद प्रस्ताव पर नहीं बोलने दिया था।

गुरुवार को लोकसभा शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की। इस पर स्पीकर ने पहली बार 65 सेकंड के भीतर, दूसरी बार 5 मिनट में और तीसरी बार 2 मिनट में कार्यवाही स्थगित कर दी। लोकसभा 3 बजे दोबारा शुरू हुई लेकिन विपक्ष के हंगामे के बाद शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इस बीच कांग्रेस के लोकसभा से निलंबित सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि जब तक लोकसभा में राहुल गांधी को अपनी बात रखने की इजाजत नहीं दी जाती, तब तक विपक्ष पीएम नरेंद्र मोदी को सदन में बोलने नहीं देगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रधानमंत्री आज शाम 5 बजे राज्यसभा में भाषण दे सकते हैं। लोकसभा में बुधवार को शाम 5 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई, तब विपक्ष की महिला सांसदों ने सत्ताधारी नेताओं की कुर्सियां घेर लीं। इनमें पीएम मोदी की कुर्सी भी थी। महिला सांसदों के हाथ में बड़े बैनर थे, जिन पर लिखा था- जो सही है, वो करो।

पीएम नरेंद्र मोदी धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने वाले थे, लेकिन विपक्ष की महिला सांसदों के हंगामे के चलते लोकसभा स्थगित कर दी गई। इससे पीएम का संबोधन भी टल गया।

मैंने पीएम से सदन में न आने का किया आग्रहः बिरला

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा, कल लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय में जो हुआ, वह सदन के इतिहास में कभी नहीं हुआ। जब सदन के नेता पीएम मोदी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब देना था तो विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री की सीट के पास पहुंचकर कोई अप्रत्याशित घटना कर सकते थे। अगर ये घटना हो जाती तो लोकतंत्र की परंपरा को तार-तार हो जाती। इसको टालने के लिए मैंने पीएम से सदन में न आने का आग्रह किया। पीएम ने मेरे सुझाव को माना। उन्होंने विपक्ष के सांसद से कहा कि आप पोस्टर लेकर आएंगे तो सदन नहीं चलेगा। जिस तरह से महिला सदस्य पीएम की सीट तक पहुंची उसे देश ने देखा। ये उचित नहीं था। ये सदन की गरिमा के अनुकूल भी नहीं था। इस दौरान विपक्षी सांसद हंगामा करते रहे। इसके बाद स्पीकर ने लोकसभा को शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

विपक्षी नेताओं की बैठक निलंबित सांसदों का धरना

लोकसभा में 8 विपक्षी सांसदों के निलंबन और लगातार हंगामें के बीच गुरुवार को संसद भवन में विपक्षी दलों के फ्लोर नेताओं की अहम बैठक हुई। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यालय में आयोजित इस बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रहे।

इसी दौरान निलंबित सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर दिए जाने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया। सांसदों ने कहा कि जब तक नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया जाएगा, उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

शिवराज और चिराग ने की राहुल गांधी की आलोचना

इस दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने केंद्रीय राज्य मंत्री रवीनीत सिंह बिट्टू को 'गद्दार दोस्त' कहा, जबकि बिट्टू का परिवार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबकुछ न्यौछावर कर चुका है। पार्टी का विरोध करते-करते राहुल गांधी अब देश का विरोध करने लगे हैं।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि कुछ नेता केवल सुर्खियों में बने रहने के लिए बयान देते हैं और विभाजनकारी राजनीति करते हैं। वहीं प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति पर काम कर रहा है।

12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में गुरुवार को साउथ सब जोनल ब्यूरो से संबंधित 12 माओवादी कैडरों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। इन सभी पर उनके पद और संगठनात्मक भूमिका के अनुसार कुल 54 लाख रुपये का ईनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वाले कैडर में आठ महिला और चार पुरुष शामिल हैं। इन कैडरों ने बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी सुपुर्द की, जिसमें 250 जिलेटीन स्टिक, 400 डेटोनेटर, एक प्लास्टिक ड्रम गन पाउडर और एक बंडल कार्डेक्स वायर शामिल है। बीजापुर जिले में 01 जनवरी 2024 से अब तक 888 माओवादी मुख्यधारा में लौट चुके हैं, जबकि 1163 गिरफ्तार और 231 विभिन्न मुठभेड़ों में मारे जा चुके हैं।

अल-फलाह विवि चेयरमैन जावेद सिद्दीकी चार दिन की पुलिस हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक निचली अदालत ने विवादों में घिरे अल-फलाह विश्वविद्यालय के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को कथित धोखाधड़ी और वित्तीय कदाचार के मामले में चार दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। सिद्दीकी को दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे आगे की पूछताछ के लिए चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। यह कार्रवाई विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा दर्ज कराई गई औपचारिक शिकायतों के बाद शुरू की गई। इससे पहले दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) ने उसे गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया था।

कुकुमसेरी का तापमान-15 डिग्री तक गिरा

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हाड कंपाने वाली शीतलहर का प्रकोप बढ़ गया। लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में वीरवार को न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार, कोहरे के कारण मैदानी इलाकों में रात और सुबह के समय शीतलहर का असर और बढ़ गया है। लाहौल स्पीति के कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान -15 डिग्री सेल्सियस, ताबो में -11.4 डिग्री, मनाली में -0.7 डिग्री से. तथा कल्पा में -2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में शिमला का न्यूनतम तापमान पांच डिग्री, सुंदरनगर 3.1 डिग्री और सोलन 2.5 डिग्री सेल्सियस रहा। निचले पहाड़ी और मैदानी इलाकों में अपेक्षाकृत अधिक तापमान दर्ज किया गया, जहां ऊना में न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री, जुब्बरहट्टी हवाई अड्डा और बिलासपुर में छह डिग्री, नाहन में 8.9 डिग्री तथा पांवटा साहिब में लगभग 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

उत्तराखंड में शुष्क मौसम, मैदानी इलाकों में कोहरा और पर्वतीय क्षेत्रों में पाला

देहरादून (एजेंसी)। मौसम विभाग ने उत्तराखंड में मौसम शुष्क रहने का पूवार्नुमान जारी किया है। विभाग के अनुसार राज्य के हरिद्वार और उधम सिंह नगर जनपदों में तथा देहरादून, पौड़ी और नैनीताल जनपदों के मैदानी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। वहीं पर्वतीय जनपदों में कहीं-कहीं पाला पड़ने की आशंका है। मौसम विभाग ने कोहरे और पाले को देखते हुए सतर्कता बरतने की सलाह दी है। राजधानी देहरादून में आसमान मुख्यतः साफ रहने की संभावना है और अधिकतम तापमान लगभग 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया गया है। पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद मौसम साफ है। सुबह-शाम ठंड हैं जबकि दोपहर में गुनगुनी धूप है।

कोयला खदान में भीषण धमाका, 14 मजदूरों की मौत

शिलॉन्ग (एजेंसी)। मेघालय के ताशखाई इलाके में स्थित एक कोयला खदान में भीषण धमाका होने से 14 मजदूरों की मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और स्थानीय प्रशासन तथा पुलिस ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। जानकारी के मुताबिक, ताशखाई की कोयला खदान में अचानक जोरदार धमाका हुआ, जिसके कारण खदान के अंदर काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। धमाका इतना तेज था कि खदान के अंदर मौजूद मजदूरों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल पाया। आशंका जताई जा रही है कि मृतकों में सभी मजदूर असम के रहने वाले थे। प्रशासन ने आसपास के इलाके को घेरकर सुरक्षा बढ़ा दी, ताकि बचाव कार्य में किसी तरह की बाधा न आए।

चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर वायुसेना का सैन्यभ्यास शुरू

उत्तरकाशी (एजेंसी)। सीमांत से लगे उत्तरकाशी जनपद में सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर वायुसेना ने एक बार पुनः तीन दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरू हो गया है। चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी के निमार्ण एजेंसी के समन्वयक मुकेश नौटियाल ने बताया कि वायु सेना ने बुधवार से तीन दिवसीय अभ्यास शुरू किया जो 6 फरवरी तक चलेगा। बहुउद्देश्यीय परिवहन विमान एएन-32 की लैंडिंग और टेकऑफ का तीन बार अभ्यास किया। गौरतलब है कि सीमांत जनपद उत्तरकाशी की सीमा चीन सीमा से सटी हुई है। उत्तरकाशी जनपद भारत - चीन सीमा से सीधे जुड़े होने और अत्यधिक ऊंचाई के कारण सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील व महत्वपूर्ण है। जो इसे सैन्य आवाजाही , गस्त , हवाई अभ्यास और गंगोत्री - यमुनोत्री जैसी रण नीतिक घाटियों की सुरक्षा के लिए प्रमुख बनाता है।

उप्र में प्रतिबंधित चीनी मांझे के उपयोग पर सरकार सख्त

चीनी मांझे से मौत हुई तो दर्ज होगा हत्या का मुकदमाः योगी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के हैदरगंज में चीनी मांझे से एक युवक की गर्दन कटने से हुई मौत की घटना को शासन ने गंभीरता से लेते हुए इस पर पहले से लगे प्रतिबंध को कड़ाई के साथ लागू करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में सख्त रुख अख्तियार करते हुए इससे मौत होने पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने का भी आदेश दिया है।

मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को प्रदेश भर में बड़े पैमाने पर छापेमारी और अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। यह फैसला लखनऊ में एक दिन पहले हुई घटना के बाद लिया गया है। बुधवार शाम को हैदरगंज ओवरब्रिज के पास बाइक से जा रहे 33 वर्षीय मोहम्मद शोएब निवासी दुबग्गा के गले में अचानक चीनी मांझा फंसने से उनकी गर्दन की नसें कट गयीं, जिससे खून से लथपथ होकर वे बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े और करीब 10 मिनट तक तड़पते रहे। राहगीरों ने उन्हें तुरंत ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस हादसे से इलाके में भारी आक्रोश फैल गया और लोग प्रतिबंधित मांझे की खुलेआम बिक्री पर सवाल उठाने लगे।

मुख्यमंत्री ने घटनाओं पर लिया संज्ञान

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि मुख्यमंत्री ने इस घटना का संज्ञान लिया है। उन्होंने पूछा कि जब चीनी मांझे पर पहले से ही प्रतिबंध है, तो बाजार में यह कैसे उपलब्ध हो रहा है? उन्होंने साफ कहा कि अब ऐसे धागे से होने वाली किसी भी मौत को हत्या माना जाएगा और दोषियों पर उसी आधार पर सख्त कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चलाने के आदेश दिए हैं। पुलिस को निर्देश दिया गया है कि जिलेवार छापेमारी कर मांझे की बिक्री, भंडारण, सप्लाई करने वालों को पकड़ा जाए। अवैध सप्लाई चेन की पहचान कर बड़े स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसकी उच्च स्तर पर समीक्षा भी होगी।

पुलिस को सख्त और अभियान चलाने के दिए आदेश

मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझे की बिक्री और इस्तेमाल किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया कि इस अवैध कारोबार से जुड़े पूरे नेटवर्क की पहचान की जाए, तत्काल कार्रवाई हो और दोषियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। साथ ही, पूरे प्रदेश में चाइनीज मांझे की जब्ती के लिए यूपी पुलिस को सख्त और लगातार अभियान चलाने के आदेश दिए गए हैं।

कोहरे से ट्रक में घुसी कार, पति-पत्नी, साले की मौत

- आगरा एक्सप्रेस-वे पर 10 गाड़ियां टकराईं, 10 लोग घायल

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में कोहरे का कहर जारी है। गुरुवार सुबह लखनऊ, प्रयागराज समेत 15 जिले घने कोहरे की चपेट में रहे। कोहरा बारिश की तरह गिरा। सड़कें गीली हो गईं। विजिबिलिटी शून्य तक सिमट गई। सड़कों पर कुछ भी देखना मुश्किल हो गया।

लखीमपुर-खीरी में हाईवे पर जलालपुर गांव के पास तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक से जा घुसी। हादसे में बहराइच के पति, पत्नी और साले की मौत हो गई। दो लोग घायल हो गए। योगी ने हादसे पर संज्ञान लेते हुए राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए ।

वहीं, उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर घने कोहरे के कारण बस-कारों समेत 10 गाड़ियां टकरा गईं। हादसे में 10 लोग घायल हो गए। एक्सप्रेस-वे पर करीब दो किलोमीटर लंबा जाम लग गया। कोहरे की वजह से रेल यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कानपुर समेत कई रेलवे स्टेशनों पर 25 से ज्यादा ट्रेनें लेट हैं।

मौसम विभाग का कहना है कि पछुआ हवाओं से सुबह और शाम ठंड बढ़ गई है। कल से पहाड़ी राज्यों में फिर से बर्फबारी और बारिश का दौर शुरू होगा। इसका असर यूपी पर पड़ेगा। पिछले 24 घंटे में हरदोई सबसे ठंडा रहा। पारा 8त्ङ दर्ज किया गया।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया, पूर्वांचल के कुछ हिस्सों को छोड़कर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में रात के न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दिन में धूप निकलने से अधिकतम तापमान बढ़ा है। पहाड़ों पर बर्फबारी से ठंड बढ़ेगी। अगले 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में 2-3 की गिरावट हो सकती है।

4-5 दिनों में सामने आएगा भारत-अमेरिका ट्रेड डील का पहला चरणः पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-अमेरिका ट्रेड डील का पहला चरण अगले 4-5 दिनों में सामने आ सकता है, जिसमें अमेरिका को भारतीय निर्यात पर टैरिफ की दर कम होकर 18 प्रतिशत हो जाएगी। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ओर से वीरवार को दी गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जैसे ही एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी हो जाएगा। अमेरिका में भारतीय निर्यात पर टैरिफ कम होकर 18 प्रतिशत हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत आठ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पूरे कर चुका है और अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौता नौवां होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में भारत द्वारा साइन किए गए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) देश के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। गोयल ने आगे बताया कि भारत खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के साथ एक एफटीए के लिए संदर्भ की शर्तों पर हस्ताक्षर करने जा रहा है, जो लगभग दो दशकों से चल रही बातचीत के फिर से शुरू होने का प्रमाण है।

यूपीः 11 जिलों के पुलिस कप्तान समेत 24 आईपीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में बुधवार देर रात को पुलिस अधिकारियों का तबादला हुआ है। शासन ने 11 जिलों के पुलिस कप्तान समेत 24 आईपीएस अधिकारियों के स्थानांतरण किए हैं। तबादले के क्रम में पुलिस महानिदेशक/ अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन सुजीत पाण्डेय को पुलिस महानिदेशक अग्निशमन आपात सेवाएं मुख्यालय लखनऊ का पदभार सौंपा गया हैं। प्रवीण कुमार को पुलिस महानिदेशक/ पुलिस महानिरीक्षक अयोध्या परिक्षेत्र से हटाकर लखनऊ जोन का नया अपर पुलिस महानिदेशक बनाया है। के. एस. इमानुएल को पुलिस महानिरीक्षक ईओडब्ल्यू के पद से मुक्त करते हुए डीजीपी का जीएसओ नियुक्त किया है।

शासन ने 11 जिलों के पुलिस कप्तान बदले है। इनमें कुंवर अनुपम सिंह को पुलिस अधीक्षक सुल्तानपुर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर बनाया है। ख्याति गर्ग को सेना नायक 9वीं वाहिनी पीसी मुरादाबाद से पुलिस अधीक्षक खीरी और यशवीर सिंह को रायबरेली से बस्ती का एसपी नियुक्त किया है। चारू निगम को सुल्तानपुर और अपर्णा रजत कौशिक को मीरजापुर की कमान सौंपी हैं। अभिनंदन को बस्ती से एसएसपी सहारनपुर, डा. कौस्तुभ को जौनपुर एसएसपी से गोरखपुर का नया पुलिस कप्तान बनाया है।

140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकताः भारत

ऊर्जा सुरक्षा, वेनेजुएला समेत किसी भी नए विकल्पों के मूल्यांकन के लिए तैयारः विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने कहा है कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को देखते हुए उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपने 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा है। वह वेनेजुएला समेत किसी भी नए आपूर्ति विकल्प के वाणिज्यिक लाभों का मूल्यांकन करने के लिए तैयार है। भारत ने दोहराया कि वह ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाने का पक्षधर है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यहां साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक बार फिर ऊर्जा जरूरतों और लाभकारी मूल्यों को निर्णय का आधार बताया। उन्होंने दोहराया कि भारत आपूर्ति में विविधता लाने का पक्षधर है।

भारत की इस टिप्पणी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि भारत रूसी तेल खरीदी बंद करने पर सहमत हो गया है। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में व्यापार समझौता सम्पन्न हुआ है। समझौते के बाद अमेरिका ने भारतीय समानों पर लग रहा अतिरिक्त टैरिफ हटा लिया है। वहीं ट्रम्प ने दावा किया है कि भारत रूस से तेल खरीदी नहीं करेगा और वेनेजुएला को प्राथमिकता देगा।

भारत अमेरिकी समझौते से जुड़े कई प्रश्नों के दिए उत्तर

जायसवाल ने भारत अमेरिकी समझौते से जुड़े कई प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रवक्ता ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावे पर कहा, "ऊर्जा आपूर्ति के संबंध में सरकार ने कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से बयान दिया है। सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। भारत की रणनीति रही है कि अपने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बाजार स्थितियों और बदलते वैश्विक घटनाक्रम के अनुरूप ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाए। भारत के सभी कदम इसी बात को ध्यान में रखकर उठाए गए हैं और भविष्य में भी उठाए जाएंगे।"

वेनेजुएला भारत का ऊर्जा क्षेत्र

ट्रम्प के वेनेजुएला से तेल खरीद से संबंधित दावों पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि वेनेजुएला भारत का ऊर्जा क्षेत्र, व्यापार और निवेश को लेकर लंबे समय से सहयोगी रहा है। वेनेजुएला भारत का 2019-20 तक तेल खरीद का सबसे बड़ा स्रोत रहा है। बाद में प्रतिबंधों के चलते हमने तेल खरीद रोक दी थी। वहीं भारतीय तेल कंपनियों का वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनियों के साथ सहयोग पहले से रहा है। ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भारत वेनेजुएला सहित किसी भी नए कच्चे तेल आपूर्तिकर्ता से जुड़े विकल्पों के वाणिज्यिक फायदों को जानने के लिए तैयार है।

दिल्ली में पांच हजार नए स्टार्टअप्स स्थापित करने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता गुरुवार को 12वीं अंतरराष्ट्रीय प्लास्टइंडिया 2026 प्लास्टिक प्रदर्शनी, सम्मेलन और कन्वेंशन में शामिल हुईं। मुख्यमंत्री ने यहां बताया कि दिल्ली में 5,000 नए स्टार्टअप्स स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' को और बेहतर बनाने के लिए नीतियों को सरल किया जा रहा है। प्लास्टिक वेस्ट दिल्ली को स्वच्छ और हरित बनाने में बड़ी चुनौती है और इसके समाधान के लिए रीसाइक्लिंग व वेस्ट मैनेजमेंट की आधुनिक तकनीकों पर मिलकर काम करने की आवश्यकता है। भारत मंडपम में आयोजित इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली को वैश्विक शहर और मजबूत व्यापारिक केंद्र के रूप में विकसित करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार उद्योग और उद्यमिता को सशक्त बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। एमएसएमई सेक्टर को मजबूती देने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार 10 करोड़ रुपये तक का कोलेटरल-फ्री लोन उपलब्ध करा रही है ताकि छोटे उद्यमों को बिना किसी गारंटी के वित्तीय सहयोग मिल सके। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि वर्ष 2025 में भारत की प्लास्टिक इंडस्ट्री का आकार लगभग 44 अरब डॉलर रहा, जो 2026 में बढ़कर 47 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। अनुमान है कि 2030 तक यह उद्योग करीब 64 अरब डॉलर का हो सकता है। यह सेक्टर लाखों लोगों को रोजगार देता है और वैश्विक प्लास्टिक उपभोग में भारत की हिस्सेदारी लगभग 6 प्रतिशत है, जो चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि भारत आज ग्लोबल प्लास्टिक प्रोसेसिंग हब बनने की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि यदि प्लास्टिक को सही तरीके से रीसाइकिल और डिस्पोज नहीं किया गया तो इसका पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि 2047 के विकसित भारत का लक्ष्य केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि सोच और व्यवहार में बदलाव से हासिल होगा। क्या है प्लास्टइंडिया प्लास्टइंडिया 2026 का शुभारंभ 5 फरवरी 2026 को भारत मंडपम में हुआ है और यह प्रदर्शनी 10 फरवरी तक चलेगी। भारत सरकार के रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से आयोजित यह आयोजन दुनिया की सबसे बड़ी प्लास्टिक प्रदर्शनियों में गिना जाता है। 'भारत नेक्स्ट' थीम पर आधारित यह प्रदर्शनी आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विजन के अनुरूप मैन्युफैक्चरिंग, रोजगार सृजन और मजबूत औद्योगिक आधार को बढ़ावा देती

है। इसमें 2,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक मशीनरी, कच्चे माल, उन्नत तकनीक और सर्कुलर इकॉनमी से जुड़े समाधान पेश कर रहे हैं।

दिल्ली राज्य पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के विद्यालयों में पढ़ने वाले 200 दिव्यांग छात्रों ने गुरुवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित तीसरे दिल्ली राज्य पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन 5 से 7 फरवरी तक किया जाएगा। दिल्ली नगर निगम के छात्रों ने आज प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मार्च पास्ट में भाग लिया। नगर निगम के छात्रों ने अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलीट विकास डागर की देख रेख में इस प्रतियोगिता में भाग लिया। दिल्ली नगर निगम के 200 दिव्यांग छात्रों ने दृष्टिबाधित,बौद्धिक अक्षमता, मस्तिष्क पक्षाघात, ड्वार्फ, लोकोमोटर हाथ एवं पैर श्रेणियों में आयोजित 100 मीटर दौड़,लंबी कूद, गोला फेंक एवं चक्का फेंक गतिविधियों में भाग लिया। नगर निगम के दिव्यांग छात्रों ने प्रतियोगिता के पहले दिन उम्दा खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए 124 पदक जीते। निगम विद्यालयों के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन दर्शाता है कि दिल्ली नगर निगम अपने विद्यालय ने छात्रों को हर संभव सुविधाएं प्रदान कर रहा है। नगर निगम अपने विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को हर संभव सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि निगम विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकें।

दिल्ली में खालिस्तान समर्थक नारे लिखने वाले सिख फॉर जस्टिस के दो गुर्गे गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल टीम ने सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने गणतंत्र दिवस समारोह से ठीक पहले दिल्ली में दो जगहों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखकर माहौल खराब करने की कोशिश की थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिल्ली में एम्बुलेंस ड्राइवर बलजिंदर और उसके साथी रोहित उर्फ कीर्थ के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, गिरफ्तार दोनों आरोपियों ने कनाडा में रहने वाले सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख पन्नू के निर्देश पर काम किया। पन्नू ने उन्हें 26 जनवरी से कुछ दिन पहले सार्वजनिक जगहों पर नारे लिखकर सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने और शहर में अशांति फैलाने के लिए 2 लाख रुपये देने का वादा किया था। दोनों आरोपियों ने गणतंत्र दिवस से ठीक पहले दिल्ली में दो अलग-अलग जगहों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे थे। अधिकारी के अनुसार, जांच में पता चला कि यह साजिश कनाडा में रची गई थी, जहां पन्नू के एक करीबी सहयोगी ने आरोपियों के साथ तालमेल बिठाया था। कथित तौर पर हैंडलर ने इस काम के लिए बलजिंदर और रोहित को भर्ती किया था और एक एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म के ज़रिए उनके संपर्क में था। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान बलजिंदर ने खुलासा किया कि उसे पैसे और हथियारों की मदद का लालच दिया गया था, जबकि रोहित ने उसे जगहों की पहचान करने और काम को अंजाम देने में मदद की। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है और पन्नू और उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

दो साल में 28 लाख से अधिक घरों तक पहुँची सौर ऊर्जा योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दो वर्षों में केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत देशभर में 28 लाख से अधिक घरों में सौर ऊर्जा कनेक्शन लगाए गए हैं और इसके लिए 16,061 करोड़ रुपये से ज्यादा की सब्सिडी दी गई है। यह जानकारी दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी के सवाल के जवाब में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा लोकसभा में दी गई। सरकार ने बताया कि फरवरी 2024 में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक 28,24,518 परिवारों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा चुका है, जबकि राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण, सीधे बैंक खाते में सब्सिडी ट्रांसफर, 10 किलोवाट तक कनेक्शन और आसान ऋण सुविधा जैसी व्यवस्थाएं कर इसे और व्यापक बनाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वच्छ ऊर्जा का लाभ उठा सकें।

डीटीसी कल्याण कोष घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के कर्मचारी कल्याण कोष से 22 लाख रुपये से अधिक की कथित धोखाधड़ी पर गंभीर चिंता जताते हुए इसकी तत्काल निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि सोशल वेलफेयर विभाग के कर्मचारियों द्वारा किए गए इस गबन में जिन अधिकारियों ने दस्तावेजों को मंजूरी दी है, उनके खिलाफ आपराधिक और विभागीय कार्रवाई होनी चाहिए, और जरूरत पड़े तो जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो से भी कराई जा सकती है। यादव ने आरोप लगाया कि डीटीसी लंबे समय से भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के कारण घाटे में जा रही है, बावजूद इसके न तो पिछली आम आदमी पार्टी सरकार और न ही मौजूदा भाजपा सरकार ने इसे सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्षों से मुख्य सतर्कता अधिकारी का पद खाली होना भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहा है। यादव के अनुसार, जहां एक ओर कर्मचारियों के कल्याण कोष में लाखों का गबन हो रहा है, वहीं दूसरी ओर सेवानिवृत्त कर्मचारी पेंशन के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिससे सार्वजनिक संस्थानों में भरोसा कमजोर हो रहा है।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराना पड़ा भारी, युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के द्वारका जिले में अपराध की ओर बढ़ रहे एक युवक को पुलिस ने समय रहते गिरफ्तार कर बड़ी वारदात को टाल दिया। सोशल मीडिया पर हथियार के साथ तस्वीरें डालकर दहशत फैलाने और प्रभाव जमाने वाले इस युवक के कब्जे से एक देसी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। यह कार्रवाई द्वारका जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड की सतर्क निगरानी और तकनीकी सूचना के आधार पर की गई। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर सोशल मीडिया पर हथियार लहराने वाले युवकों पर विशेष नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान एक इंस्टाग्राम खाते पर एक युवक द्वारा हथियार के साथ तस्वीरें पोस्ट किए जाने की जानकारी सामने आई। टीम ने खाते की तकनीकी जांच कर विवरण जुटाया और स्थानीय सूत्रों को सक्रिय किया। लगातार निगरानी के बाद 31 जनवरी 2026 को सेक्टर-17 द्वारका क्षेत्र से युवक को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान समीर पुत्र मुकेश, उम्र 19 वर्ष, निवासी सूरज विहार ककरोला, दिल्ली के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक लोडेड देसी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। इस संबंध में द्वारका नॉर्थ थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह एक डिलीवरी बॉय के रूप में काम करता है और रात के समय डिलीवरी के दौरान खुद को सुरक्षित रखने के नाम पर उसने हथियार रखा था। हालांकि उसने यह भी स्वीकार किया कि वह अपने दोस्तों और इलाके में खुद को 'बदमाश' दिखाने के लिए सोशल मीडिया पर हथियार के साथ तस्वीरें डालता था। आरोपी ने हथियार उसे मंगोलपुरी निवासी मोनू से मिलने की जानकारी भी दी है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई निरीक्षक कमलेश कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा की गई, जिसने तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र के जरिए आरोपी तक पहुंच बनाई। अधिकारियों का कहना है कि समय रहते गिरफ्तारी से किसी गंभीर अपराध की आशंका टल गई। इस सफल ऑपरेशन की सराहना करते हुए अधिकारियों ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध को बढ़ावा देने वालों पर सख्त नजर रखी जा रही है। दिल्ली पुलिस का उद्देश्य ऐसे युवाओं को समय रहते कानून के दायरे में लाकर समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखना है। द्वारका जिले की पुलिस टीम द्वारा की गई यह कार्रवाई यह संदेश देती है कि अपराध की तैयारी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वे इसे सोशल मीडिया के माध्यम से ही क्यों न अंजाम देने की कोशिश करें।

सरना भाइयों के माध्यम से कांग्रेस से गठबंधन की कोशिश में अकाली दल: कालका-काहलों का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह सरना भाइयों के जरिए कांग्रेस पार्टी से गठबंधन के लिए प्रयासरत हैं। दोनों नेताओं का दावा है कि इसी उद्देश्य से हरविंदर सिंह सरना ने कल शाम कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।

राजधानी में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कालका और काहलों ने कहा कि हरविंदर सिंह सरना गुलदस्ता लेकर राहुल गांधी से मिलने पहुंचे और दोनों दलों के संभावित गठबंधन पर चर्चा हुई। उन्होंने इसे सिख समाज की भावनाओं के साथ विश्वासघात करार देते हुए कहा कि जिस पार्टी पर 1984 के सिख नरसंहार का आरोप है, उसी से गठबंधन की कोशिश करना बेहद शर्मनाक और निंदनीय है।

उन्होंने बताया कि इस पूरे मामले को लेकर वे श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को लिखित शिकायत भेजेंगे और सरना भाइयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगे। उनका कहना था कि सरना भाइयों के कार्यकाल में दिल्ली सिख नरसंहार के दोषियों को सम्मानित किए जाने की घटनाएं सिख संगत आज भी नहीं भूली है।

कालका और काहलों ने सुखबीर सिंह बादल से भी सीधा सवाल किया कि क्या हरविंदर सिंह सरना उनकी अनुमति से राहुल गांधी से मिलने गए थे। यदि बिना अनुमति गए थे तो उन्हें पार्टी से निष्कासित किया जाए और यदि अनुमति से गए थे तो यह स्पष्ट है कि अकाली दल स्वयं कांग्रेस से गठबंधन चाहता है।

प्रेस वार्ता में दोनों नेताओं ने गुरुद्वारा अंब साहिब, मोहाली की ज़मीन बिक्री के मामले पर भी सरना भाइयों और मनजीत सिंह जी.के. की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये मूल्य की बेशकीमती ज़मीन कौड़ियों के भाव बेच दी गई, लेकिन मामला सामने आने के बावजूद दोनों नेता अब तक मौन साधे हुए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि ये नेता दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी की संपत्तियों को लेकर झूठी अफवाहें फैलाते रहे हैं, जबकि शिरोमणि कमेटी की ज़मीन बिकने पर उनकी चुप्पी उनका दोहरा चरित्र उजागर करती है। केवल एक अधिकारी को निलंबित कर देना इस गंभीर मामले का समाधान नहीं है।

कालका और काहलों ने पंजाब सरकार से मांग की कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि गुरुद्वारे की ज़मीन कैसे बेची गई और इसमें कौन-कौन शामिल था। उन्होंने दोषियों को कड़ी सजा दिए जाने की भी अपील की। दोनों नेताओं ने कहा कि गुरु घरों की ज़मीनें शहादतों और संघर्षों की अमानत हैं और इनके साथ किसी भी प्रकार का समझौता सिख समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा।

देश को दुनिया का डाटा हब बनाने की तैयारी : मनोज तिवारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय बजट को सांसद मनोज तिवारी ने 2047 तक देश का भाग्य खोलने के लिए पत्थर पर लकीर खींचने जैसा प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि यह 2047 तक देश को विकसित बनाने वाला बजट है। इस बार सरकार ने सिर्फ मेट्रो सिटी और बड़े शहरों में ही नहीं, बल्कि हर जिले में एक स्किल सेंटर बने, उसकी चिंता की है। तिवारी ने कहा कि देश डेटा हब बने उसके लिए भी इस बजट में प्रावधान किया है। जब हम 170 देशों को अनाज दे सकते हैं, तो डेटा हब भी बन सकते हैं। वहीं, दिल्ली प्रदेश मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि बजट में ऑरेंज इकॉनमी का प्रस्ताव है, जो युवाओं के लिए तरक्की का पंख बनेगी।

राशन कार्ड रद्दीकरण से गरीबों पर बढ़ा संकट : परमानंद शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राम नगर वार्ड से पूर्व निगम प्रत्याशी परमानंद शर्मा ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि राशन कार्ड व्यवस्था में 'सुधार' के नाम पर नए नियम थोपकर लाखों जरूरतमंद लोगों को राशन प्रणाली से बाहर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में राशन कार्ड एक साथ रद्द किए गए हैं, वह भी बिना लोगों को अपनी बात रखने का मौका दिए। शर्मा के अनुसार, सरकार एक ओर 卐सबका साथ, सबका विकास卐 का नारा देती है, वहीं दूसरी ओर तानाशाही तरीके से गरीबों के अधिकार छीने जा रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के बाद नए राशन कार्ड बनना लगभग बंद हो गया है और अब पुराने कार्ड भी रद्द किए जा रहे हैं। शर्मा ने 'दिल्ली फूड सिक्योरिटी रूल्स, 2025' के तहत आय सीमा बढ़ाकर 1.20 लाख रुपये करने को दिखावा बताते हुए कहा कि महंगाई के दौर में यह नाकाफी है और इसे कम से कम दो लाख किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार पर चुनावी वादों से पलटने का भी आरोप लगाया और कहा कि मुफ्त गैस सिलेंडर जैसी योजनाओं को अब राशन कार्ड से जोड़ा जा रहा है, जबकि कार्ड ही रद्द किए जा रहे हैं, जिससे जनता को भारी नुकसान हो रहा है।

दक्षिण दिल्ली : महिलाओं से बदसलूकी का विरोध करने पर युवक की पिटाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके में महिलाओं को परेशान कर रहे पुरुषों के एक समूह को रोकने की कोशिश करने पर युवक की पिटाई कर दी गयी, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं हैं। पीड़ित की पहचान मुकेश (26) के रूप में की गयी है। सिर में गंभीर चोटें आने के कारण मुकेश अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती है। मुकेश की मां सर्वेश ने कहा कि तीन फरवरी की सुबह तड़के हुए हमले की क्रूरता से परिवार सदमे में है। उन्होंने कहा, ''इन दिनों किसी की मदद करना भी एक अपराध हो गया है।'' मुकेश एक शादी से लौट रहा था जब उसने एक चाय की दुकान पर महिलाओं के एक समूह को बचाने के लिए हस्तक्षेप किया, जिसके परिणामस्वरूप चार पुरुषों ने उसे बुरी तरह से पीटा। मुकेश की मां सर्वेश ने बृहस्पतिवार को कहा, ''आज के दौर में किसी की मदद करना भी अपराध हो गया है क्योंकि मेरे बेटे ने मदद करने की कोशिश की और वह बुरी तरह घायल हो गया।'' उन्होंने कहा, ''अगर किसी ने उन्हें रोका न होता तो वे मुकेश को मार डालते। उसके पूरे शरीर पर चोटें आई हैं। उन महिलाओं और एक आदमी ने उसे बचाया और अस्पताल ले गए।'' संगम विहार निवासी मुकेश सुबह पांच बजे अपने मामा की शादी से लौट रहा था, जब वह चाय पीने के लिए रुका और उसने देखा कि कुछ लोग कथित तौर पर पास में ही दो-तीन महिलाओं को परेशान कर रहे हैं। मुकेश ने कहा, ''मैंने उन लोगों से कहा कि ऐसा न करें। मैंने बस इतना ही कहा। इसके बाद उन्होंने मुझे पीटना शुरू कर दिया।'' मुकेश के अनुसार एक आरोपी ने पत्थर जैसी किसी वस्तु से उसके सिर पर वार किया, जिससे वह बेहोश हो गए। इसके बाद भी आरोपियों ने हमला करना जारी रखा, लेकिन एक राहगीर ने हस्तक्षेप करके स्थिति को और बिगड़ने से रोका। मुकेश ने कहा, ''एक मुस्लिम व्यक्ति ने मुझे आरोपियों से बचाया। मैं उनका बहुत आभारी हूंज अगर उन्होंने हस्तक्षेप न किया होता तो मेरी जान चली जाती।'' मुकेश ने जिन महिलाओं का बचाव किया, वे भी घटनास्थल पर ही रहीं, उन्होंने पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन किया और यह सुनिश्चित किया कि वह अस्पताल पहुंच जाएं। इस घटना के संबंध में महरौली पुलिस थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की जांच की शुरुआत महिलाओं में से एक के बयान और ऑनलाइन सामने आए हमले के वीडियो के आधार पर की गई थी। वीडियो में चार लोग एक लैंपपोस्ट के पास मुकेश पर हमला करते दिख रहे हैं। समूह में शामिल लोग मुकेश को थप्पड़ मारते, लात मारते और उसकी कमीज पकड़कर उसे गालियां देते हुए घसीटते हुए नजर आ रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में विशाल रावत (26), जतिन (20), सोनू (25) और विवेक (20) नामक चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

अप्रमाणित व्यभिचार के आरोपों पर अंतरिम भरण-पोषण से इनकार नहीं किया जा सकता: दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण कानून के तहत एक महिला को हर महीने 26,000 रुपए अंतरिम भरण-पोषण देने के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि व्यभिचार के बिना सबूत वाले आरोपों के आधार पर अंतरिम स्तर पर ऐसी मदद से इनकार नहीं किया जा सकता।

जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा की एकल पीठ ने पति द्वारा दायर आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया। पति ने मजिस्ट्रेट और सत्र अदालत के उन आदेशों को चुनौती दी थी, जिनमें उसे अलग रह रही पत्नी को अंतरिम भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था।

पति ने दलील दी कि पत्नी कथित रूप से व्यभिचार में रह रही है, इसलिए उसे भरण-पोषण नहीं मिलना चाहिए। कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया। जस्टिस शर्मा ने कहा कि ऐसे विवादित तथ्य केवल ट्रायल के दौरान सबूत आने के बाद ही तय किए जा सकते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि अंतरिम आदेश देते समय अदालत को रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री के आधार पर केवल प्रथम दृष्ट्या (प्राइमा फेसि) राय बनानी होती है। साथ ही यह भी कहा कि घरेलू हिंसा कानून के तहत अंतरिम भरण-पोषण सिर्फ बिना साबित हुए अवैध संबंध के आरोपों के आधार पर नहीं रोका जा सकता।

अदालत ने पति द्वारा पेश की गई उन तस्वीरों का भी जिक्र किया, जिनके बारे में दावा किया गया था कि उनमें पत्नी किसी अन्य पुरुष के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिख रही है, लेकिन कोर्ट ने कहा कि इन तस्वीरों की सच्चाई और विश्वसनीयता की जांच ट्रायल के दौरान ही हो सकती है।

जस्टिस शर्मा ने कहा कि ये तस्वीरें अभी कानून के अनुसार साबित नहीं हुई हैं, और पक्षों के सबूत आने के बाद ही इन पर फैसला किया जा सकता है।

हाईकोर्ट ने धारा 125 सीआरपीसी और घरेलू हिंसा कानून के बीच अंतर बताते हुए कहा कि जहां सीआरपीसी की धारा 125(4) में व्यभिचार में रह रही पत्नी को भरण-पोषण न देने का स्पष्ट प्रावधान है, वहीं घरेलू हिंसा कानून में ऐसा कोई साफ प्रावधान नहीं है जो केवल व्यभिचार के आरोप के आधार पर महिला को राहत से वंचित करे।

कोर्ट ने कहा कि पत्नी के आचरण से जुड़ा कोई भी सबूत, जिसमें व्यभिचार के आरोप भी शामिल हैं, महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन इस पर फैसला सबूत आने के बाद ही किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने माना कि दोनों के बीच घरेलू संबंध होना विवादित नहीं है। अदालत ने यह भी नोट किया कि पत्नी ने शादी के दौरान शारीरिक, यौन, मानसिक, मौखिक और आर्थिक उत्पीड़न के विस्तृत आरोप लगाए हैं।

प्रथम दृष्ट्या कोर्ट ने कहा कि बार-बार अपमान, आर्थिक सहायता से इनकार, गाली-गलौज और चरित्र हनन जैसे आरोप घरेलू हिंसा की परिभाषा में आते हैं।

सुरक्षा अधिकारी द्वारा दाखिल घरेलू घटना रिपोर्ट से भी प्रथम दृष्ट्या पत्नी के मामले को समर्थन मिला।

हालांकि, हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि घरेलू हिंसा से जुड़ी याचिका का निपटारा जल्द से जल्द किया जाए, और कोशिश हो कि एक साल के भीतर फैसला हो।

कोर्ट ने यह भी साफ किया कि अगर अंतिम फैसले में ट्रायल कोर्ट यह पाता है कि पत्नी व्यभिचार के कारण भरण-पोषण की हकदार नहीं है तो उसे मिली पूरी अंतरिम राशि 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ वापस करनी होगी।

इसके साथ ही दिल्ली हाईकोर्ट ने पत्नी को निर्देश दिया कि वह ट्रायल कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल करे, जिसमें वह यह वचन दे कि अगर अंत में उसे भरण-पोषण के लिए अयोग्य पाया गया तो वह पूरी राशि ब्याज सहित लौटाएगी।

पुरानी गाड़ियां ई-वाहन में बदलने को प्रोत्साहित करे सरकार : ट्रांसपोर्टर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीएस-4 और इससे कम मानकों वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाकर नए वाहन लाने की सरकार की प्रस्तावित योजना की दिल्ली के ट्रांसपोर्टरों ने सराहना की है, लेकिन इसमें कुछ बदलाव की मांग भी उठाई है। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण के लिए पुराने वैध पंजीकरण वाले वाहनों में रेट्रो फिटिंग कर ई-वाहनों में तब्दील करने पर प्रोत्साहन दिए जाने की मांग की है। ऑल इंडिया मोटर्स एंड गुड्स ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर का कहना है कि ट्रांसपोर्ट उद्योग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसके लिए नई नीति को लागू करते समय ट्रांसपोर्ट व्यावसायियों की आर्थिक स्थिति को भी देखा जाना चाहिए। वैकल्पिक समाधान दिए बिना पुराने वाहनों पर प्रतिबंध लगाकर उन्हें बदलने की नीति लाना गलत है। एसोसिएशन का कहना है कि गैर बीएस-4 श्रेणी के वाहनों को संचालन से हटाने के बजाय सरकारी सहायता से उनके इंजन में आवश्यक तकनीकी सुधार, रेट्रोफिटमेंट या इंजन परिवर्तन कर उन्हें नियंत्रित एवं कम प्रदूषण स्तर के साथ चलने की अनुमति दी जाए। नए वाहन खरीदने के लिए ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाए। पुराने वाहन स्क्रैप करने के बाद खरीदे गए नए वाहनों पर जीएसटी में राहत दी जाए। स्क्रैप मूल्य को यथार्थवादी बनाया जाए और योजना छोटे, मध्यम और एकल ट्रक ऑपरेटरों के लिए समान रूप से लागू हो। ट्रांसपोर्टरों के लिए किसी भी कठोर निर्णय से पहले ट्रांसपोर्ट संगठनों से संवाद और परामर्श किया जाए।

विवेक ओबेरॉय के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा पर हाइकोर्ट देगा अंतरिम आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह अभिनेता और कारोबारी विवेक ओबेरॉय के व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा को लेकर अंतरिम आदेश पारित करेगा। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने ओबेरॉय की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने सुनवाई की शुरुआत में ही कहा कि इस मामले में आदेश पारित किया जाएगा। इस पर अभिनेता की ओर से पेश वकील सना रईस खान ने पूछा कि क्या उन्हें कोई दलील रखनी होगी। इसके जवाब में पीठ ने कहा कि दलील की आवश्यकता नहीं है। याचिका में विवेक ओबेरॉय के व्यक्तित्व व प्रचार अधिकारों के उल्लंघन पर रोक लगाने की मांग की गई है।

तालकटोरा मैदान में एनडीएमसी अंतर-विभागीय खेल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ, फिटनेस और टीम भावना को मिला बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के ऐतिहासिक तालकटोरा स्टेडियम परिसर में आज नई दिल्ली नगरपालिका परिषद की वार्षिक अंतर-विभागीय खेल प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष केशव चंद्रा ने प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए इसे फिटनेस, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता का जीवंत उत्सव बताया।

उद्घाटन समारोह में परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल, परिषद सदस्य अनिल वाल्मीकि और सरिता तोमर, सचिव राकेश कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी, बड़ी संख्या में कर्मचारी तथा स्कूली बच्चे उपस्थित रहे। समारोह में खेलों को लेकर कर्मचारियों और विद्यार्थियों के उत्साह ने पूरे वातावरण को ऊर्जा से भर दिया।

अपने संबोधन में अध्यक्ष केशव चंद्रा ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि मानसिक संतुलन और अनुशासन भी विकसित करते हैं। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में खेलों की अहम भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि परिषद कर्मचारियों और छात्रों के बीच खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उद्घाटन के बाद उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना की शपथ दिलाई और निष्पक्ष व प्रेरणादायक प्रतिस्पर्धा का आह्वान किया।

अध्यक्ष ने जानकारी दी कि यह खेल प्रतियोगिता 13 मार्च 2026 तक चलेगी, जिसमें ट्रैक दौड़, गोला फेंक, चक्का फेंक, भाला फेंक, रस्साकशी, कैरम, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, शतरंज सहित अनेक खेल विधाएं शामिल होंगी। प्रतियोगिता में तीन हजार से अधिक कर्मचारी भाग ले रहे हैं, जो इसे परिषद के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक बनाता है।

उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम वर्क का मजबूत आधार हैं। उन्होंने स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के सिद्धांत को दोहराते हुए सभी विभागों में खेल और फिटनेस संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए परिषद की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का आकर्षण चेयरमैन-एकादश और वाइस चेयरमैन-एकादश के बीच आयोजित मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच रहा, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। दोनों टीमों ने खेल भावना के साथ शानदार प्रदर्शन किया और खिलाड़ियों को लगातार प्रोत्साहित किया गया।

इस भव्य आयोजन के साथ एनडीएमसी की महीने भर चलने वाली

खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत हो गई है। यह पहल न केवल कर्मचारियों के स्वास्थ्य और आपसी सौहार्द को मजबूत करेगी, बल्कि कार्यस्थल पर सकारात्मक ऊर्जा और सक्रिय जीवनशैली को भी प्रोत्साहित करेगी।

भारत सिटी त्रासदीः तीन नाबालिग बहनों की मौत के बाद जांच तेज, पोस्टमार्टम पूरा, डिजिटल साक्ष्यों की गहन पड़ताल : डीसीपी निमिष पाटिल

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना टीला मोड़ क्षेत्र स्थित भारत सिटी आवासीय परिसर में नौवीं मंजिल से कूदकर जान देने वाली तीन नाबालिग बहनों के मामले में पुलिस ने जांच का दायरा ओर बढ़ा दिया है। तीनों के शवों का पोस्टमार्टम करा लिया गया है और उसकी रिपोर्ट आ गई है। उधर कॉलोनी में शोक का माहौल है और लोगों में घटना को लेकर गहरी चिंता बनी हुई है। डीसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि शुरूआती पड़ताल में मामला सामूहिक आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन हर पहलू को वैज्ञानिक तरीके से परखा जा रहा है।घटनास्थल से मिले कागजात, निजी नोट्स, एक मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल उपकरणों को जब्त कर विश्लेषण के लिए भेजा गया है। साइबर विशेषज्ञों की मदद से ऑनलाइन गतिविधियों का ब्यौरा निकाला जा रहा है। बच्चियों के पास अन्य दो मोबाइल फोन थे, जिसमें से एक उनके पिता ने कुछ दिन पहले बेच दिया था और दूसरा लगभग 6 महीने पहले बेचा था। बेचे गए मोबाइल फोन भी पुलिस बरामद करने में जुटी हुई है। मोबाइल फोन बरामद करने के बाद उनका डाटा भी रिकवर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि परिवार के सदस्यों, पड़ोसियों और परिचितों से विस्तृत बातचीत की गई है।

बच्चियों की दिनचर्या, पढ़ाई, मित्र मंडली और हाल के व्यवहार में आए बदलावों को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है।
उन्होंने बताया कि किसी प्रकार का दबाव, धमकी या बाहरी उकसावे का तत्व तो नहीं था, इसे भी खंगाला जा रहा है।घटनास्थल से कुछ लिखित सामग्री और निजी अभिलेख मिले हैं, जिनकी सत्यता और संदर्भ की पुष्टि की जा रही है। इन दस्तावेजों की लिखावट और समय का मिलान कराया जाएगा। साथ ही मोबाइल वातार्लाप, संदेश और इंटरनेट उपयोग का ब्योरा तकनीकी टीम जुटा रही है। पोस्टमार्टम प्रक्रिया जिला अस्पताल में कराई गई।प्रारंभिक चिकित्सीय परीक्षण में ऊंचाई से गिरने के कारण गंभीर आघात की पुष्टि हुई है। भारत सिटी परिसर में घटना के बाद से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रवेश द्वारों पर निगरानी बढ़ाई गई है और सीसीटीवी अभिलेख खंगाले जा रहे हैं। सोसाइटी प्रबंधन से भी सुरक्षा प्रोटोकॉल और रात की गश्त के बारे में जानकारी ली गई है। निवासियों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध जानकारी को तुरंत पुलिस तक पहुंचाएं। डीसीपी निमिष पाटिल ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों की मानसिक स्थिति, डिजिटल उपयोग और सामाजिक व्यवहार पर संवेदनशील नजर रखना जरूरी है। यदि किसी तरह का तनाव, अलगाव या असामान्य बदलाव दिखे तो परामर्शदाता या मनोवैज्ञानिक की मदद लेने में देर न करें। उन्होंने यह भी कहा कि अफवाहों और अपुष्ट सूचनाओं से बचें, आधिकारिक जानकारी ही सही मानी जाए। जांच पूरी पारदर्शिता के साथ की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उन्हें विधिवत साझा किया जाएगा। फिलहाल पूरे मामले को संवेदनशील श्रेणी में रखकर बहुस्तरीय जांच जारी है।

नीलगाय से टकराने के बाद माल ढोने वाला वाहन पलटा, चालक गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती

बिजनौर (शिखर समाचार) बढ़ापुर बेनीपुर कोपा मार्ग पर देर शाम एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना सामने आई, जब टाइलों से लदा एक मालवाहक छोटा वाहन अचानक सड़क पर आई नीलगाय से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन बेकाबू होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा उलटा पड़ा। दुर्घटना के दौरान चालक वाहन के नीचे दब गया और उसे गंभीर चोटें आईं। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए राहत कार्य चलाया और काफी मशक्कत के बाद घायल को बाहर निकालकर उपचार के लिए भिजवाया। मंडावली थाना क्षेत्र के गांव मुस्सेपुर निवासी अंकित कुमार दिन में निर्माण सामग्री के रूप में टाइलें लेकर हरेवली गया था। काम निपटाने के बाद वह सांझ के समय वापस अपने गांव लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जैसे ही वाहन बढ़ापुर बेनीपुर कोपा संपर्क मार्ग के बीच हिस्से में पहुंचा, उसी समय एक जंगली नीलगाय तेजी से सड़क पार करने लगी। दूरी कम होने और वाहन की रफ्तार अधिक होने के कारण

चालक संभल नहीं सका और सीधी भिड़ंत हो गई।
टक्कर लगते ही वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क से उतरकर खड्ड में पलट गया। पलटने के साथ ही चालक अंदर फंस गया और सहायता के लिए जोर जोर से आवाज लगाने लगा। शोर सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग और राहगीर दौड़कर मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तुरंत ट्रैक्टर ट्रॉली मंगाई और उसकी मदद से वाहन को सीधा कराया। इसके बाद घायल चालक को बाहर निकालकर प्राथमिक सहायता दी गई। स्थिति गंभीर देखते हुए ग्रामीणों ने बिना देर किए उसे निकट के निजी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सक दल द्वारा उपचार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि चालक की हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना के बाद से क्षेत्र के लोगों ने रात के समय इस मार्ग पर सावधानी से वाहन चलाने और जंगली पशुओं की आवाजाही को देखते हुए सतर्क रहने की अपील की है।

छात्रवृत्ति अनियमितता प्रकरण में मोनाड विश्वविद्यालय काली सूची में शामिल, वसूली और प्राथमिकी की तैयारी

हापुड़ (शिखर समाचार) पिलखुवा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 9 के निकट स्थित मोनाड विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति वितरण में बड़े स्तर की अनियमितताओं के मामले में प्रशासन की कड़ी कार्रवाई का सामना कर रहा है। जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय ने विश्वविद्यालय को छात्रवृत्ति योजना से संबंधित सभी लाभों के लिए काली सूची में डालने का आदेश जारी किया है। साथ ही कथित गड़बड़ी से संबंधित धनराशि की वसूली और आपराधिक मुकदमा दर्ज कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी शिवकुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि नियमित परीक्षण अभियान के दौरान छात्रवृत्ति आवंटन के अभिलेखों की जांच की गई थी। जांच में पाया गया कि सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को अनुसूचित जाति श्रेणी में दर्शाकर छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति की रकम निकाली गई। प्रारंभिक पड़ताल में लगभग 53 करोड़ रुपये की धनराशि संदिग्ध पाई गई है। जांच के दायरे में आए मामलों में करीब दस

प्रतिशत भुगतान पूरी तरह अप्रामाणिक मिला। प्रशासन द्वारा वर्ष 2013 से 2025 तक के अभिलेखों में से कई मामलों को यादृच्छिक रूप से चुना गया। परीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में प्रविष्टियां नियमों के विपरीत पाई गईं। विवरण के अनुसार लगभग 50 करोड़ रुपये अनुसूचित जाति मद और तीन करोड़ रुपये सामान्य वर्ग छात्रवृत्ति मद में अनियमित तरीके से दर्शाए गए। मामले की गहराई से छानबीन के लिए चार सदस्यीय जांच दल गठित किया गया, जिसकी रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है।
जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय ने स्पष्ट किया कि जांच में वित्तीय गड़बड़ी के ठोस संकेत मिलने के बाद विश्वविद्यालय को छात्रवृत्ति योजनाओं से वंचित कर दिया गया है। अब यहां अध्ययनरत कोई भी विद्यार्थी सरकारी छात्रवृत्ति का लाभ नहीं ले सकेगा। संबंधित धनराशि की वसूली की कार्रवाई के साथ-साथ प्राथमिकी दर्ज कराने का भी निर्णय लिया गया है। आगे की विस्तृत जांच में राशि और बढ़ने की संभावना भी व्यक्त की जा रही है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूरे प्रकरण से अनभिज्ञता जताते हुए कहा है कि उन्हें इस प्रकार की किसी अनियमितता की जानकारी नहीं है। प्रशासनिक स्तर पर जांच और कानूनी कार्रवाई की आगे की प्रक्रिया जारी है।

आईटी सेक्टर से इंडस्ट्रियल जोन घोषित करने की उठी मांग, 82 गांवों के मुद्दे पर मुख्यमंत्री से मिलेंगे पूर्व सांसद

हापुड़ (शिखर समाचार) जनपद के औद्योगिक विकास और स्थानीय युवाओं के रोजगार को लेकर 82 गांवों को आईटी क्षेत्र की श्रेणी से हटाकर औद्योगिक क्षेत्र घोषित किए जाने की मांग तेज हो गई है। हापुड़ गाजियाबाद संसदीय क्षेत्र का चार बार प्रतिनिधित्व कर चुके पूर्व सांसद और लोकसभा आवास समिति के पूर्व सभापति रमेश चंद तोमर ने इस विषय को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात का समय मांगा है।
रेलवे रोड स्थित सिटी प्लाजा में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान रमेश चंद तोमर ने बताया कि वर्ष 2006 में ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण ने धौलाना विधानसभा क्षेत्र के 70 और हापुड़ विधानसभा क्षेत्र के 12 गांवों को अधिग्रहण सूची में शामिल किया था, लेकिन दो दशक बीत जाने के बाद भी अधिग्रहण की वास्तविक प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। उनका कहना है कि स्थिति स्पष्ट न होने से क्षेत्र का औद्योगिक विकास पूरी तरह ठप पड़ा है। उन्होंने कहा कि धौलाना क्षेत्र में

कोई भी उद्योग स्थापित करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य है, परंतु बीते लगभग 20 वर्षों में विकास प्राधिकरण ने एक भी अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया। इसके चलते निवेशक आगे नहीं आ रहे और उद्योग लगाने की योजनाएं कागजों तक सीमित हैं। यदि उद्योग लगते तो स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हो सकते थे। रमेश चंद तोमर ने यह भी कहा कि महायोजना 2041 में इन 82 गांवों को आईटी क्षेत्र के रूप में दर्ज कर दिया गया है। इस वर्गीकरण के कारण पारंपरिक औद्योगिक इकाइयों की स्थापना संभव नहीं रह जाती, जिससे किसानों और युवाओं दोनों के हित प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस महत्वपूर्ण विषय पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने अपेक्षित पहल नहीं की। पूर्व सांसद ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर मांग की है कि हापुड़ और धौलाना क्षेत्र के इन सभी 82 गांवों की श्रेणी बदलकर औद्योगिक क्षेत्र घोषित किया जाए, ताकि उद्योग स्थापना का रास्ता साफ हो सके। उन्होंने मुख्यमंत्री से समय भी मांगा है और समय मिलते ही लखनऊ पहुंचकर पूरे प्रकरण की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करेंगे। पत्रकार वार्ता में सुरेश तोमर और चमन सिंह तोमर सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

ऑपरेशन लंगड़ा : थाना मुरादनगर का वांछित मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वाट टीम अपराध शाखा और थाना मधुबन बापूधाम पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए थाना मुरादनगर से कई मुकदमे में वांछित यासर को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में यासर को गोली लगी और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसीपी सूर्यबली मौर्या ने बताया कि थाना मुरादनगर पर यासर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसकी विवेचना थाना मधुबन बापूधाम पर चल रही थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि यासर क्षेत्र में घूम रहा है, जिसको गिरफ्तार करने के लिए चेकिंग शुरू की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध वर्ना कार आती हुई दिखाई दी। पुलिस ने जब कार को रुकने का ईशारा किया तो वह गाड़ी मोड़ कर भागने लगा। इस दौरान उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें उसके गोली लग गई। यासर को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इसके कब्जे से 1 अवैध देशी पिस्टल, 1 जिन्दा कारतूस, 1 खोखा कारतूस, काले रंग की वर्ना कार बरामद की।

गाजियाबाद में स्मार्ट यातायात बूथों की हुई शुरूआत, पुलिस आयुक्त ने किया लोकार्पण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे महानगर गाजियाबाद को जाममुक्त बनाते हुए ट्रैफिक पुलिस कर्मियों का ध्यान रखने के लिए स्मार्ट यातायात बूथों की शुरूआत हो गई है। गुरुवार को पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने स्मार्ट यातायात बूथ का लोकार्पण किया। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 20 स्मार्ट यातायात बूथों दिए है, जिसमें से 3 की शुरूआत हो चुकी है। यह तीनों बूथ यूपी गेट, गौर ग्रीन और कनवानी पुस्ता पर बनाए गए है। ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को सुविधाजनक, सुरक्षित और आरामदायक वातावरण देने के लिए यह बूथ बनाए गए है। इन बूथ के अंदर 2 पुलिस कर्मियों के बैठने की व्यवस्था है। बूथ पर सोलर पैनल लगाया गया है, जिसके माध्यम से वह लाइट कैमरा व अन्य उपकरणों को चला सकते है। बूथ के गेट पासवर्ड आधारित है, जिससे कोई भी अन्य व्यक्ति बूथ के अंदर नहीं जा सकें। यह बूथ मजबूत और टिकाऊ सामग्री से बनाए गए है, जिससे कोई इन्हें तोड़ ना सके। बूथ के बाहर एलईडी भी लगाई गई है, जिसके माध्यम से लोगों को ट्रैफिक नियमों के बारे में जागरूक किया जाएगा। लोकार्पण के दौरान एडिशनल सीपी केशव कुमार चौधरी, एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी, डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन, एसीपी ट्रैफिक जियाउद्दीन अहमद, ट्रैफिक इंस्पेक्टर आदि मौजूद रहे।

सिम्भावली विकास खंड कार्यालय की जांच, योजनाओं को गति देने के कड़े निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार) जनपद के सिम्भावली विकास खंड कार्यालय में गुरुवार को मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम ने आकस्मिक पहुंचकर व्यवस्थाओं और संचालित योजनाओं की प्रगति का विस्तृत परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक अनवर शेख, खंड विकास अधिकारी सुधीर कुमार, ग्राम्य विकास और सहकारिता शाखा से जुड़े अधिकारी, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग तथा लघु सिंचाई इकाई के अभियंता सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों से अलग अलग बिंदुओं पर जानकारी ली गई और अभिलेखों का मिलान भी कराया गया। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सभी ग्राम सचिवों और संबंधित कार्मिकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनहित योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचना

चाहिए। उन्होंने वृद्धावस्था, निराश्रित महिला और दिव्यांग पेंशन, सामाजिक क्षेत्र सत्यापन कार्य, किसान पंजीकरण अभियान, शिक्षा अधिकार प्रवेश योजना, अटल आवासीय विद्यालयों में श्रमिक परिवारों के बच्चों का नामांकन, परिवार पहचान संख्या तैयार करने तथा स्वयं सहायता समूहों के गठन और उन्हें बाजार से जोड़ने की प्रक्रिया को तय रणनीति के तहत तेजी से पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योजना के लिए गांववार कार्ययोजना तैयार की जाए, लंबित प्रकरणों की सूची बनाकर समयबद्ध निस्तारण किया जाए और पात्र लाभार्थियों का मौके पर सत्यापन कर तुरंत पंजीकरण कराया जाए। लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी अभिलेख अद्यतन रखे जाएं और क्षेत्रीय स्तर पर निगरानी बढ़ाई जाए ताकि योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पारदर्शी तरीके से पहुंच सके।

फर्जी मैक्स स्वास्थ्य देखभाल केंद्र पर स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी, केंद्र सील

हापुड़ (शिखर समाचार) नगर के स्वर्ग आश्रम मार्ग पर बिना विधिक पंजीकरण के उपचार केंद्र चलाकर रोगियों के जीवन से जोखिम भरा खिलवाड़ करने के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने कड़ी कार्रवाई करते हुए एक तथाकथित मैक्स स्वास्थ्य देखभाल केंद्र को बंद कर सील कर दिया। जांच के समय केंद्र पर न तो कोई योग्य चिकित्सक मौजूद मिला और न ही संचालन से जुड़े वैध अभिलेख प्रस्तुत किए जा सके। यह कार्रवाई एक व्यक्ति द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर गठित विशेष दल ने की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुनील त्यागी ने बताया कि कुछ दिन पूर्व मोदीनगर मार्ग स्थित एक उपचार केंद्र में शल्य क्रिया के दौरान महिला की मृत्यु का मामला सामने आया था, जिसके बाद उस स्थान को बंद कराया गया था। विभाग को सूचना मिली कि उसी केंद्र का संचालक अब नए नाम से स्वर्ग आश्रम मार्ग पर बिना अनुमति उपचार कार्य कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए नवीन के नेतृत्व में विभागीय दल बनाया गया और मौके पर जांच कराई गई। जांच के दौरान पाया गया कि केंद्र पर कोई पंजीकृत चिकित्सक तैनात नहीं था और न ही उपचार संबंधी आवश्यक कागजात उपलब्ध थे। प्राथमिक जांच में नियमों का खुला उल्लंघन सामने आने पर टीम ने तुरंत केंद्र पर ताला लगाकर उसे सील कर दिया। विभाग ने अभिलेखों की विस्तृत पड़ताल भी शुरू कर दी है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जनपद में बिना पंजीकरण चल रहे उपचार केंद्र किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। ऐसे स्थानों पर इलाज कर लोगों की जान जोखिम में डालने वालों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही नागरिकों से भी अपील की गई है कि उपचार कराने से पहले केंद्र की वैधता अवश्य जांच लें।

गढ़मुक्तेश्वर के वैवाहिक समारोह में पहुंचे जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नवदंपति को दिया आशीर्वाद

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में आयोजित एक भव्य विवाह समारोह उस समय खास बन गया जब उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। सिम्भावली, जनपद हापुड़ स्थित आरएसएम वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रबंधक के पुत्र के विवाह अवसर पर पहुंचे मंत्री ने वर और वधू को सुखमय दांपत्य जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया और परिवार के सदस्यों से आत्मीय भेंट कर शुभकामनाएं दीं। उनके आगमन से समारोह स्थल पर उत्साह का वातावरण बन गया और उपस्थित लोगों में विशेष ऊर्जा देखने को मिली। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया, जिला अध्यक्ष कविता माधरे, जनपद के विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व जिला अध्यक्ष तथा पार्टी से जुड़े अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों और बुद्धिजीवियों ने भी समारोह में भाग लेकर नवविवाहित जोड़े को शुभाशीष दिया। विवाह आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही। संदीप कुमार, संजीव त्यागी, राजीव दादू, संजय कुमार, योगेंद्र सिंह, अरुण भारद्वाज, भूपेंद्र शर्मा, मारूफ खां, परविंदर सिंह, प्रफुल सारस्वत, देवेंद्र सिंह, अनुज सहित हजारों अतिथियों ने पहुंचकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। पूरे आयोजन के दौरान पारंपरिक विधि विधान, आत्मीय स्वागत और सौहार्दपूर्ण माहौल ने सभी आगंतुकों का मन मोह लिया।

चलती गाड़ी पर जानलेवा करतब पड़े भारी, छत पर नाचते और खिड़की से लटककर वाहन दौड़ाने का वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने ठोका 29 हजार का जुमार्ना

हापुड़ (शिखर समाचार) बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में दिखावे और रोमांच के चक्कर में दो युवकों का चलती गाड़ी पर खतरनाक करतब करना महंगा पड़ गया। गांव रसूलपुर नहर मार्ग के पास का एक दृश्य सामाजिक माध्यमों पर तेजी से फैलने के बाद यातायात पुलिस ने मामले की जांच कर वाहन स्वामी पर 29 हजार रुपये का दंड लगा दिया। बताया जा रहा है कि दोनों युवक चलती चारपहिया गाड़ी में सफर करते समय सुरक्षा नियमों को पूरी तरह नजरअंदाज कर रहे थे और अपने साथ साथ दूसरों की जान भी जोखिम में डाल रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार

एक युवक पहले गाड़ी की पिछली डिक्की पर चढ़ा और वहां से ऊपर पहुंचकर छत पर खड़ा हो गया। इसके बाद वह चलती गाड़ी की छत पर ही नाचने और हाथ हिलाने जैसी हरकतें करता दिखाई दिया। वहीं दूसरा युवक चालक वाली खिड़की खोलकर आधा शरीर बाहर निकालकर लटक गया और उसी स्थिति में बाहर से ही स्टीयरिंग घुमाते हुए गाड़ी चलाता नजर आया। सड़क पर उस समय अन्य वाहन भी आ-जा रहे थे, जिससे किसी भी पल बड़ा हादसा हो सकता था। राह से गुजर रहे किसी व्यक्ति ने पूरे घटनाक्रम का वीडियों अपने फोन के कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सामाजिक मंचों पर फैल गया। वीडियों वायरल होते ही लोगों ने भी इसे बेहद खतरनाक और गैरजिम्मेदाराना बताया। मामला अधिकारियों तक पहुंचा तो यातायात शाखा ने वाहन का पंजीकरण विवरण निकालकर नियम तोड़ने की अलग-अलग धाराओं में कुल 29 हजार रुपये का चालान कर दिया। थाना प्रभारी मुनीष प्रताप सिंह ने बताया कि सार्वजनिक मार्ग पर इस तरह के जोखिम भरे करतब करना कानूनन अपराध है। इस प्रकार की हरकतें न केवल नियमों का उल्लंघन हैं बल्कि अचानक संतुलन बिगड़ने पर बड़ी दुर्घटना का कारण भी बन सकती हैं। उन्होंने साफ कहा कि ऐसे मामलों में आगे भी कड़ी कार्यवाही जारी रहेगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि प्रसिद्धि पाने या मनोरंजन के लिए सड़क को खेल का मैदान न बनाएं। वाहन चलाते समय सीट पट्टा, दरवाजे और खिड़कियां सुरक्षित रखें तथा सभी यातायात नियमों का पालन करें, ताकि खुद की और दूसरों की जान सुरक्षित रह सके।

संक्षिप्त समाचार

148 जीवित कछुए बरामद; बंगाल जा रही थी 40 लाख की खेप, जांच शुरू

कानपुर, एजेंसी। फतेहपुर रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान 40 लाख रुपये के 148 जीवित कछुए बरामद किए गए हैं, जिन्हें पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा था। पुलिस और वन विभाग की टीमें अब इस गिरोह के मास्टरमाइंड और तस्करी के पूरे रूट की जांच कर रही हैं। फतेहपुर जिले में रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने कछुआ तस्करी के एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। टीम ने दो तस्करों को पकड़कर उनके कब्जे से 148 जीवित कछुए बरामद किए हैं, जिनकी कीमत करीब 40 लाख रुपये आंकी गई है। पकड़े गए आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। संयुक्त टीम ने फतेहपुर रेलवे स्टेशन पर संदिग्धों की जांच के दौरान यह कार्रवाई की। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी जनपद सुल्तानपुर के रहने वाले हैं और ट्रेन के जरिए कछुओं को पश्चिम बंगाल ले जाकर बेचने की तैयारी में थे। इस कार्रवाई से वन्यजीव तस्करी से जुड़े एक बड़े नेटवर्क के सक्रिय होने के संकेत मिले हैं। बरामद सभी कछुओं को नियमानुसार वन विभाग को सौंप दिया गया है। वहीं, पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

आगरा में 4.29 करोड़ से बन रहा आधुनिक 'बचपन डे-केयर सेंटर'

आगरा, एजेंसी। दिव्यांग बच्चों के लिए बनाया जा रहा ये तीन मंजिला भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिसमें एक ही छत के नीचे शिक्षा और थेरेपी मिलेगी। दिव्यांगजनों के कल्याण और उज्ज्वल भविष्य के लिए विजय नगर में 4.29 करोड़ की लागत से बचपन डे केयर सेंटर का निर्माण हो रहा है। इस सेंटर में विशेष बच्चों देखभाल और शिक्षण के लिए खास व्यवस्था की जाएंगी। इसमें एक ही छत के नीचे पढ़ाई, खेल-कूद से लेकर मेडिकल जैसी सुविधा होंगी। प्रोजेक्ट दिव्यांग बच्चों की सहूलियत और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। सेंटर तीन मंजिला होगा। भूतल के साथ-साथ प्रथम और द्वितीय तल का निर्माण किया जा रहा है।

ये मिलेंगी सुविधाएं : इसमें विशेष बच्चों (दिव्यांग बच्चों) की पढ़ाई के लिए 8 कक्ष, शारीरिक और मानसिक विकास के लिए दो थेरेपी कक्ष, बच्चों के खेलकूद और मनोरंजन के लिए कक्ष, मेडिकल रूम और प्रशासनिक कार्य के लिए स्टाफ रूम बनाए जाएंगे।

बच्चों का होगा सर्वांगीण विकास : सेंटर से बच्चों को शिक्षा और हुनर को निखारने के लिए जरूरी माहौल दिया जाएगा। यहां समन्वयक कक्ष और स्टोर रूम जैसी व्यवस्थाएं भी की गई हैं, जिससे केंद्र का संचालन सुचारू रूप से हो सके। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ज्ञान देवी ने बताया कि बचपन डे-केयर सेंटर का निर्माण तेजी से चल रहा है। यह आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इससे दिव्यांग बच्चों का सर्वांगीण विकास और उनके अभिभावकों को बड़ी राहत मिलेगी।

तंबाकू, धूम्रपान और शराब छोड़ने से 40 फीसदी कम होता है कैंसर का खतरा

लखनऊ, एजेंसी। केजीएमयू में सर्जिकल आंकोलॉजी विभाग के प्रो. समीर गुप्ता के अनुसार तंबाकू, धूम्रपान और शराब छोड़कर कैंसर का खतरा 40 फीसदी तक कम किया जा सकता है। विश्व कैंसर दिवस की पूर्व संध्या पर पल्मोनरी मेडिसिन विभाग में हुई प्रेसवार्ता में प्रो. समीर गुप्ता ने बताया कि कैंसर में शरीर की सामान्य कोशिकाओं के एक समूह में होने वाले बदलाव के कारण अनियंत्रित और असामान्य वृद्धि होने लगती है। इससे ट्यूमर (गांठ) बनती है। समय पर उपचार न होने पर ट्यूमर आसपास के स्वस्थ ऊतकों में फैल सकते हैं। इस मौके पर पल्मोनरी एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश, प्रो. शैलेंद्र यादव और डॉ. सीमा गुप्ता मौजूद रहे।

कैंसर के कारण : शराब, मोटापा, खराब आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू सेवन, एक्स-रे, गामा किरणें, पराबैंगनी किरणें, कार्यस्थल जोखिम जैसे एस्बेस्टस जैसे रसायन, संक्रमण, आनुवंशिक कारण, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली।

कैंसर के लक्षण : असामान्य गांठ या सूजन, लगातार खांसी, सांस फूलना या निगलने में कठिनाई, मल त्याग की आदतों में परिवर्तन, बिना कारण रक्तस्राव, अचानक वजन घटना, अत्यधिक थकान, लगातार या बार-बार होने वाला दर्द, शरीर में मौजूद तिल में परिवर्तन, स्तन में असामान्य परिवर्तन, भूख में कमी, ऐसा घाव जो ठीक न हो। कैंसर का पता चलने पर हमने डरने के बजाय इलाज पर ध्यान दिया। नियमित इलाज से आज हम कैंसर से मुक्त हो चुके हैं। शहीद पथ स्थित निजी अस्पताल में मंगलवार को कैंसर सर्वाइवर्स के लिए हुए कार्यक्रम में ठीक हो चुके लोगों ने यह बात कही। इससे पहले इन सर्वाइवर्स ने यूपी टूरिज्म की डबल डेकर बस पर सवार होकर 1090 चौराहे से लेकर विधानसभा, रेजिडेंसी पार्क से हेतु हुए यूपी दर्शन पार्क का भ्रमण किया।

मेरठ परिक्षेत्र में अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई, जनवरी माह में सैकड़ों गिरफ्तारी और बड़ी बरामदगी

मेरठ (शिखर समाचार)

मेरठ परिक्षेत्र कार्यालय द्वारा जारी विवरण के अनुसार जनवरी माह के दौरान अपराध नियंत्रण को लेकर व्यापक स्तर पर निरोधात्मक अभियान चलाया गया। परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जनपदों में विशेष अभियान के तहत अपराधियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए गए, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में अभियुक्तों की गिरफ्तारी, अवैध हथियारों की बरामदगी तथा विभिन्न कठोर कानूनों के अंतर्गत मुकदमे दर्ज किए गए।

डीआईजी रेंज मेरठ कलानिधि नैथानी ने जानकारी देते हुए बताया कि परिक्षेत्र में चलाए गए शस्त्र अभियान के तहत 193 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 161 अवैध हथियार और 217 कारतूस बरामद किए गए। संगठित अपराध पर प्रहार करते हुए गैंगस्टर अधिनियम के अंतर्गत 198 अभियुक्तों को पकड़ा गया। वहीं 159 अपराधियों पर गुण्डा अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई, जिनमें से 35 को जिला बदर किया गया। 49 अपराधियों पर इनाम घोषित किया गया है। मादक पदार्थ निरोधक कानून के अंतर्गत 26 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए, जिनके पास से लगभग एक कुन्टल गांजा तथा दो किलोग्राम स्मैक और कोकीन जैसे नशीले पदार्थ बरामद हुए। आबकारी कानून के उल्लंघन में 200 अभियुक्तों को पकड़ा गया और करीब आठ हजार लीटर देशी शराब व पंद्रह सौ लीटर कच्चा लहन जब्त किया गया। परिक्षेत्र स्तर पर चलाए जा रहे प्रहार अभियान के अंतर्गत जनवरी माह में चारों जनपदों में गैंगस्टर कानून के 60, शस्त्र कानून के 191, मादक पदार्थ कानून के 18 और आबकारी कानून के 194 प्रकरण दर्ज किए गए। इसके अतिरिक्त गुण्डा कानून के तहत 159 अपराधियों पर कार्रवाई करते हुए 35 को जिला बदर किया गया और 49 पर इनाम घोषित किया गया। जनपद मेरठ में गैंगस्टर कानून के 26 प्रकरणों में 100 अभियुक्त पकड़े गए। शस्त्र कानून के 67 प्रकरणों में 80 अभियुक्त गिरफ्तार हुए तथा 52 अवैध हथियार और 88 कारतूस बरामद किए गए। मादक पदार्थ कानून के छह प्रकरणों में सात अभियुक्त और आबकारी कानून के 55 प्रकरणों में 57 अभियुक्त गिरफ्तार हुए। जनपद बुलन्दशहर में गैंगस्टर कानून के 20 प्रकरणों में 70 अभियुक्त, शस्त्र कानून के 58 प्रकरणों में 65 अभियुक्त पकड़े गए और 54 अवैध हथियार व 57 कारतूस जब्त किए गए। मादक पदार्थ कानून के नौ प्रकरणों में 16 तथा आबकारी कानून के 77 प्रकरणों में 80 अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई।

जनपद बागपत में गैंगस्टर कानून के छह प्रकरणों में 29 अभियुक्त, शस्त्र कानून के 28 प्रकरणों में 28 अभियुक्त पकड़े गए और 27 अवैध हथियार व 33 कारतूस बरामद हुए। मादक पदार्थ कानून के दो तथा आबकारी कानून के 25 प्रकरणों में क्रमशः दो और 26 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए। जनपद हापुड़ में गैंगस्टर कानून के आठ प्रकरणों में 30 अभियुक्त, शस्त्र कानून के 38 प्रकरणों में 20 अभियुक्त गिरफ्तार हुए और 28 अवैध हथियार व 39 कारतूस बरामद किए गए। यहां मादक पदार्थ कानून के एक तथा आबकारी कानून के 37 प्रकरणों में 37 अभियुक्तों पर कार्रवाई हुई।

गुण्डा कानून के तहत जनवरी माह में मेरठ में 76 पर कार्रवाई कर 13 को जिला बदर किया गया। बुलन्दशहर में 50 पर कार्रवाई और 10 जिला बदर, बागपत में 19 पर कार्रवाई और 10 जिला बदर, जबकि हापुड़ में 14 पर कार्रवाई और दो जिला बदर किए गए। तीन अभियुक्तों को गुण्डा कानून की धारा 10 के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। परिक्षेत्र पुलिस नेतृत्व ने सभी जनपदों को निर्देश दिए हैं कि अपराधियों के विरुद्ध निरंतर और कठोर निरोधात्मक कार्रवाई जारी रखी जाए, ताकि आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश बना रहे और संगठित गिरोहों का मनोबल टूटे।

प्रदेश के शिक्षकों के लिए बड़ा फैसला, अवकाश के दिन नहीं बुला सकते जबरन

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में पढ़ा रहे शिक्षकों को जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कई बार छुट्टियों में भी शिक्षकों को बुला लेते हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से इस पर रोक लगाने का आदेश भी जारी किया गया। किंतु इस पर प्रभावी अमल नहीं हो रहा है। वहीं इसकी शिकायत शासन में हुई है। अब शासन इसके लिए कड़े निर्देश जारी करेगा।

पिछले दिनों कड़ाके की ठंड में माध्यमिक विद्यालयों में भी छुट्टी की गई थी। वहीं कुछ अन्य अवसरों पर भी छुट्टियों में शिक्षकों को काम के लिए डीआईओएस द्वारा बुलाया गया था। कई जिलों में तो विद्यालय खुलने का समय निकलने के बाद सूचना देकर शिक्षकों को बुलवाया गया था। इसे लेकर शिक्षक संगठनों ने शासन में उच्च अधिकारियों से शिकायत की है। साथ ही निदेशालय में भी इसकी सूचना दी गई है।

इस पर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने संबंधित डीआईओएस को पत्र भेजकर नाराजगी जताई है। साथ ही यह कहा है कि जल्द ही शासन की ओर से इसके लिए कड़े निर्देश भी जारी किए जाएंगे। इसमें यह व्यवस्था दी जा रही है कि छुट्टी के दिन किसी भी शिक्षक को ड्यूटी पर बुलाने से पहले संयुक्त शिक्षा निदेशक से अनुमति लेनी अनिवार्य होगी। वहीं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के प्रदेश महामंत्री राजीव यादव ने कहा है कि छुट्टियों में काम के बदले उन्हें प्रतिकर अवकाश दिया जाए।

कैंसर संस्थान में साइबर नाइफ स्थापित, तीन महीने में मिलेगी सुविधा

लखनऊ, एजेंसी। कल्याण सिंह अति विशिष्ट कैंसर संस्थान में मंगलवार को आधुनिक साइबर नाइफ की स्थापना की गई। अगले दो से तीन महीने में इसका लाभ मिलने लगेगा। साइबर नाइफ से बिना चीरा लगाए मस्तिष्क के ट्यूमर का इलाज हो सकेगा। संस्थान के निदेशक प्रो. एमएलबी भट्ट ने बताया कि मशीन की स्थापना से न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि आसपास के राज्यों के कैंसर रोगियों को भी विश्वस्तरीय उपचार संस्थान में ही उपलब्ध हो सकेगा। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वरुण विजय ने बताया कि अभी मशीन की जांच कर उसे मरीजों की उपयोगिता में लाने से पहले रेडिएशन संबंधी मंजूरी की जरूरत पड़ेगी, जिसमें दो से तीन महीने का समय लग सकता है। इस मौके पर रेडिएशन आंकोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. शरद सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता, डॉ. रूमीता सिंह, संस्थान के वित्त अधिकारी रजनीकांत वर्मा उपस्थित रहे।

मेरठ में समाधि क्षतिग्रस्त कर माहौल बिगाड़ने का प्रयास

ग्रामीणों का हंगामा, असामाजिक तत्वों की तलाश शुरू

मेरठ, एजेंसी। भावनपुर थाना क्षेत्र के गांव पचगांव पट्टी अमर सिंह के माजरा गांव गढी के जंगल में स्थित प्रभु दयाल नाथ जी महाराज की समाधि को असामाजिक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। इस घटना से स्थानीय ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, प्रभु दयाल नाथ जी महाराज की समाधि गांव गढी के जंगल में स्थित है, जहां हर साल होली और दीपावली पर उनके परिजन और ग्रामीण भंडारे का आयोजन करते हैं। सोमवार रात को कुछ अज्ञात लोगों ने समाधि को क्षतिग्रस्त कर दिया। मंगलवार को गांव पचगांव पट्टी अमर सिंह निवासी भीम और खूब सिंह जब माथा टेकने पहुंचे, तो उन्होंने समाधि को टूटा हुआ पाया। इसकी सूचना तुरंत ग्रामीणों को दी गई, जिसके बाद मौके पर भारी संख्या में लोग एकत्र हो गए।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जोगेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने ग्राम प्रधान सतीश शर्मा के साथ मिलकर ग्रामीणों की मौजूदगी में समाधि की मरम्मत का कार्य शुरू करवा दिया है। सीओ सदर देहात सुधीर सिंह ने बताया कि फिलहाल ग्रामीणों की ओर से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। इसके बावजूद, पुलिस ने तीन टीमों का गठन किया है जो असामाजिक तत्वों की पहचान कर आवश्यक कार्यवाही करेगी। पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है ताकि दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

ग्रामीणों की आस्था और इतिहास : गांव पचगांव पटटी अमर सिंह निवासी बबलू जाटव ने बताया कि उनके पिता गेंदा नाथ महाराज, रच्छौती डेरियों से जनपद गाजियाबाद के मेवला भट्टी निवासी प्रभु दयाल नाथ जी को अपने गांव लाए थे। ग्रामीणों द्वारा प्रभु दयाल नाथ जी महाराज का आदर-सत्कार किया जाता था। 21 मार्च 1968 को प्रभु दयाल नाथ जी ने यहीं देह त्याग दी थी, जिसके बाद उनकी याद में जंगल में ही समाधि का निर्माण किया गया था। यह समाधि ग्रामीणों की आस्था का केंद्र है।

राजमार्ग किनारे लगे सरकारी वृक्षों पर चली अवैध कुल्हाड़ी, वन विभाग ने पकड़ी कड़ी, गिरफ्तारी की तैयारी

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)

गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में राजमार्ग संख्या-09 के किनारे खड़े सरकारी यूकेलिप्टस वृक्षों की चोरी छिपे कटाई का मामला उजागर होने पर वन विभाग में हलचल मच गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की और पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए दोषियों की तलाश तेज कर दी। जांच के दौरान विभाग को कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर आरोपित व्यक्तियों तक पहुंच बनाई गई है और अब उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। गढ़ वन परिक्षेत्र के अधिकारी करण सिंह ने बताया कि राजमार्ग किनारे एक भू-व्यवसायी के कार्यालय के सामने खड़े आठ यूकेलिप्टस और एक चिनार का पेड़ बिना अनुमति काट लिया गया। यह सभी वृक्ष सरकारी अभिलेख में दर्ज थे। सूचना प्राप्त होते ही विभागीय कर्मचारियों ने स्थल निरीक्षण किया, कटे हुए ठूंठों की गिनती की और आसपास के लोगों से पूछताछ की। इसके बाद लकड़ी के परिवहन और बिक्री से जुड़े सूत्रों को खंगाला गया।

छानबीन के दौरान एक ट्रैक्टर चालक का पता लगाया गया, जिसने कटे हुए पेड़ों को मौके से हटाया था। साथ ही जिस आरा मशीन केंद्र पर लकड़ी बेचे जाने की जानकारी मिली, वहां भी विभाग ने पहुंचकर पूछताछ की। वहां से भी कुछ नाम सामने आए हैं, जिनकी भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। वन विभाग और स्थानीय पुलिस संयुक्त रूप से दबिश देकर संबंधित लोगों को पकड़ने की तैयारी में जुटे हैं। अधिकारी करण सिंह ने स्पष्ट कहा कि सरकारी वृक्षों की अवैध कटाई किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि जांच में विभाग का कोई कर्मचारी भी लापरवाही या मिलीभगत में शामिल पाया गया तो उसके विरुद्ध भी कठोर विभागीय और कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। विभाग ने आसपास के क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है और राजमार्ग पट्टी पर लगे वृक्षों का नया सत्यापन भी शुरू कर दिया गया है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

सराफ की दुकान पर जेवर देखती रही और कपड़ों में छिपाती रही महिला

मेरठ, एजेंसी। कंकरखेड़ा में तान्या ज्वेलर्स की दुकान पर आई महिला लाखों के जेवर चोरी कर दुकान से चली गई। दुकान मालिक और उसके कर्मचारियों ने पीछा कर उसे पकड़ा। पुलिस ने चोरी किए गए जेवर बरामद कर लिए।

थाना कंकरखेड़ा क्षेत्र में सतीश चौक स्थित तान्या ज्वेलर्स दुकान से आभूषण चोरी के मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। दुकान मालिक की तत्परता से महिला को कुछ ही दूरी पर पकड़ लिया गया। पुलिस ने महिला के पास से चोरी की गई सोने की अंगूठी, चांदी की दो अंगूठियां और एक लौंग बरामद की है। डिफेंस एंक्लेव निवासी ओमप्रकाश की अंबेडकर रोड स्थित सतीश चौक पर तान्या ज्वेलर्स के नाम से आभूषणों की दुकान है। बीती शाम मोदीनगर निवासी पिंकी वर्मा नामक महिला दुकान पर आभूषण देखने के बहाने आई थी। इस दौरान, उसने चतुराई से सोने की एक अंगूठी, चांदी की दो अंगूठियां और एक लौंग को पार कर लिया और दुकान से बाहर निकल गई।

कुछ ही मिनटों के भीतर, दुकान मालिक को अपने माल के गायब होने का अहसास हुआ। उन्होंने तुरंत अपने कर्मचारियों के साथ महिला का पीछा किया और सरधना रोड पर उसे पकड़ लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को थाने ले आई। सीओ दौराला, प्रकाशचंद्र अग्रवाल ने बताया कि पूछताछ के दौरान महिला की तलाशी ली गई, जिसमें चोरी किए गए आभूषण बरामद हुए।

परिवार के पांच लोगों समेत नाले में गिरी कार

बचाओ-बचाओ की मची चीख-पुकार, 10 साल की बच्ची घायल

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के देहली गेट थाना क्षेत्र निवासी फिरोज और उनका परिवार सरधना में एक डॉक्टर के पास आए थे। वापस लौटते समय सामने से आ रहे वाहन से बचने के प्रयास में कार नाले में जा गिरी। राहगीरों ने एक साइड की खिड़की के रास्ते परिवार को बाहर निकाला।

जिले में खुले नाले राहगीरों और वाहन सवारों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। सरधना के तहसील रोड पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहन से बचने के प्रयास में एक कार अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई। गनीमत रही कि हादसे में कार सवार देहली गेट थाना क्षेत्र के रहने वाले फिरोज और उनके परिवार के चार सदस्यों की जान बच गई। हालांकि दस साल की बच्ची घायल हो गई। लोगों ने परिवार को निकालने के बाद कार को हाइड्रा की मदद से बाहर निकाला।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मेरठ के देहली गेट थाना क्षेत्र निवासी फिरोज, उनकी पत्नी, दो बच्चे और परिवार की एक महिला कार में सवार थे। वे सोमवार देर रात लगभग 11 बजे सरधना में एक चिकित्सक के यहां आ रहे थे। इसी दौरान कार नाले में गिरी। कार के एक साइड के दोनों टायर नाले में चले गए। हादसे के बाद महिलाएं व बच्चे मदद के लिए चिल्लाने लगे।

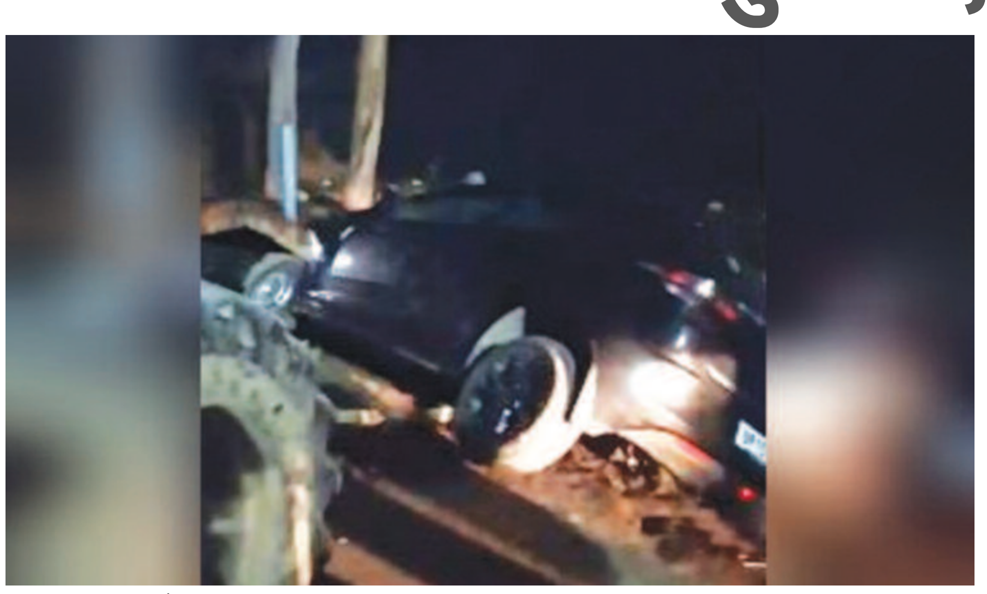

कुछ ही देर में मौके पर राहगीर व कुछ वाहन चालक पहुंचे। उन्होंने कार के एक साइड का गेट खोलकर परिवार के सदस्यों को बाहर निकाला। हादसे में नाले के किनारे लगा पत्थर का पिलर भी क्षतिग्रस्त हो गया। लोगों ने कार को ट्रैक्टर की मदद से बाहर निकालने का प्रयास किया गया लेकिन सफलता नहीं मिली। हादसे में कार सवार दस साल की बच्ची घायल हो गई। लोगों ने हाइड्रा की मदद से कार को भी बाहर निकलवा दिया। इसके बाद परिवार के लोग गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

सूचना पुलिस को नहीं दी गई लेकिन नगर पालिका की लापरवाही उजागर हो गई। हादसे के बाद नाले में गिरी कार और सहमे परिवार का वीडियो मंगलवार को वायरल हो गया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि खुले नाले आए दिन हादसों का कारण बन रहे हैं। नाले को ढकवाने और चेतावनी संकेत लगाने के लिए कई बार नगर पालिका से शिकायत की जा चुकी है। इस मार्ग से अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का नियमित आवागमन रहता है। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। नाले की चौड़ाई चार फीट और गहराई पांच फीट से अधिक बताई गई है।

नगर पालिका की ईओ दीपिका शुक्ला का कहना है कि उनके संज्ञान में ऐसी कोई शिकायत नहीं है लेकिन समस्या गंभीर है। जल्द नालों से संबंधित समस्या का समाधान कराया जाएगा। नगर पालिका चेयरपर्सन सबीला बेगम का कहना है कि भविष्य में ऐसा कोई हादसा न हो, इसके लिए जल्द ही खुले नालों ढकवाया जाएगा।

किशोर के गिरने की सूचना पर नाले में कूद गए थे थानेदार : 26 जनवरी को ट्रांसपोर्टनगर के नाले में किशोर के नाले में गिरने की सूचना पर थानेदार अरुण मिश्रा नाले में कूद गए थे। उन्होंने काफी देर किशोर को नाले में तलाशा लेकिन कोई नहीं मिला। बाद में सीसीटीवी फुटेज में किसी के गिरने की पुष्टि नहीं हुई थी।

खुले नाले कब-कब बने हादसों का कारण

- *जनवरी महीने में मेरठ के ही पल्लवपुरम (मोदीपुरम) के पास एक कार कोहरे में नाले में गिर गई थी। इसमें 18 महीने के मासूम बच्चे की डूबने से मौत हो गई थी।*
- *23 जनवरी को मेरठ के सदर थानाक्षेत्र के आबू नाले स्थित काठ के पुल के पास ई-रिक्शा नाले में गिरने से चालक सनी की मौत हो गई। हादसे की सूचना के आधे घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी।*
- *29 जनवरी को जागृति विहार एक्सटेंशन में एक अनियंत्रित कार सीधे गहरे नाले में जा गिरी। नाले की चारदीवारी (बाउंड्री वॉल) नहीं थी। कार सीख रहे सवारों को सड़क और नाले का अंदाजा नहीं मिला और कार नीचे गिर गई थी। कार में तीन लोग सवार थे। गनीमत रही कि तीनों की जान बच गई थी।*

रोहिल्लापुर के डूब क्षेत्र में अवैध बसावट पर सख्त कार्रवाई, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 18 हजार वर्ग मीटर भूमि कराई कब्जामुक्त

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) अधिसूचित क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण और अवैध भूखंड काटने के मामलों पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कड़ा रुख अपनाते हुए रोहिल्लापुर गांव के डूब क्षेत्र में बड़ा अभियान चलाया। बृहस्पतिवार को संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर बुलडोजर की मदद से अवैध निमार्णों को गिराया और लगभग 18 हजार वर्ग मीटर जमीन को कब्जे से मुक्त कराया। बताया गया है कि कुछ भू-विकासकर्ता नदी के डूब क्षेत्र में नियमों के विरुद्ध प्लॉट काटकर अवैध कालोनी बसाने की तैयारी कर रहे थे, जिसकी सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की गई।

यह अभियान मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर परियोजना शाखा और भूलेख शाखा के अधिकारियों द्वारा चलाया गया। संबंधित भूमि हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में दर्ज है और यह पूरा इलाका प्राधिकरण की अधिसूचित सीमा में आता है, जहां बिना स्वीकृति किसी भी प्रकार का निर्माण प्रतिबंधित है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस तरह के क्षेत्रों में की गई प्लॉटिंग और निर्माण पूरी तरह गैरकानूनी माने जाएंगे और उन्हें हटाया जाएगा।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव ने कहा कि बिना मानचित्र स्वीकृति और अनुमति के किए गए निमार्णों पर लगातार ध्वस्तीकरण अभियान जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी स्थान पर जमीन या भूखंड खरीदने से पहले प्राधिकरण के भूलेख विभाग से अभिलेखों की जांच अवश्य करा लें, ताकि अवैध योजनाओं में मेहनत की कमाई फंसने से बच सके। कार्रवाई के दौरान खसरा संख्या 22 और 33 की भूमि पर चल रही अवैध प्लॉटिंग को हटाया गया। परियोजना शाखा के कार्य चक्रझ3 की टीम ने पुलिस बल के साथ मिलकर लगभग दो घंटे तक अभियान चलाया। प्रभारी राजेश कुमार निम के नेतृत्व में प्रबंधक लव शंकर भारती और अन्य कर्मचारियों ने सुरक्षा दल की मौजूदगी में निर्माण ढहाए। महाप्रबंधक एके सिंह के अनुसार डूब क्षेत्र में अवैध भूखंड काटे जाने की शिकायत प्राप्त होने के बाद जांच कर यह कदम उठाया गया।

पंद्रह दिनों में पांच बड़े अभियान, 45 हजार वर्ग मीटर से अधिक भूमि खाली

प्राधिकरण द्वारा बीते पंद्रह दिनों में अतिक्रमण हटाने के लिए लगातार बड़े स्तर पर अभियान चलाए गए हैं। इस अवधि में करीब 45 हजार वर्ग मीटर से अधिक जमीन को अवैध कब्जों से मुक्त कराया जा चुका है। 20 जनवरी को भनौता क्षेत्र में 11 हजार 340 वर्ग मीटर भूमि खाली कराई गई। 28 जनवरी को हैबतपुर में 6 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र से निर्माण हटाए गए। 4 फरवरी को भनौता में 10 हजार वर्ग मीटर जमीन पर कार्रवाई हुई और अब रोहिल्लापुर में 18 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र को मुक्त कराया गया है। इसके अलावा 29 जनवरी को खेड़ा चौगानपुर क्षेत्र में आठ आवासीय टावरों के सौ से अधिक आवासों पर सील लगाने की कार्रवाई भी की गई। लगातार चल रहे अभियानों से अवैध कालोनी विकसित करने वाले लोगों में हड़कंप की स्थिति है। प्राधिकरण ने दोहराया है कि नियमों के विरुद्ध किसी भी निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

औद्योगिक क्षेत्रों में विकास को लेकर डीएम की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। औद्योगिक क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने, स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने, उद्योगपतियों की समस्याओं का निस्तारण करने तथा सुरक्षा व्यवस्था को ओर अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाएं सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, सफाई, सड़कों का निर्माण, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिलाधिकारी ने यूपीसीडा सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह औद्योगिक क्षेत्रों से संबंधित सभी बिंदुओं को क्रमवार पीपीटी के माध्यम से बैठक में प्रस्तुत करें। उन्होंने यह भी कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान हेतु त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में अवैध अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए जिला अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्रों में किए गए अवैध कब्जों को चिन्हित करें, जिससे उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सके। साथ ही उद्योगों को आने वाली विभिन्न समस्याओं से अवगत होकर उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। उन्होने कहा कि उक्त क्षेत्रों में किये जाने वाले विकास कार्यों सहित अन्य कार्यों के लिए बजट आदि पर भी विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे उद्योगों का संचालन सुचारु रूप से हो सके और निवेश को प्रोत्साहन मिले। इस अवसर पर बैठक में अपर जिलाधिकारी एल/ए, अपर जिलाधिकारी (नगर), सीडीओ अभिनव गोपाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने अपने-अपने विभागों से संबंधित जानकारी साझा की।

गाजियाबाद में पांच एसीपी हुए इधर से उधर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ट्रैफिक और लॉ एंड ऑर्डर व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए पांच एसीपी के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। एसीपी भास्कर वर्मा को सहायक पुलिस आयुक्त अपराध की जगह सहायक पुलिस आयुक्त मोदीनगर बनाया गया है। वहीं सहायक पुलिस आयुक्त मोदीनगर के पद पर तैनात अमित कुमार सक्सेना को सहायक पुलिस आयुक्त अपराध और सहायक पुलिस आयुक्त यातायात द्वितीय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके अलावा सहायक पुलिस आयुक्त ट्रैफिक प्रथम जियाउद्दीन अहमद को सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम बनाया गया है। जियाउद्दीन अहमद के स्थान पर सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर रितेश कुमार त्रिपाठी को सहायक पुलिस आयुक्त ट्रैफिक प्रथम बनाया गया है। इसके अतिरिक्त सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम के पद पर तैनात उपासना पाण्डेय को सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर का पद दिया गया है।

गाजियाबाद ग्रामीण पुलिस ने 281 मोबाइल फोन किए बरामद, स्वामियों को किए सपुर्द

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ग्रामीण जोन के सभी थानों और साइबर सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चोरी व गुम हुए 281 मोबाइल फोन रिकवर कर उनके मालिकों को वापस लौटाए हैं। इन मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 75 लाख रुपये है। सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल पर मोबाइल चोरी और गुमशुदगी से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। इन शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए ग्रामीण जोन साइबर टीम और थानों पर स्थापित साइबर हेल्प डेस्क ने तकनीकी सर्विलांस और मैनुअल इनपुट की मदद से अलग-अलग कंपनियों के कुल 281 मोबाइल फोन बरामद किए। मोबाइल रिकवरी के लिए पुलिस टीमों ने तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया था। बरामद किए गए सभी मोबाइल फोन की पहचान कर उन्हें उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिया गया है। थाना लोनी से झ्र 42, थाना ट्रोनिका सिटी से झ्र 37, थाना अंकुर विहार से झ्र 30, थाना लोनी बॉर्डर से झ्र 28, थाना मसूरी से झ्र 55, थाना मुरादनगर से झ्र 36, थाना मोदीनगर से झ्र 35, थाना निवाड़ी से झ्र 8 और थाना भोजपुर से झ्र 10 मोबाइल बरामद किए गए। ग्रामीण जोन पुलिस की इस कार्रवाई से आम लोगों में पुलिस के प्रति भरोसा ओर मजबूत हुआ है। पुलिस ने अपील की है कि मोबाइल चोरी या गुम होने की स्थिति में तुरंत सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

गाजियाबाद में नगर निगम कराएगा 227 करोड़ के कार्य, नगर आयुक्त ने निविदा आमंत्रित करने के दिये निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के आदेश पर शहर में विकास कार्यों को तेजी से रफ्तार दी जा रही है। इंदिरापुरम सहित प्रत्येक वार्ड में निर्माण कार्य तेजी से चल रहे है। जनप्रतिनिधियों के बताए गए कार्यों को धरातल पर कराया जा रहा है। आंतरिक वार्डों में इंटरलॉकिंग टाइल, नालिया, पुलिया बनाने के साथ-साथ मुख्य प्रमुख मार्गो के सड़क सुधार का कार्य भी निरंतर जारी है। वहीं जलभराव को रोकने के लिए नालों के निर्माण का कार्य भी कराया जा रहे है। नगर आयुक्त लगातार चल रहे कार्यों की समय-समय पर समीक्षा कर रहे है। नगर आयुक्त ने समस्त निर्माण विभाग टीम के साथ नए कार्यों को करने के लिए समीक्षा की, जिसमें विकास की श्रंखला में 227 करोड़ के कार्यों को प्रारंभ करने के लिए निविदा आमंत्रित करने के निर्देश दिए। मौके पर मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी तथा सभी जोन के अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता, सुपरवाइजर व अन्य टीम भी उपस्थित रही।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि अवस्थापना निधि के अंतर्गत 227 करोड़ के कार्य मार्च महा में प्रारंभ किए जाएंगे। इसके लिए निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत धरातल पर कार्य प्रारंभ कराए जाएंगे, जिसके लिए समीक्षा बैठक बुलाई गई। सभी निर्माण के अधिकारियों व टीम को निविदा प्रक्रिया तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है।आंतरिक गलियों में भी नए कार्य करने के लिए निविदा आमंत्रित की गई है। प्रमुख कार्यों में सौंदर्यकरण के कार्यों को भी शामिल किया जा रहा है। लगभग 6 करोड़ से शहर में सौंदर्यकरण का कार्य मार्च माह में प्रारंभ कराया जाएगा। एसडब्लूएम के अंतर्गत 32 करोड़ 40 लाख से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट हेतु कार्य किया जाएगा। एयर क्वालिटी के अंतर्गत 30 करोड़ 89 लाख के कार्य कराए जाएंगे, जिसमें मोहन नगर, वसुंधरा, कविनगर तथा सिटी जोन में सड़क सुधार के कार्य होंगे, जिसके लिए निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। इंदिरापुरम अवस्थाना के लिए 17 करोड़ 41 लाख के कार्य वहां के वार्डों में कराए जाएंगे, जिसमें नाला निर्माण के कार्यों को भी शामिल किया गया है।

आईएमएस गाजियाबाद में संघीय बजट पर आधारित प्रत्यक्ष संसद अनुकरण कार्यक्रम आयोजित

गाजियाबाद (शिखर समाचार) आईएमएस गाजियाबाद में 4 फरवरी 2026 को प्रबंधन विभाग द्वारा संघीय बजट 2026-27 को केंद्र में रखकर एक व्यापक और शिक्षाप्रद बजट अनुकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन प्रत्यक्ष संसद प्रारूप में संपन्न हुआ, जिसमें 150 से अधिक विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए संसदीय कार्यवाही का जीवंत अभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वित्तीय प्रावधानों, मंत्रालयों के कार्यक्षेत्र, नीति निर्माण की प्रक्रिया और वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों की व्यवहारिक जानकारी देना रहा, ताकि वे पाठ्य ज्ञान के साथ वास्तविक प्रशासनिक प्रक्रियाओं को भी समझ सकें।

कार्यक्रम में आईएमएस समूह संस्थानों के महासचिव सीए (डॉ) राकेश छारिया, निदेशक प्रो.(डॉ) जसकिरण कौर तथा अनुसंधान एवं विकास प्रमुख डॉ. यरागौला प्रकाश की उपस्थिति ने आयोजन को गरिमा प्रदान की। निदेशक डॉ. जसकिरण कौर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के व्यवहारिक आयोजन शिक्षा को केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रखते, बल्कि विद्यार्थियों को वास्तविक निर्णय प्रक्रिया और शासकीय ढांचे से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच भविष्य के प्रबंधकों और नीति निर्धारकों में नेतृत्व, तर्क क्षमता और निर्णय कौशल को मजबूत करते हैं तथा विद्यार्थियों को निरंतर सहभागिता के लिए प्रेरित करते हैं। इस अभ्यास कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने संघीय बजट की संरचना, आय व्यय संतुलन, कर प्रावधानों और विकास योजनाओं को व्यावहारिक रूप में समझा। उन्हें यह भी अनुभव मिला कि बजट निर्माण केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक प्राथमिकताओं का संतुलित निर्धारण होता है। संसदीय पद्धति, मंत्रालयों की जिम्मेदारियां और प्रश्नोत्तर प्रक्रिया का अभ्यास होने से विद्यार्थियों की विषय समझ और अधिक सुदृढ़ हुई।

भूमिकाओं के निर्वहन में विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। अन्नी पांडे ने वित्त मंत्री के रूप में बजट प्रस्तुत किया। आयुष्मान चौधरी और अंशिका कुमारी ने विपक्ष की भूमिका निभाते हुए नीतिगत प्रश्न उठाए। आर्यन शर्मा ने नेता प्रतिपक्ष के रूप में सारगर्भित तर्क रखे। मंत्रालयों के प्रतिनिधित्व में प्रियांश शर्मा ने परिवहन मंत्रालय, श्रेया रानी सिंह ने स्वास्थ्य मंत्रालय, विशेष त्यागी ने रक्षा मंत्रालय और कौशलेंद्र पाठक ने शिक्षा मंत्रालय का पक्ष रखा। वंश त्यागी ने भी संसदीय कार्यवाही में सक्रिय योगदान दिया। इन प्रस्तुतियों से प्रत्यक्ष संसद की अवधारणा सजीव रूप में सामने आई। आयोजन के दौरान समूह चर्चा, विचार विमर्श और निर्णय प्रक्रिया के अभ्यास से विद्यार्थियों के संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता और सामूहिक कार्यशैली का विकास हुआ। समसामयिक आर्थिक और सामाजिक विषयों पर बहस के अवसर मिलने से उनकी विश्लेषण शक्ति और तार्किक सोच को भी मजबूती मिली। कार्यक्रम का संचालन सीए, सीएमए विक्रांत सिंह ने सुव्यवस्थित ढंग से किया। इस आयोजन ने ज्ञानवर्धन के साथ-साथ रचनात्मक सोच और सक्रिय सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया।

चलती एंबुलेंस में हुआ सुरक्षित प्रसव, नवजात बेटी के जन्म से परिवार में खुशी का माहौल

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में प्रसव पीड़ा से गुजर रही एक गर्भवती महिला ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही एंबुलेंस के भीतर बच्ची को जन्म दे दिया। नवजात की पहली किलकारी सुनते ही परिवार और गांव में हर्ष का वातावरण बन गया। सिंभावली इलाके के गांव शरीकपुर निवासी किसान दीपांशु की पत्नी निक्की को बुधवार को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। स्थिति को देखते हुए परिजनों ने तत्काल सरकारी रोगी वाहन सेवा को सूचना देकर एंबुलेंस बुलवाई। सूचना मिलते ही एंबुलेंस गांव पहुंची और महिला को उपचार के लिए सामुदायिक चिकित्सालय ले जाने के लिए रवाना हुआ। रास्ते में महिला की पीड़ा तेज हो गई। वाहन चालक पुष्पेंद्र सिंह, आपातकालीन स्वास्थ्य सहायक भारत सिंह तथा गांव की आशा कार्यकर्ता प्रियंका महिला को लगातार ढांढस बंधाते रहे और आवश्यक तैयारी करते रहे। अस्पताल पहुंचने से पहले ही प्रसव की स्थिति बन गई और एंबुलेंस के भीतर ही सुरक्षित रूप से बच्ची का जन्म हो गया। वाहन में मौजूद स्वास्थ्य दल ने तत्परता दिखाते हुए प्रसव प्रक्रिया पूरी कराई। जच्चा और नवजात की स्थिति सामान्य रहने पर उन्हें तुरंत चिकित्सालय पहुंचाकर भर्ती कराया गया, जहां दोनों को जरूरी टीके और अन्य चिकित्सीय देखभाल दी जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्य अस्पताल पहुंचे और खुशी जताते हुए स्वास्थ्य दल, आशा कार्यकर्ता तथा अस्पताल कर्मियों का आभार व्यक्त किया। परिजनों ने मिठाई बांटकर नवजात के जन्म का उत्सव मनाया।

सीकरी कला के पास भीषण सड़क हादसा, तेज रफ्तार मालवाहक वाहन की टक्कर से युवक की मौत

मोदीनगर (शिखर समाचार) दिल्ली मेरठ मार्ग पर सीकरी कला गांव के निकट बीती रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक की जान चली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार इंद्रपुरी कॉलोनी निवासी 35 वर्षीय कलवा एक निजी संस्था में कार्यरत था और रात के समय अपनी मोटरसाइकिल से मोदीनगर की ओर वापस लौट रहा था। जैसे ही वह सीकरी कला क्षेत्र के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रहे तेज गति के भारी मालवाहक वाहन ने उसकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद चालक वाहन सहित घटनास्थल से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा, शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आसपास के मार्गों और निगरानी यंत्रों की सहायता से फरार वाहन की पहचान करने और चालक को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

झांसेबाज साधु ने आशीर्वाद के बहाने महिला से सोने के कुंडल उतरवाए, खुली पुड़िया में निकले सिक्के, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) नगर क्षेत्र में ठगी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां खुद को साधु बताने वाले व्यक्ति ने धार्मिक बातचीत और आशीर्वाद का बहाना बनाकर एक महिला को अपने जाल में फंसाया और उसके कानों से सोने के कुंडल उतरवाकर रफूचक्कर हो गया। घर पहुंचकर जब महिला ने दी गई पुड़िया खोली तो उसमें कुंडलों की जगह मामूली सिक्के निकले। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर खोजबीन आरम्भ कर दी है। गांव खानपुर निवासी चन्द्रपाल द्वारा थाने में दी गई लिखित सूचना में बताया गया कि दो फरवरी को उसकी पत्नी संतोष देवी किसी जरूरी कार्य से नगीना आई थी। दोपहर लगभग बारह बजे के आसपास जब वह नगर पालिका के मुख्य द्वार के पास पहुंची तो वहां खड़े एक साधु और उसके साथ मौजूद एक युवक ने उसे रोक लिया। दोनों ने बातचीत शुरू की और धार्मिक स्थान का रास्ता पूछने के बहाने उसे बातों में उलझाए रखा। कुछ ही देर में साधु ने भरोसा जीतते हुए आशीर्वाद देने की बात कही और उसके सिर पर हाथ रखा। बताया गया कि इसी दौरान साधु ने कथित तौर पर पूजा संबंधी कारण बताकर महिला से कानों के कुंडल उतरवाने को कहा। कुंडल लेकर उसने एक कागज की पुड़िया बनाई और महिला को देते हुए कहा कि इसे घर जाकर ही खोलना, इससे मंगल होगा। महिला उसके झांसे में आ गई और पुड़िया लेकर घर पहुंची। जब पुड़िया खोली गई तो उसमें सोने के कुंडलों की जगह केवल एक-एक रुपये के पांच सिक्के रखे मिले। यह देख परिवार के लोग हैरान रह गए और महिला घबरा गई। परिजनों के अनुसार डर और शर्म के कारण महिला ने तुरंत घटना नहीं बताई, बाद में हिम्मत जुटाकर पूरी बात घरवालों को बताई गई। इसके बाद थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी गई। थाना प्रभारी अवनीश मान ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की जा रही है और संदिग्ध साधु व उसके साथी की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अनजान व्यक्तियों की बातों में आकर आभूषण या नकदी न सौंपें और ऐसी किसी भी संदिग्ध हरकत की तुरंत सूचना दें।

आईजीआरएस प्रकरणों में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई, अपर जिलाधिकारी ने दी चेतावनी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस शिकायत निस्तारण प्रणाली की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। समीक्षा के दौरान असंतोषजनक फीडबैक वाले मामलों तथा विशेष श्रेणी में बंद किए गए प्रकरणों की विभागवार और मामलेवार जांच की गई। अधिकारियों को स्पष्ट रूप से आगाह किया गया कि जिन विभागों में शिकायतकताओं की असंतुष्टि अधिक पाई जाएगी या बिना उचित श्रेणी निर्धारण के मामलों को विशेष रूप से बंद दिखाया जाएगा, वहां जिम्मेदार अधिकारियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी और संबंधित रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी जाएगी। बैठक में निर्देश दिया गया कि प्रत्येक शिकायत के निपटारे से पहले शिकायतकर्ता से दूरभाष पर अनिवार्य रूप से वार्ता की जाए और जरूरत पड़ने पर स्थल निरीक्षण भी किया जाए। निस्तारण रिपोर्ट के साथ शिकायतकर्ता और प्रतिपक्ष के बयान तथा जरूरी प्रमाण पत्र और अभिलेख संलग्न किए जाएं, ताकि कार्रवाई की गुणवत्ता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो सके। अधिकारियों से कहा गया कि केवल औपचारिकता पूरी कर प्रकरण बंद करने के बजाय वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। अपर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रतिदिन जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को समय से आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराया जाए और उनकी नियमित निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि शिकायत निस्तारण प्रक्रिया में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयसीमा का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। समीक्षा बैठक में सदर उप जिलाधिकारी आशुतोष गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

धौलाना औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्री पर प्रशासन की बड़ी कार्यवाही

हापुड़(शिखर समाचार) ।धौलाना औद्योगिक क्षेत्र में प्रशासन ने अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की है। गुरुवार को लेखपाल अनुज चौधरी, नायब तहसीलदार अमरपाल और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने यूपीएसआईडीसी फेस-2 स्थित जी-359 नंबर फैक्ट्री को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान किसी भी अव्यवस्था से बचने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। फैक्ट्री के खिलाफ नियमों के उल्लंघन और आवश्यक दस्तावेजों की कमी की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों की जांच के बाद प्रशासन ने संयुक्त निरीक्षण किया, जिसमें फैक्ट्री संचालन से जुड़ी कई अनियमितताएं सामने आईं। इसके बाद उच्च अधिकारियों के निर्देश पर फैक्ट्री को तत्काल सील करने का निर्णय लिया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने फैक्ट्री परिसर को अपने कब्जे में लेकर सीलिंग की प्रक्रिया पूरी की। नायब तहसीलदार अमरपाल ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस प्रशासन ने इस दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रशासन की इस कार्रवाई से औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। अन्य फैक्ट्री संचालकों को भी नियमों का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी दी गई है।

संपादकीय

मोबाइल की गिरफ्त में बचपन : डिजिटल लत, अवसाद और हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र की भारत सिटी में तीन नाबालिग लड़कियों द्वारा नौवीं मंजिल से कूदकर जान देने की घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह सिर्फ एक पारिवारिक त्रासदी नहीं, बल्कि हमारे समय का एक गहरा सामाजिक संकेत है। तेजी से बदलती डिजिटल जीवनशैली, मोबाइल पर बढ़ती निर्भरता, आभासी दुनिया का दबाव और भावनात्मक संवाद की कमी मिलकर बच्चों और किशोरों को ऐसे मानसिक अंधेरे की ओर धकेल रही है, जहां उन्हें रास्ता दिखाई नहीं देता। यह घटना हमें मजबूर करती है कि हम ठहरकर सोचें क्या हम अपने बच्चों को सुविधाएं तो दे रहे हैं, लेकिन सहारा देना भूल रहे हैं? मोबाइल फोन आज सिर्फ संचार का माध्यम नहीं रह गया, बल्कि मनोरंजन, शिक्षा, खेल, सामाजिक पहचान और भावनात्मक जुड़ाव का मुख्य साधन बन गया है। बच्चे अब खेल के मैदान से ज्यादा स्क्रीन पर सक्रिय हैं। मित्रों से मुलाकात की जगह संदेश और वीडियो ने ले ली है। पढ़ाई के नाम पर शुरू हुआ स्क्रीन समय कब अनियंत्रित उपयोग में बदल जाता है, इसका अंदाजा अक्सर माता-पिता को देर से होता है। लगातार स्क्रीन पर बने रहने से नींद की कमी, चिड़चिड़ापन, ध्यान भटकना, आत्मतुलना और अकेलेपन की भावना तेजी से बढ़ती है। यही स्थितियां आगे चलकर अवसाद का रूप ले सकती हैं। डिजिटल मंचों की एक और खतरनाक परत है तुलना और प्रदर्शन की संस्कृति। सामाजिक माध्यमों पर दिखाई देने वाली चमकदार जिंदगी बच्चों के मन में यह भ्रम पैदा करती है कि हर किसी का जीवन उनसे बेहतर है। लाइक, टिप्पणी और साझा किए जाने की संख्या आत्मसम्मान का पैमाना बन जाती है। असफलता, डांट, पढ़ाई का दबाव या मित्रों से दूरी जैसे सामान्य जीवन अनुभव भी उन्हें असहनीय लगने लगते हैं। जब वास्तविक जीवन की चुनौतियों से निपटने की क्षमता विकसित नहीं होती, तब आभासी दुनिया का दबाव मानसिक संतुलन को और कमजोर कर देता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि मोबाइल की लत केवल समय की बबार्दी नहीं, बल्कि मस्तिष्क के व्यवहार को बदल देने वाली आदत बन सकती है। लगातार बदलती दृश्य सामग्री, छोटे छोटे वीडियो और त्वरित मनोरंजन दिमाग को तुरंत संतुष्टि पाने का आदी बना देते हैं। इससे धैर्य, गहराई से सोचने की क्षमता और भावनात्मक सहनशीलता कम होती है। पढ़ाई या वास्तविक कार्यों में मन न लगना, हर समय फोन देखने की इच्छा, और फोन छिनते ही बेचैनी ये सब संकेत हैं कि स्थिति सामान्य नहीं रही। लेकिन इस पूरे संकट के लिए केवल बच्चों को दोष देना नासमझी होगी। हमें यह स्वीकार करना होगा कि डिजिटल उपकरण हमने दिए, इंटरनेट की खुली दुनिया हमने सौंपी, लेकिन उसके उपयोग की समझ, सीमाएं और संतुलन सिखाने में हम पीछे रह गए। व्यस्त जीवनशैली में माता पिता का समय कम हुआ है। कई घरों में मोबाइल चुप कराने का साधन बन गया है। बच्चा परेशान है तो फोन दे दो, बोर है तो फोन दे दो यह आसान उपाय आगे चलकर कठिन परिणाम देता है। स्कूलों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रह सकती। भावनात्मक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, डिजिटल अनुशासन और संवाद कौशल भी उतने ही जरूरी हैं। हर विद्यालय में परामर्श व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए, जहां बच्चे बिना डर अपनी बात रख सकें। परीक्षा और प्रदर्शन के दबाव के साथ मानसिक सहारे की व्यवस्था अनिवार्य की जानी चाहिए। सरकार और नीति निमार्ताओं को भी इस बदलती समस्या को सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रश्न की तरह देखना होगा। डिजिटल मंचों पर बच्चों के लिए सुरक्षित सामग्री, समय सीमा संबंधी दिशा-निर्देश, और हानिकारक सामग्री पर कड़ाई से नियंत्रण जरूरी है। जनजागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए, जिनमें अभिभावकों को डिजिटल पालन पोषण के बारे में प्रशिक्षित किया जाए।

~ मौलिक चिंतन ~

आपका आपसे ज्यादा कोई भी सगा नहीं होता है, क्योंकि आपसे ज्यादा कोई आपको समझ ही नहीं सकता है।

© विनय संकोची

बैंकों में 3.4 लाख करोड़ का सोना गिरवी, बैंकों का जोखिम बढ़ा

सनत कुमार जैन

सोने की कीमतों में गिरावट से बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों की चिंता बढ़ गई है। देश में गोल्ड लोन का चलन बढ़ता जा रहा है। लोग अपनी जरूरत को पूरा करने के लिए सोना गिरवी रखकर लोन ले रहे हैं। हाल ही में सोने की कीमतों में तेज वृद्धि और उसके बाद तेजी के साथ दामों में गिरावट ने बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों की ऋण व्यवस्था के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत में करीब 9 करोड़ लोगों ने सोना गिरवी रख कर बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कर्ज लिया है। जिसके चलते लगभग 3.4 लाख करोड़ रुपये मूल्य का सोना बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के पास गिरवी रखा हुआ है। सोने के दाम में हालिया गिरावट ने इस पूरे तंत्र को हिला दिया है। बैंक और वित्तीय संस्थान सोने की कीमत का 75 फीसदी से 90 फीसदी तक फाइनेंस कर देते हैं। ऋण देने के जो नियम बना रखे हैं उसके अनुसार यदि दाम घटते हैं तो ऐसी स्थिति में ऋणधारक को ब्याज की मार्जिन मनी चुकानी पड़ती है। यदि वह मार्जिन नहीं दे पता है तो ऐसी स्थिति में बैंक और वित्तीय संस्थानों को अधिकार है कि वह सोने की नीलामी करके अपना पैसा वसूल कर लें। बीते वर्षों में सोने की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण गोल्ड लोन को सुरक्षित कर्ज मानते हुए बैंकों ने बड़े पैमाने पर सोने पर कर्ज को बढ़ावा दिया है। लोगों ने भी बढ़ी हुई कीमतों का फायदा उठाकर ज्यादा कर्ज लिया। कई मामलों में टॉप-अप लोन भी प्राप्त किया है। अब सोने के दाम अप्रत्याशित रूप से घटने के कारण गिरवी रखे गए सोने का मूल्य कम हो गया है। कर्ज की राशि से सोने की कीमत कम हो गई है। ऐसी स्थिति में बैंकों द्वारा कर्जदारों से मार्जिन मनी जमा करने या अतिरिक्त सोना गिरवी रखने का दबाव बढ़ाया जा रहा है। समस्या यह है, गोल्ड लोन लेने वाले अधिकतर लोग आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। उनके पास ब्याज और मार्जिन मनी के रूप में जमा करने के लिए अतिरिक्त नकदी नहीं है। जिससे वह वित्तीय संस्थान द्वारा मांगी गई मार्जिन मनी को जमा कर सकें। अर्थ विशेषज्ञों का कहना है, अगर कर्ज न चुकाने की स्थिति में बड़े पैमाने पर वित्तीय संस्थाओं द्वारा सोने की नीलामी की जाएगी। ऐसी स्थिति में तो बाजार में सोने की आपूर्ति बढ़ेगी। जिससे सोने की कीमतों में और भी बड़ी गिरावट आ सकती है। इससे बैंकों और वित्तीय संस्थाओं का घाटा बढ़ सकता है। इसका असर बैलेंस शीट पर भी पड़ेगा। सोने और चांदी की कीमतों में जिस तरह की तेजी और मंदी देखने को मिल रही है, उसने वित्तीय संस्थानों की चिंता को बढ़ा दिया है। शेयर बाजार में भी लगातार गिरावट का दौर चला। जिसके कारण वित्तीय संस्थानों को शेयर बाजार में भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। बाजार में उपभोक्ता के पास खर्च करने के लिए पैसा नहीं है। जिसके कारण बाजार में मांग घट रही है। नौकरी और रोजगार पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव दिखने लगा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और अन्य बैंक इस स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। अर्थ विशेषज्ञों के अनुसार, अगर सोने की कीमतों में तेज गिरावट जारी रहती है तो यह संकट बैंकिंग व्यवस्था के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन सकता है। पिछले कुछ वर्षों से सोना गिरवी रखने में 75 से 90 फीसदी तक लोन गिरवी रखने वालों को दिया जाता था। बड़े पैमाने पर लोगों द्वारा सोने पर लोन लिया गया है। सोने में लिए गए ऋण का असर 9 करोड़ परिवारों पर सीधे रूप से देखने को मिल रहा है। जिस मध्यम वर्ग के पास सोना है, वह अपनी जरूरतें सोना गिरवी रखकर पूरी कर रहा था। देश की अर्थव्यवस्था में मध्यम वर्ग के ऊपर कितना दबाव है, यह उसे दर्शा रहा है। वर्तमान आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं होने की दशा में बाजार में मांग घटेगी। आने वाले समय में इसका असर रोजगार और व्यवसाय पर पड़ेगा। देश को आर्थिक मंदी का शिकार होना पड़ सकता है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के ऊपर भी भारी कर्ज है। रिजर्व बैंक और राष्ट्रीयकृत बैंकों के पास पर्याप्त नगदी की उपलब्धता नहीं है। इसको देखते हुए रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय की चिंता बढ़ गई है। सोने एवं चांदी में कर्ज किस मानक से दिया जाए, इसके लिए वित्तीय संस्थान चिंतन कर रहे हैं। वित्तीय संस्थाओं का

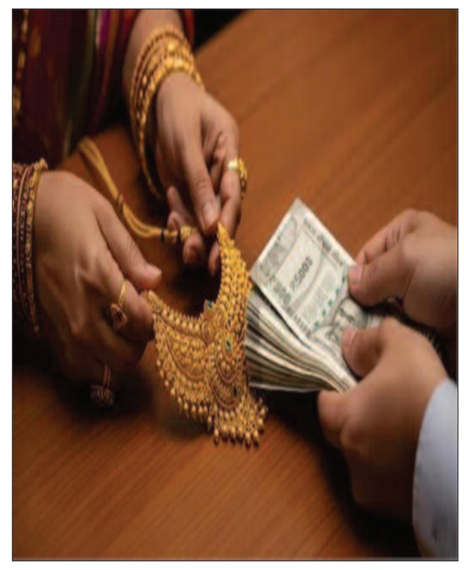

3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा सोने के ऋण में फंसा हुआ है। शेयर बाजार में जिस तरीके के उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहे हैं, उसने भी रिजर्व बैंक की चिंता को बढ़ा दिया है। अर्थव्यवस्था को बचाए रखने के लिए रिजर्व बैंक अर्थशास्त्रियों के साथ मिलकर बदली हुई परिस्थितियों का मुकाबला किस तरह से किया जाए। किस तरह के नियम तैयार किए जाएं। जिसे भारतीय अर्थव्यवस्था आर्थिक मंदी का शिकार होने से बचे। सरकार और रिजर्व बैंक को इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

सोशल मीडिया: संवाद का माध्यम या निजता का संकट?

सुनील कुमार महला

आज संचार क्रांति का युग है।हर कोई सोशल मीडिया,एआइ का प्रयोग कर रहा है। आधुनिक दौर में सोशल मीडिया ने हमारे अनेक कार्यों को आसान और सरल बनाया है। दूसरे शब्दों में कहें तो सोशल मीडिया ने संवाद को जितना सरल और व्यापक बनाया है, उतना ही जटिल निजता का प्रश्न भी खड़ा कर दिया है। आज व्यक्ति अपने जीवन के निजी क्षण-तस्वीरें,रील बनाकर अपने विचार, स्थान और दिनचर्या स्वेच्छा से सार्वजनिक मंचों पर साझा कर रहा है। यह सब आमतौर पर सोशल मीडिया मंचों पर साझा करना कभी-कभी आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम होता है, तो कई बार अनजाने में अपनी निजता को जोखिम में डालने का कारण बन जाता है। 'लाइक' और 'व्यू' की होड़ में निजी सीमाएँ धुंधली होती जा रही हैं। यहां यदि हम सरल शब्दों में कहें तो आज के समय में तकनीक हमारी ज़िंदगी की पल-पल की अहम् व महत्वपूर्ण जरूरत बन चुकी है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने काम आसान और तेज कर दिए हैं, लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है-निजता का खतरा। आज के समय में अधिकांश लोगों के पास स्मार्टफोन है और वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि ऐप या प्लेटफॉर्म पर साइन-अप करते समय जो निजी जानकारी वे देते हैं, उसका गलत इस्तेमाल भी हो सकता है। कई बार यह जानकारी हमारी अनुमति के बिना किसी और को दी जा सकती है। बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत ही नहीं आज संपूर्ण विश्व स्तर पर स्मार्टफोन उपयोग तेजी से सर्वव्यापी हो चुका है। 2025 के आसपास उपलब्ध ताजा वैश्विक अनुमानों के अनुसार दुनिया में लगभग 6.8-7.1अरब लोग स्मार्टफोन का उपयोग कर रहे हैं, जबकि सक्रिय स्मार्टफोन डिवाइसों की संख्या 7 अरब से अधिक मानी जाती है, क्योंकि कई उपयोगकताओं के पास एक से अधिक फोन हैं। इसका अर्थ यह है कि वैश्विक आबादी का करीब 85-90 प्रतिशत हिस्सा किसी न किसी रूप में स्मार्टफोन से जुड़ चुका है। यदि हम यहां पर भारत की बात करें तो देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार बन चुका है।साल 2024-2025 के आंकड़ों के अनुसार भारत में स्मार्टफोन उपयोगकताओं की संख्या लगभग 65-70 करोड़ (650-700 मिलियन) है, जो कुल जनसंख्या का करीब 45-50 प्रतिशत बैठती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और 4जी/5जी नेटवर्क के विस्तार के कारण यह संख्या तेजी से बढ़ रही है और विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार 2026 तक भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ता 100 करोड़ के आसपास पहुँच सकते हैं। इस क्रम में यहां यह गौरतलब है कि एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मेटा और व्हाट्सऐप को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने साफ कहा कि कोई भी कंपनी नागरिकों की निजी जानकारी के साथ मनमानी नहीं कर सकती और निजता के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज का जमाना डिजिटल है और इस डिजिटल युग में आज मोबाइल नंबर, बैंक खाता, आधार जैसी जगहों पर हमें अपनी निजी और कभी-कभी बायोमेट्रिक जानकारी भी देनी पड़ती है। अगर यह जानकारी गलत हाथों में चली जाए, तो बड़ा नुकसान हो सकता है। समस्या यह भी है कि यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि हमारी जानकारी आखिर कहां-कहां पहुंच चुकी है।सोशल मीडिया पर भी यही खतरा रहता है, क्योंकि ज्यादातर लोग नियम और शर्तें पढ़े बिना ही 'सहमति' दे देते हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में यह बात कही कि ये शर्तें इतनी जटिल भाषा में लिखी जाती हैं कि आम आदमी उन्हें समझ ही नहीं पाता। इसे निजी जानकारी चुराने का एक सभ्य तरीका कहा गया, जिसे मंजूरी नहीं दी जा सकती। माननीय कोर्ट ने यह भी कहा कि सुरक्षा और पहचान के नाम पर जानकारी लेना ठीक है, लेकिन जो लोग निजता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता की गतिविधियों का सूक्ष्म विश्लेषण करते हैं-क्या देखा, क्या पसंद किया, कहाँ गए और इस डेटा का उपयोग विज्ञापन, प्रोफाइलिंग और कभी-कभी राजनीतिक या व्यावसायिक हितों के लिए किया जाता है। वास्तव में, डेटा लीक, अनधिकृत ट्रैकिंग और फेक प्रोफाइल जैसी समस्याएँ निजता के हनन को और गंभीर बनाती हैं। परिणामस्वरूप व्यक्ति की पहचान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। निजता का हनन केवल तकनीकी नहीं, सामाजिक समस्या भी है। बिना अनुमति तस्वीरें साझा करना, ट्रोलिंग, साइबर स्टॉकिंग और ऑनलाइन बदनामी मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। बच्चों और किशोरों के लिए यह खतरा और बड़ा है, क्योंकि वे डिजिटल जोखिमों को समझे बिना ही ऑनलाइन सक्रिय हो जाते हैं।इस चुनौती का समाधान बहुस्तरीय है। एक ओर सशक्त डेटा संरक्षण कानून, पारदर्शी प्लेटफॉर्म नीतियाँ और कड़ी जवाबदेही आवश्यक है; दूसरी ओर डिजिटल साक्षरता और व्यक्तिगत सावधानी भी उतनी ही जरूरी है-मजबूत पासवर्ड, गोपनीयता सेटिंग्स, सीमित साझा करना और अनुमति की संस्कृति। सोशल मीडिया का विवेकपूर्ण उपयोग ही निजता और अभिव्यक्ति के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

ललित गर्ग

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां ह्लदेर आए, दुरुस्त आएह्व की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दशार्ता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया।

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और ह्लमेक इन इंडियाह्व को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को ह्लनिरंतर धैर्य का परिणामह्व बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा, विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाजी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका।

यदि वाशिंगटन भारत पर एकतरफा दबाव बनाए रखता, तो अमेरिकी कंपनियां दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजार से बाहर हो जातीं। ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के आयात, शून्य टैरिफ और रूसी तेल त्यागने जैसे नाटकीय दावे इसी दबाव की राजनीति का हिस्सा थे, जिन्हें भारत ने न तो सार्वजनिक टकराव का मुद्दा बनाया और न ही स्वीकारोक्ति दी। मोदी का इन पर मौन यह दशार्ता है कि भारत इस घटनाक्रम को अंतिम समझौते के रूप में नहीं, बल्कि दिशा-निर्धारण के रूप में देख रहा है। इसके विपरीत, भारतीय विपक्ष इस पूरे प्रकरण में अपनी राजनीतिक अधीरता और रणनीतिक अपरिपक्वता को उजागर करता रहा। उसने टैरिफ को लेकर तात्कालिक लाभ-हानि की भाषा में सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार वाताएं समय, धैर्य और बहुस्तरीय गणनाओं की मांग करती हैं। विपक्ष यह समझने में असफल रहा कि कूटनीति में कभी-कभी पीछे हटना नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करना ही सबसे बड़ा कदम होता है। आज जब अमेरिका को अपना अड़ियल रुख छोड़ना पड़ा है और भारत फिर से वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिख रहा है, तब यह स्पष्ट है कि मोदी की नीति न केवल दबाव से मुक्त थी, बल्कि दूरदर्शी भी। यही नीति भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रभावशाली और सौदे की शर्तें तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह वैश्विक व्यापार में दबाव आधारित राजनीति के अंत का संकेत देता है। लंबे समय से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं टैरिफ, प्रतिबंध और नीतिगत दबावों के माध्यम से छोटे या उभरते देशों को अपनी शर्तें मानने के लिए विवश करती रही हैं। भारत ने इस प्रवृत्ति को न केवल चुनौती दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि आत्मविश्वास, आर्थिक क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी दबाव को संतुलित संवाद में बदला जा सकता है। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में यह समझौता एक नए राजनीतिक आभामंडल के निर्माण का भी संकेत देता है। यह संबंध अब केवल रणनीतिक या सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आर्थिक साझेदारी के एक नए स्तर की ओर बढ़ रहा है। इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में बहुध्रुवीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती देगा। दुनिया धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि भविष्य का नेतृत्व किसी एक शक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि संतुलित साझेदारियों के माध्यम से उभरेगा, और भारत उसमें एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। यही संतुलन उसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान देता है। महाशक्ति बनने की भारत की यात्रा भावनात्मक नारों पर नहीं, बल्कि आर्थिक आंकड़ों, रणनीतिक समझौतों और वैश्विक स्वीकार्यता पर आधारित है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इस प्रकार के व्यापारिक समझौते उस यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत को आगे बढ़ने से रोक पाना अब किसी के लिए आसान नहीं है। निश्चित तौर पर यह व्यापारिक समझौता भारत की परिपक्व कूटनीति और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार की दुनिया में कोई भी निर्णय केवल आर्थिक गणित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, आत्मसम्मान और नेतृत्व की परिपक्वता का भी प्रमाण होता है। देर से लिया गया सही निर्णय, जल्दबाजी में किए गए गलत समझौतों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। भारत ने धैर्य रखा, आत्मसम्मान बनाए रखा और अंततः अपने हितों के अनुरूप परिणाम हासिल किया। निश्चित ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल सुरक्षित है, बल्कि आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है और यह विश्वास ही उसे महाशक्ति बनने की उड़ान देता है।

जानकारी

सोते समय भी आता है पसीना

5 कारण, जिनसे रात में भी आता है पसीना

क्या सुबह नींद से जागने पर आप खुद को पसीने से लथपथ पाते हैं? पसीना भी ऐसा जिसे गर्मी या उमस मानकर टाला नहीं जा सका? तो यह सेहत से जुड़ी बड़ी चिंता हो सकती है। जानिए इसी बारे में -

हार्मोन इम्बैलेंस

यदि आप महिला हैं और उम्र 40 साल से ज्यादा है तो मेनोपॉज (रजोनिवृत्ति) की शुरुआत रात में आने वाले पसीने का कारण हो सकती है। औसतन शहरों में महिलाओं को 46 की उम्र के बाद मेनोपॉज होता है। मेनोपॉज एक तरह से हार्मोन्स का रोलर-कोस्टर है, जिसके कारण शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। रात में आने वाला पसीना भी मेनोपॉज का एक लक्षण है। यह नुकसानदायक नहीं है बशर्ते नींद में कोई खलल न पड़े।

अमेरिका के नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट के अनुसार, ब्रेस्ट कैंसर से लड़ चुकी महिलाओं में मेनोपॉज के बाद रात में पसीने की शिकायत रहती है। कैंसर पीड़ित करीब दो तिहाई महिलाओं में यह शिकायत पाई गई है। कैंसर के इलाज के कारण भी मेनोपॉज होता है और कुछ मामलों में यही स्थिति रात के पसीने का कारण बनती है।

इसके अलावा हार्मोन इम्बैलेंस के अन्य कारण होते हैं - डायबिटीज, प्रेग्नेंसी और एचआईवी इन्फेक्शन जो नींद में पसीने का कारण बनते हैं। भारत में डायबिटीज के सबसे ज्यादा मरीज हैं। यदि आपके परिवार में भी किसी को डायबिटीज रही है और आपको रात में पसीना आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलें।

टीबी

टीबी (टुबर्क्यलोसिस यानी तपेदिक या क्षय रोग) का असर फेफड़ो पर सबसे ज्यादा पड़ता है। वहीं इसके लक्षणों में रात में पसीना आना, वजन घटना और बुखार भी शामिल है। टीबी के केस में 45 फीसदी मरीजों को रात में पसीना आता है।

कैंसर

कैंसर रिसर्च यूके के अनुसार, विशेष प्रकार के कैंसर में मरीज को रात में पसीना आता है। शोधकर्ताओं की नजर में इसका कारण यह है कि जब शरीर कैंसर से लड़ रहा होता है, तब इम्युन सिस्टम इन्फेक्शन जैसे लक्षण प्रस्तुत करता है। इस कारण रात में बुखार और पसीना आता है।

ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, स्तन कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर के मरीजो को भी रात में पसीने की शिकायत रहती है।

ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया

स्लीप एपनिया एक तरह की बीमारी है, जिसमें मरीज सोते समय ठीक से सांस नहीं ले पाता है। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया या OSA से पीड़ित लोग जैसे ही सोते हैं या रिलेक्स स्थिति में होते हैं, गले की मांशपेशियां श्वास नली को ब्लॉक कर देती है। इसका असर शरीर की ऑक्सीजन सप्लाय पर पड़ता है। यही कारण है कि OSA के मरीज रात में कई बार जागते हैं।

ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, OSA से पीड़ित 30.6 प्रतिशत पुरुष और 33.3 प्रतिशत महिलाएं रात के पसीने से परेशान रहते हैं। वहीं सामान्य पुरुषों और महिलाओं में यह आंकड़ा क्रमश: 9.3 प्रतिशत और 12.4 प्रतिशत रहता है।

गैस्ट्रोएसोफगियल रिफ्लक्स डिजीज (GERD)

गैस्ट्रोएसोफगियल रिफलक्स डिजीज एक गैस्ट्रोइंटेस्टिनल डिसऑर्डर है जिसमें सोते समय भोजन नलिका में बना एसिड पेट में जमा होता है। इससे सीने में जलन होती है और सोते समय भी पसीना आता रहता है।

जानिए क्या है इलाज

इसके इलाज के रूप में डॉक्टर एंटीबायोटिक्स, एंटीडिपेंटेंट्स, एंटीकॉन्वल्सेन्ट्स देते हैं। यदि हार्मेन्स इम्बैलेंस के कारण ऐसा रहा है तो हार्मोन्स थैरेपी उपलब्ध हैं। कुछ मरीजों में गहरी सांस लेने और गर्मी पेय पदार्थों से बचना कारगर साबित हुआ है। यदि स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं को इस तरह पसीना आता है तो डॉक्टर एंटी-बायोटिक लेने की सलाह देते हैं।

सर्दी-जुकाम से बचाएं ये योग-आसन

योग शरीर और मन, दोनों को संतुलित, समन्वित तथा क्रियाशील रखता है। इसका नियमित अभ्यास करने वालों की प्रतिरोधक क्षमता बहुत अधिक होती है, जिस कारण ऐसे लोगों को सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से दो-चार नहीं होना पड़ता। किंतु जो इसकी चपेट में आ चुके हैं, वे भी यदि थोड़े सुधार के बाद योग का अभ्यास करते हैं तो बहुत जल्दी इस समस्या से उबर जाते हैं।

आसन का अभ्यास

प्रारम्भ में हल्के आसन जैसे सूक्ष्म व्यायाम, पवनमुक्तासन, वज्रासन, शशांकासन, मेरुवक्रासन, धनुरासन, भुजंगासन आदि का अपनी क्षमता को ध्यान में रखते हुए अभ्यास करना चाहिए। जैसे-जैसे शरीर की क्षमता में वृद्धि होती जाए, अभ्यास में सुप्त वज्रासन, ताम्रासन, त्रिकोनासन, अर्धमत्स्येन्द्रासन आदि को जोड़ देना चाहिए। यदि सूर्य नमस्कार का नियमित अभ्यास किया जाए तो सर्दी-जुकाम, खांसी आदि के साथ-साथ अन्य रोगों की आशंका भी कम हो जाती है।

अर्धमत्स्येन्द्रासन की अभ्यास विधि

दोनों पैरों को सामने की ओर फैला कर जमीन पर बैठ जाएं। बाएं पैर को घुटने से मोड़ कर इसकी एढ़ी को दाएं नितम्ब के नीचे रखें। अब दाएं पैर को घुटने से मोड़ते हुए इसके घुटने को छाती की तरफ रखें तथा पंजे को बाएं घुटने के पार जमीन पर रखें। इसके बाद बाएं हाथ को दाएं घुटने के पार रखते हुए उसके पंजे को पकड़ने का प्रयास करें। सिर तथा धड़ को यथासंभव दायीं ओर मोड़ें। यह अर्धमत्स्येन्द्रासन की अंतिम अवस्था है। इस स्थिति में आरामदायक अवधि तक रुक कर वापस पूर्व स्थिति में आएं। यही क्रिया दूसरी तरफ भी करें।

प्राणायाम का अभ्यास

सर्दी-खांसी, जुकाम, बुखार (वायरल) आदि के ठीक होने पर सरल कपालभाति तथा नाढ़ी शोधन प्राणायाम का अभ्यास करने से कमजोरी, रोग प्रतिरोधक क्षमता, उत्साह एवं स्वास्थ्य में लाभ मिलता है।

नाढ़ी शोधन प्राणायाम का अभ्यास

सिद्धासन, पद्मासन या सुखासन में रीढ़, गले व सिर को सीधा कर बैठ जाएं। दायीं नासिका को बंद कर बायीं नासिका से गहरी, धीमी व लम्बी श्वास अंदर लें। उसके बाद बायीं नासिका को बंद कर दायीं नासिका से लंबी गहरी तथा धीमी प्रश्वास बाहर निकालें। इसके तुरंत बाद इसी नासिका से श्वास लेकर बायीं नासिका से प्रश्वास करें। यह नाढ़ी शोधन प्राणायाम की एक आवृत्ति है। इसकी प्रारम्भ में 10 आवृत्तियों का अभ्यास करें। धीरे-धीरे आवृत्तियों की संख्या 24 तक कर लें। योग्य मार्गदर्शन में ही इसका अभ्यास किया जाना चाहिए।

इन बातों पर भी ध्यान दें

जुकाम, सर्दी तथा वायरल की स्थिति में फल के साथ-साथ हल्का सुपाच्य भोजन लेना चाहिए। यदि तरल आहार लिया जाए तो रोग दो दिन में नियंत्रण में आ जाता है। मौसमी सब्जियों का गरम सूप लें। विटामिन ए और सी युक्त आहार लेना चाहिए।

जुकाम की अवस्था में धूम्रपान एवं मद्यपान बहुत हानिकारक है। अत: इसे बंद करना ही बेहतर होगा।

गरम नमकीन पानी के गरारे एवं आराम से लाभ होता है।

सेहत

फटे होंठो से पाएं छुटकारा

आजमाएं ये कुदरती तरीके

मौलब, होंठ, ओंठ, ओष्ठ या अधर कई नाम हैं, लेकिन मकसद एक ही होता है, इन्हें स्वस्थ और सुंदर बनाए रखना, क्योंकि यह सुंदर चेहरे और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए बेहद जरूरी हैं। सर्दी के मौसम में सबसे बड़ी चुनौती है, इन्हें कटने-फटने से बचाना। जुड़ी त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. अप्रतिम गोयल के मुताबिक फटे या रूखे होंठ एक आम समस्या है, जिसमें काफी तकलीफ होती है और होंठ भी बदसूरत लगने लगते हैं। होंठ फटने के आम लक्षण हैं, जैसे त्वचा लाल होना, रूखापन, होंठो पर सूजन या दर्द होना।

होंठ फटने के कारण

होंठ फटने के कई कारण हैं जैसे शरीर में पानी की कमी, विटामिन की कमी, एलर्जी से होने वाला रिएक्शन, धूम्रपान, होंठों पर बहुत ज्यादा जीभ घुमाना, खराब लिपस्टिक का इस्तेमाल, सूरज के सामने अधिक रहना और रूखे मौसम की वजह से भी होंठ फटते हैं।

फटे होंठो का घरेलू इलाज

बाजार में मिलने वाले कुछ बेहतरीन उत्पाद भी उपलब्ध हैं जो रूखे और फटे होंठों का इलाज करते हैं। लेकिन आप अपने पैसे बचाकर घर में ही कुछ बेहतरीन प्राकृतिक तरीकों से फटे होंठो का इलाज कर सकते हैं। कटे-फटे होंठो को दुरुस्त करने के लिए कुछ बहुत अच्छे कुदरती उपाय मौजूद हैं। यहां जिन उत्पादों की बात की जा रही है, उन्हें आप सीधे होंठों पर ही लगा सकते हैं।

एलोवेरा जेल : एलोवेरा पौधे की पत्तियों में पाए जाने वाले इस जेल में विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सिडेंट्स और एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं जो त्वचा को मुलायम बनाते हैं और उसकी नमी को लौटा देते हैं।

नारियल तेल : ताजा नारियलों से तैयार नारियल तेल इन्फ्लेमेशन से मुकाबला करता है और एक बेहतरीन प्रशामक (एमोलिएंट) होता है। यानी यह त्वचा को नर्म और मुलायम बना देता है।

शहद : यह बहुत अच्छा मॉइश्चराइजर होता है। इस वजह से सूखे होंठों के लिए यह किसी रामबाण औषधि की ही तरह होता है। शहद में एंटीऑक्सिडेंट्स और बैक्टीरिया रोधी गुण भी होते हैं। इस वजह से कटे-फटे होंठों में इन्फेक्शन का खतरा भी खत्म हो जाता है। यह होंठों को मॉइश्चराइज करता है और इसमें मौजूद विटामिन और मिनरल्स की वजह से होंठों की सुंदरता भी लौट आती है।

ग्रीन टी : एंटीऑक्सिडेंट्स और मिनरल्स से भरपूर ग्रीन टी में पॉलिफेनॉल्स भी मौजूद होते हैं जो इन्फ्लेमेशन को रोकते हैं। ग्रीन टी के एक बैग को गर्म पानी में अच्छी तरह से डूबो लें और फिर उसे होंठों पर हल्के से रगड़ते हुए होंठों पर हल्की पपड़ी सी जमी सूखी त्वचा को निकाल लें। यह तकनीक पपड़ी निकालने के परंपरागत तरीके से बेहतर है।

क्या होती है दिक्कत?

होंठ जब कट-फट जाते हैं और उन पर सूखी परत जम जाती है तो हम जिस किसी भी बाम को इस्तेमाल करें वह तह तक नहीं पहुंच पाता। इसीलिए पपड़ी को निकालने की जरूरत महसूस की जाती है। यह याद रखें कि बाजार से लिप स्क्रब खरीदते समय यह सुनिश्चित कर लें कि उसमें शुगर या बेकिंग सोडा मौजूद है या नहीं।

धूम्रपान को बाय-बाय

धूम्रपान को पूरी तरह से टालना भी एक बहुत ही कारगर उपाय है। धूम्रपान से होंठ सूख जाते हैं और उसके कारण भी वह कट-फट सकते हैं। धूम्रपान से मुंह में छाले या दाढ़ में दर्द जैसी समस्याएं भी सामने आ सकती हैं, जो आपकी मुश्किलों को बढ़ा सकती हैं। धूम्रपान छोड़ने के कुछ ही दिनों में लोगों के होंठों में एकाएक सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 3792

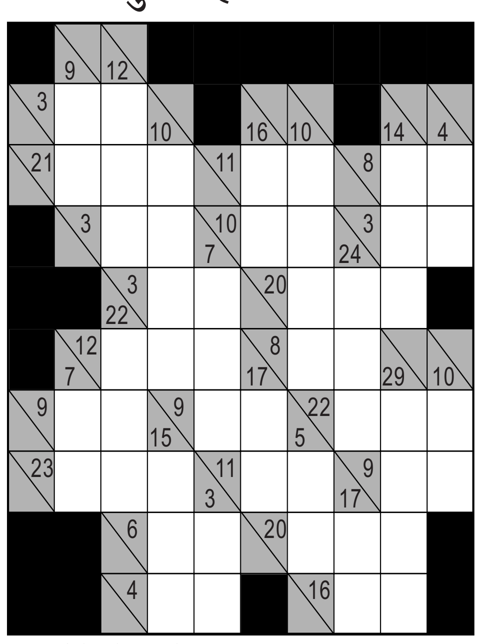

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15 / 24 → 1 2 3 4 5 ; ↑ 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3791 का हल

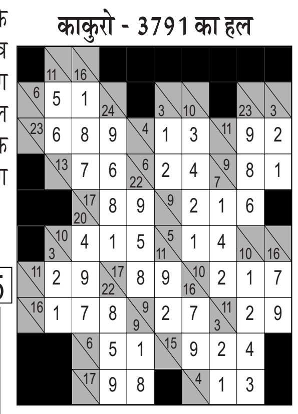

लॉफिंग ज़ोन

एक पुस्तक व्यापारी कुछ किताबें खरीदने हेतु एक सप्ताह के लिए लखनऊ गया। उसे लखनऊ में ऊँची चीज मिल गई और उसका दिल वहीं रह गया। जब कई दिन फालतू लग गए तो उसने अपनी पत्नी को तार दिया- 'अभी खरीददारी जारी है अगले सप्ताह हम...।'

पत्नी पति को जानती थी। वह तुरंत समझ गई।

उसने वापसी में तार भेजा- तुरंत लौट आओ...! यदि कल शाम तक वापसी नहीं हुई तो वही बेचना शुरू कर दूँगी जो तुम खरीद रहे हो।

□ □ □

रमन के बड़े भैया नरेश पिछले कई महीनों से बहुत परेशान थे। वे रमन से बोले- छोटे! मैं बहुत परेशान हूँ। मेरी बीवी हमेशा अपने पुराने पति का जिक्र करके मुझे ताना देती रहती है।

रमन बोला- भैया! ये तो कुछ भी नहीं है। मेरी बीवी ने तो अभी से मुझे उसके अगले होने वाले पति का ताना देना शुरू कर दिया है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3792

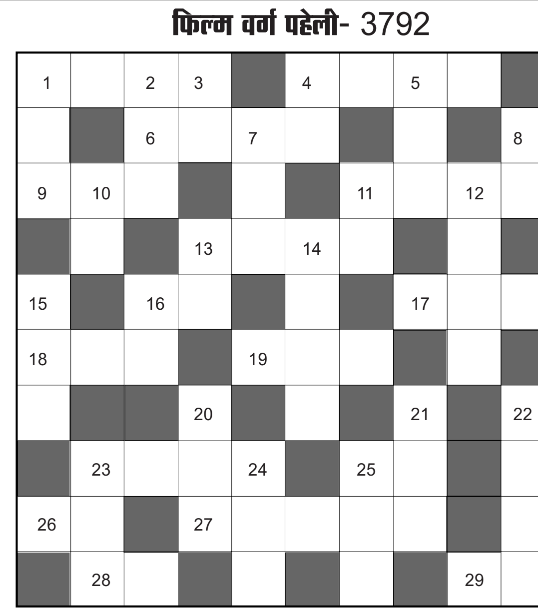

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चॉद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3791

सूडोकु -3792

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3791 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 3792

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -3791 का हल

एआई में नए घटनाक्रम ने निवेशकों को डराया, निफ्टी आईटी शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली।

वॉलस्ट्रीट पर सॉफ्टवेयर कंपनियों में नुकसान के बाद गुरुवार को भारत में भी आईटी शेयरों में गिरावट आई। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) में नए घटनाक्रम ने निवेशकों को डरा दिया। निफ्टी आईटी सूचकांक में 5.87 फीसदी की भारी गिरावट आई, जो 23 मार्च, 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट है। निफ्टी आईटी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.92 लाख करोड़ रुपए तक घट गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस दोनों के शेयर 7 फीसदी से ज्यादा टूट गए। विप्रो में 3.8 फीसदी की गिरावट आई। पर्सिस्टेंट सिस्टम्स 4.6 फीसदी और एलटीआई माइंडट्री 5.5 फीसदी नुकसान में रहे। बेंचमार्क निफ्टी 0.19 फीसदी बढ़त पर बंद हुआ। सेंसेक्स भी 78.56 अंक की मामूली बढ़त के साथ 83,817.69 पर बंद हुआ।

रिपोर्ट के मुताबिक आईटी क्षेत्र को चिंता तब शुरू हुई जब एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक ने इन-हाउस वकीलों के लिए उत्पादकता टूल पेश किया, जो समूची कार्यप्रणाली को स्वचालित करता है। इससे निवेशकों को चिंता है कि ऐसे एआई टूल के विकास से पारंपरिक कारोबारी मॉडल वाले सॉफ्टवेयर कंपनियों को नुकसान होगा और पूरे उद्योग का मुनाफा घट जाएगा। स्वचालित टूल जारी होने की खबर से मंगलवार को वॉलस्ट्रीट पर बिकवाली शुरू हो गई और नैस्डैक 100 1.55 फीसदी नीचे बंद हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक गोल्डमैन सैक्स समूह के अमेरिकी सॉफ्टवेयर शेयरों का बास्केट 6 फीसदी गिर गया जो अप्रैल में शुल्क की वजह से हुई बिकवाली के बाद से एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट है।

हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सॉफ्टवेयर की बिकवाली बढ़ गई है और कुछ ही सुरक्षित ठिकाने बचे हैं क्योंकि एआई में तेजी से विकास हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्लाउड एक ऐसे चैटबॉट से एजेंट में बदल रहा है जो टेक्स्ट-आधारित सवालों के जवाब देता है और आपके मैक की लोकल फाइलों और ब्राउजर पर काम करता है।

वीवो वी50 5जी पर मिल रहा भारी डिस्काउंट, स्नैपड्रैगन प्रोसेसर व 50एमपी फ्रंट कैमरा भी

नई दिल्ली।

आप स्मार्टफोन खरीदने जा रहे है तो आपको वीवो वी50 5जी पर फिल्पकार्ट शानदार डिस्काउंट दे रहा है। कंपनी ने इस फोन को 39,999 रुपए की कीमत पर पेश किया था, लेकिन बैंक ऑफर्स और फ्लैट डिस्काउंट के बाद तो फोन की कीमत काफी कम हो गई।

वीवो वी50 5जी इस प्राइस पर काफी शानदार फीचर्स ऑफर कर रहा है। डिवाइस में शानदार परफॉर्मेंस, बड़ी और कलरफुल डिस्प्ले, फास्ट चार्जिंग सपोर्ट और शानदार कैमरे देखने को मिल रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक वीवो वी50 5जी की कीमत वैसे तो 39,999 रुपए है लेकिन फिल्पकार्ट अभी इस डिवाइस को सिर्फ 32,999 रुपए में खरीदने का मौका दे रहा है। फोन पर 7,000 रुपए तक का फ्लैट डिस्काउंट देखने को मिल रहा है।

इतना ही नहीं फोन पर जबरदस्त बैंक ऑफर भी मिल रहा है जहां फिल्पकार्ट एसबीआई या फिल्पकार्ट एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके 5फीसदी तक का कैशबैक भी मिल सकता है। जबकि कुछ बैंक के क्रेडिट कार्ड नॉन ईएमआई ऑप्शन पर 1500 रुपए तक का डिस्काउंट मिल रहा है। इसके अलावा आप अपना पुराना डिवाइस एक्सचेंज करके भी ज्यादा डिस्काउंट ले सकते हैं। पुराने स्मार्टफोन को एक्सचेंज करके आपको 26,650 रुपए तक का एक्सचेंज वैल्यू मिल सकता है। हालांकि, फाइनल एक्सचेंज वैल्यू आपके पुराने स्मार्टफोन के ब्रांड, मॉडल और फंक्शनैलिटी पर डिपेंड करेगी।

वीवो के इस फोन में 6.77-इंच का एमोलेड डिस्प्ले मिल रहा है। साथ ही फोन में 120एचजेड तक का रिफ्रेश रेट सपोर्ट भी मिलेगा। तेज धूप में यह डिवाइस 4,500 निट्स की पीक ब्राइटनेस भी ऑफर करेगा। फोन में स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 चिपसेट देखने को मिल रहा है। साथ ही इस फोन में 12जीबी एलपीडीडीआर4एक्स रैम और 512जीबी तक यूएफएस 2.2 स्टोरेज मिल रही है।

फोटोग्राफी के लिए वीवो वी50 5जी में डुअल कैमरा सेटअप देखने को मिल रहा है जहां 50एमपी का प्राइमरी रियर कैमरा मिल रहा है। साथ ही डिवाइस में एक 50एमपी का सेकेंडरी कैमरा भी मिल रहा है। सेल्फी के लिए इस डिवाइस में 50एमपी का फ्रंट कैमरा मिल रहा है। इस स्मार्टफोन में 6,000मेगाहार्ट की बैटरी और 90वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट भी मिल रहा है।

विदेशी कंपनियों को कर छूट का लाभ लेने के लिए करनी होगी चार शर्तें पूरी

-यह छूट कर वर्ष 2026-27 से लेकर कर वर्ष 2046-47 तक उपलब्ध होगी

नई दिल्ली।

केंद्रीय बजट में डेटा और क्लाउड सेंटर कंपनियों के लिए कर छूट की घोषणा के बाद वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने कहा है कि विदेशी कंपनियों को कर छूट का पात्र होने के लिए चार शर्तों को पूरा करना होगा। यह छूट कर वर्ष 2026-27 से लेकर कर वर्ष 2046-47 तक उस विदेशी कंपनी को उपलब्ध होगी, जो भारत समेत विश्व स्तर पर क्लाउड सेवाएं प्रदान करती है। विदेशी कंपनी को छूट प्राप्त करने के लिए चार अनिवार्य शर्तें पूरी करनी होंगी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विदेशी कंपनी का अधिसूचित होना जरुरी है और भारत में जिस डेटा सेंटर कंपनी से डेटा सेंटर सेवाएं ली जा रही हैं, उसका भारतीय होना अनिवार्य है। अन्य शर्तों में यह भी शामिल है, डेटा सेंटर का इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अधिसूचित होना और विदेशी कंपनी द्वारा भारतीय उपयोगकर्ताओं को दी जाने वाली सेवाएं एक भारतीय पुनर्विक्रेता इकाई के जरिए प्रदान की जानी अनिवार्य हैं।

सूत्रों के मुताबिक यह छूट क्लाउड सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में लगी विदेशी कंपनियों को निश्चितता प्रदान करती है, जो भारत में स्थित डेटा सेंटर से सेवाएं हासिल करती हैं। ऐसी विदेशी कंपनियों को कोई जोखिम नहीं होगा कि उनकी वैश्विक आय पर भारत में कर लगाया जाए। घरेलू आर्थिक गतिविधियों से होने वाली आय पर कर, जैसे कि रेजिडेंट डेटा सेंटर द्वारा वैश्विक इकाई को डेटा सेंटर सेवाएं प्रदान करना और रेजिडेंट पुनर्विक्रेता इकाई द्वारा भारतीय ग्राहकों को क्लाउड सेवाएं बेचना, किसी भी अन्य घरेलू कंपनी की तरह ही कर योग्य रहेगा।

हालांकि, यदि भारतीय डेटा सेंटर किसी विदेशी कंपनी की संबद्ध इकाई है, तो 15 फीसदी का सुरक्षित कर मार्जिन प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि विदेशी क्लाउड सेवा इकाई के साथ व्यवहार समान रहेगा, चाहे डेटा सेंटर भारतीय स्वामित्व वाला हो या वैश्विक इकाई की सहायक कंपनी, जिससे सभी के लिए समान अवसर तय होंगे। भारतीय डेटा सेंटर अब आत्मविश्वास से ऐसी वैश्विक क्लाउड इकाइयों को अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं, और बाद वाली इकाइयों को भारतीय डेटा सेंटरों के इस्तेमाल के कारण किसी भी प्रकार के कर जोखिम का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस कदम का उद्देश्य बुनियादी ढांचे का विकास करना और डेटा सेंटरों में निवेश को बढ़ावा देना है।

अब येस बैंक की कमान संभालेंगे टोंसे, बैंक वृद्धि बहाली अगले चरण में ले जाने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली।

येस बैंक में प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्याधिकारी का पदभार संभालने जा रहे विनय मुरलीधर टोंसे पर बैंक को वृद्धि के अगले चरण में ले जाने की जिम्मेदारी है। वह प्रशांत कुमार की जगह लेंगे। हाल की तिमाहियों में बैंक के कारोबार की वृद्धि, खासकर खुदरा क्षेत्र में, सुस्त रही है, क्योंकि बैंक होम लोन और कार लोन जैसे ऋण क्षेत्र से हटकर मिल यील्डिंग सेग्मेंट की ओर बढ़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान की वित्त क्षेत्र की दिग्गज एसएमबीसी द्वारा बैंक में पिछले साल 25 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के बाद यह नियुक्ति होने जा रही है, जिसे देखते हुए इसे अहम माना जा रहा है। येस बैंक के मौजूदा एमडी और सीईओ प्रशांत कुमार की तरह मुरलीधर टोंसे भी भारतीय स्टेट बैंक में काम कर चुके हैं। वह नवंबर 2025 में स्टेट बैंक से प्रबंध निदेशक पद से सेवानिवृत्त हुए थे।

टोंसे के येस बैंक के एमडी और सीईओ पद पर नियुक्ति पर एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि उन्हें हर क्षेत्र का अनुभव है। अपनी सेवाओं के दौरान उन्होंने कॉरपोरेट बैंकिंग, मार्केट्स, इंटरनैशनल बैंकिंग और खुदरा समेकत करीब सभी प्रमुख क्षेत्रों का कामकाज देखा है। इसकी वजह से वह इस पद के लिए बेहतर विकल्प हैं।

सूत्रों ने कहा कि एमडी और सीईओ पद के लिए तीन उम्मीदवार दौड़ में थे, जिनमें से दो निजी क्षेत्र से थे। येस बैंक के बोर्ड ने टोंसे को चुना। टोंसे ने 1988 में स्टेट बैंक में प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप काम करना शुरू किया था।

भारत जल्द ही सीमा शुल्क में सुधार का एक और दौर शुरू करेगा: सीतारमण

-ट्रेड डील की घोषणा के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेश आवक की चुनौतियां होंगी खत्म

नई दिल्ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की घोषणा के बाद अब भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश आवक की चुनौतियां खत्म हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि जब साल भर पहले निवेशकों ने पैसा निकालना शुरू किया था, तब भी भारत की वृहद आर्थिक बुनियाद मजबूत थी। उन्होंने कहा कि बुनियादी वृहद आर्थिक संकेतक तब मजबूत थे, बाद में मजबूत रहे और अब भी मजबूत ही हैं लेकिन निवेश की आवक के लिए कुछ और चाहिए। वित्तमंत्री ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बीच फोन बातचीत पर प्रतिक्रिया देखें तो पता चल जाएगा कि मौसम कितना बदल गया है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि देश में निवेश आएगा। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही सीमा शुल्क में सुधार का एक और दौर शुरू करेगा। इससे संकेत मिलता है कि वित्त वर्ष 2027 के बजट में घोषित सीमा शुल्क में कटौती प्रस्तावित बड़ी कवायद की पहली किस्त थी। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क की व्यवस्था में कई स्तर हैं, जिन्हें सरकार सुधारों को एक साथ पूरा करने के बजाय जानबूझकर उन्हें चरणबद्ध तरीके से कर रही है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि मैं यह सब इस बजट में कर सकती थी, लेकिन जितने पर पूरा भरोसा था उसे किया। बाकी के लिए हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते थे। कुछ बदलाव तृतीयक संशोधनों के जरिये भी लाए जा सकते हैं या ऐसा कहें कि मेरे पास अभी कुछ और भी है, जिसे बाद में एक साथ लाएंगे लेकिन जितनी जल्दी हो उतना अच्छा।

मारुति सुजुकी की ग्रांड विटारा लगातार सुर्खियों में

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी की ग्रांड विटारा भारतीय कार बाजार में माइलेज को लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। मारुति सुजुकी कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी फुल टैंक में करीब 1200 किलोमीटर तक चल सकती है। 10.76 लाख रुपये से 19.57 लाख रुपये की कीमत में उपलब्ध इस मिड-साइज एसयूवी का मुकाबला हुंडई क्रेटा, किया सेल्टोस और होंडा एलिवेट जैसे लोकप्रिय मॉडलों से होता है। इसके बावजूद ग्रांड विटारा मजबूत हाइब्रिड तकनीक और भरोसेमंद परफॉर्मेंस की वजह से अपनी अलग पहचान कायम कर चुकी है। बिक्री के आंकड़े भी इसकी सफलता की पुष्टि करते हैं। पिछले छह महीनों में 50 हजार से अधिक यूनिट्स की बिक्री के साथ यह एसयूवी हर महीने औसतन 8,355 ग्राहकों की पसंद बन रही है। मारुति और टोयोटा की साझेदारी में विकसित इस मॉडल में माइल्ड और स्ट्रॉन्ग दोनों तरह के हाइब्रिड इंजन विकल्प मिलते हैं। स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वेरिएंट पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के संयोजन से 27.97 किमी प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है। इसमें दिया गया ईवी मोड पूरी तरह इलेक्ट्रिक मोटर पर कार चलाता है, जिससे ड्राइविंग न केवल शांत होती है बल्कि ईंधन की खपत भी काफी कम रहती है। फीचर्स के मामले में भी ग्रांड विटारा किसी से कम नहीं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.33 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 90.52 पर खुला, फिर कुछ बढ़त के साथ 90.40 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 7 पैसे की बढ़त दिखाता है। सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया एक छोटे दायरे में कारोबार कर रहा था। आज सुबह डॉलर इंडेक्स 0.18 फीसदी बढ़कर 97.79 पर कारोबार कर रहा था।पिछले एक महीने में भारतीय रुपये में 0.36 फीसदी की गिरावट आई है और पिछले 12 महीनों में यह 3.25 फीसदी तक गिरा है।

कॉग्निजेंट ने चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में 64.8 करोड़ डॉलर कमाए, ट्रेंट का रेवेन्यू बढ़ा

-टाटा पावर का वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 1,194 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। नैस्डैक पर सूचीबद्ध कंपनी कॉग्निजेंट ने चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में 64.8 करोड़ डॉलर के साथ 19 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की। इस दौरान राजस्व 4.9 फीसदी बढ़कर 5.3 अरब डॉलर हो गया, जबकि स्थिर मुद्रा में वृद्धि 3.8 फीसदी रही। वृद्धि के ये आंकड़े अधिकांश भारतीय प्रतिस्पर्धियों की तुलना में कहीं बेहतर रहे। कॉग्निजेंट जनवरी-दिसंबर की अवधि को वित्त वर्ष मानती है। कंपनी को उम्मीद है कि साल 2025 में अपने खुद के अनुमान को पार करने के बाद वह 4 से 6.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज करेगी। फैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र की खुदरा विक्रेता ट्रेंटफैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र की खुदरा विक्रेता ट्रेंट का समेकित शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2026 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 3.1 फीसदी बढ़ा। पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में इसका परिचालन राजस्व 14.8 फीसदी बढ़कर 5,345.1 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने कहा कि लेखा मानकों के कारण हमारे समेकित राजस्व में ट्रेंट हाइपरमार्केट कारोबार का राजस्व शामिल नहीं है। हालांकि इस परिणाम में इस उद्यम के लाभ का आनुपातिक हिस्सा शामिल है और इसकी गणना इक्विटी विधि के आधार पर की गई है। टाटा पावर का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ मामूली रूप से बढ़कर 1,194 करोड़ रुपए पहुंच गया। राजस्व में कमी के बावजूद कंपनी के मुनाफे में यह बढ़त दर्ज की गई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 1,188 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। बजाज फिनसर्व का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग स्थिर रहा और यह 2,229 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 2,231 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था।

जनवरी में रेनो की कुल 3,715 यूनिट्स की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली । रेनो इंडिया कंपनी की साल के प्रथम महीने जनवरी में कुल 3,715 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई। यह बीते साल की तुलना में लगभग 33 प्रतिशत अधिक है। कंपनी की इस सफलता में ट्रीबर और काईगर जैसे मॉडलों की बढ़ती मांग सबसे बड़ी वजह रही। किफायती कीमत, बेहतर परफॉर्मेंस और फैमिली-फ्रेंडली डिजाइन ने ट्रीबर को बजट सेगमेंट में लोकप्रिय विकल्प बनाया है। यह तेज वृद्धि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के औसत प्रदर्शन से काफी आगे है और यह दर्शाती है कि रेनो के मॉडल भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद में लगातार ऊपर चढ़ रहे हैं। वहीं काईगर ने भी युवाओं और शहरी ग्राहकों के बीच अपनी मज़बूत पहचान बनाई है। इसके साथ ही, जनवरी के अंत में लॉन्च की गई नई जेनरेशन डस्टर ने रेनो ब्रांड के प्रति उत्साह को और बढ़ाया है। एसयूवी सेगमेंट में अपनी अलग पहचान रखने वाली डस्टर की नई अवतार में आधुनिक सुरक्षा फीचर्स, उन्नत तकनीक और अधिक केबिन स्पेस शामिल किए गए हैं। हाइब्रिड इंजन विकल्प की संभावना ने भी ग्राहकों का ध्यान खींचा है, जिससे बिक्री के अनुमान और मजबूत हुए हैं। डीलरशिप पर पूछताछ और बुकिंग के शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि यह मॉडल ब्रांड को नई रफ्तार देने में अहम भूमिका निभा सकता है। रेनो इंडिया की चेन्नई स्थित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और देशभर में फैले सेल्स और सर्विस नेटवर्क ने भी कंपनी की ग्रोथ को मजबूती दी है। आसान पहुंच और भरोसेमंद आफ्टर-सेल्स सपोर्ट के कारण ब्रांड की विश्वसनीयता बढ़ी है। जनवरी 2026 के प्रदर्शन और नए मॉडलों के प्रति बढ़ती दिलचस्पी से साफ है कि रेनो इंडिया भारतीय बाजार में अपनी पकड़ को फिर से मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

एआई से भरोसा नहीं: बढ़ी बेचैनी, एशियाई शेयर बाजार लड़खड़ाया

-निवेशक अब टेक दिग्गजों से दूरी बनाकर साइक्लिकल शेयरों की ओर बढ़ रहे

नई दिल्ली। एआई बाजार की बेचैनी बनता जा रहा है। एआई में बढ़ते खर्च को लेकर डर बढ़ते ही गुरुवार को एशियाई शेयर बाजार लड़खड़ा गए। टेक शेयरों पर दबाव साफ दिखा, हालांकि वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स ने संभलने की कोशिश की क्योंकि चिप बनाने वाली कंपनियों में हल्की तेजी आई। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने बाजार बंद होने के बाद मजबूत नतीजे पेश किए, लेकिन असली झटका उसके ऐलान ने दिया। कंपनी ने बताया कि वह इस साल एआई पर 175 से 185 अरब डॉलर खर्च करेगी। यह रकम बाजार की उम्मीद से कहीं ज्यादा थी। इस खबर के बाद अल्फाबेट का शेयर एक समय 6 फीसदी से ज्यादा टूट गया, हालांकि बाद में गिरावट 0.4 फीसदी रह गई। आईजी के एनालिस्ट ने कहा कि एआई पर खर्च में इतनी बड़ी बढ़ोतरी ऐसे वक्त आई है जब निवेशक पहले से ही सॉफ्टवेयर कंपनियों, कैपेक्स और एआई वैल्यूएशन को लेकर बेहद घबराए हुए हैं। निवेशक अब टेक दिग्गजों से दूरी बनाकर साइक्लिकल शेयरों की ओर बढ़ रहे हैं। एआई की वजह से नौकरियों और बिजनेस मॉडल पर खतरे की आशंका बढ़ गई है। एन्थोपिक के कालुडे एआई मॉडल के नए लीगल टूल से शुरू हुई बिकवाली ने 28 जनवरी के बाद से करीब 830 अरब डॉलर की बाजार वैल्यू साफ कर दी है। इस डर के माहौल में एडवांड माइक्रो डिवाइस के कमजोर नतीजों ने आग में घी डाल दिया। चिप निर्माता कंपनी का शेयर रातों-रात 17 फीसदी टूट गया और टेक सेक्टर की हालत खराब हो गई। एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर बढ़ते खर्च की उम्मीद से नविदिया के शेयरों में आफ्टर-आवर्स ट्रेडिंग में करीब 2 फीसदी की तेजी आई। इससे नस्दक फ्यूचर्स 0.6 फीसदी और एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.4 फीसदी ऊपर दिखे, मानो बाजार ने राहत की सांस ली हो।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 503, निफ्टी 133 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 503.76 अंक नीचे आकर 83,313.93 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 133.20 अंक टूटकर 25,642.80 पर बंद हुआ। बाजार में सबसे अधिक गिरावट डिफेंस क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में आई। इसमें एचएएल में 4.31 फीसदी, डेटा पैटनर्स 3.63 फीसदी और साइएंट डीएलएम 3.34 फीसदी की सबसे ज्यादा गिरावट रही। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस में 2.10 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.02 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.82 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग और निफ्टी कंजप्शन इंडेक्स में 0.59 फीसदी गिरावट रही। निफ्टी पीएसयू बैंक 0.38 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर में 0.14 फीसदी की बढ़त रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 166.50 अंक टूटकर की 59,517.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 221.20 अंक नीचे आकर 16,983.90 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान

व्यापक बाजार में भी कमजोरी रही। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 1,737 शेयर लाभ के साथ ही उछले। वहीं 2,447 शेयरों में गिरावट रही। 158 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स हल्की गिरावट के साथ ही 83,757 पर खुला। सुबह यह 273.15 अंक नीचे आकर खुला। वहीं दूसरी ओर निफ्टी भी टूटकर ,755.90 पर खुला। सुबह यह 87.15 अंक फिसलकर 25,685 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो आज सुबह शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। यह गिरावट वॉल स्ट्रीट के पिछले सत्र के अनुसार रही। इस दौरान तकनीकी शेयरों में बिकवाली रही। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स करीब 2.35 फीसदी नीचे आया 0.49 प्रतिशत तक टूट गए। एसएंडपी 500 और नैस्डैक 100 में 0.51 और 1.8 फीसदी की गिरावट रहीए। निवेशकों को टेक शेयरों के महंगे वैल्यूएशन की आशंका रही।

इंडिगो ने बाजार में प्रभुत्व का दुरुपयोग कर प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल असर डाला

-सीसीआई ने उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में इंडिगो के खिलाफ दिया जांच का आदेश

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने दिसंबर में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में गुरुवार को विमानन कंपनी इंडिगो के खिलाफ जांच का आदेश दिया है। सीसीआई ने अपनी शुरुआती जांच में पाया कि इंडिगो ने बाजार में अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग करते हुए सेवाओं को प्रतिबंधित करके प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल असर डाला है। पिछले साल 18 दिसंबर को आयोग ने बयान में कहा था कि उसने 1 से 9 दिसंबर के बीच विभिन्न मार्गों पर हवाई सेवाओं में व्यवधान के संदर्भ में इंडिगो के खिलाफ दायर जानकारी का संज्ञान लिया है।

सीसीआई ने कहा कि हजारों की संख्या में उड़ानें रद्द कर इंडिगो ने अपनी तय क्षमता का एक अहम हिस्सा बाजार से हटा लिया जिससे कृत्रिम अभाव उत्पन्न हो गया और अधिक मांग के समय यात्रियों को हवाई सफर की सुविधा नहीं मिल सकी। आयोग ने कहा कि बाजार में वर्चस्व वाली कंपनी की ओर से ऐसे आचरण को प्रतिस्पर्धा अधिनियम के तहत सेवाओं की आपूर्ति सीमित करना माना जा सकता है। सीसीआई के आदेश के बारे में पक्ष जानने के लिए इंडिगो को ईमेल किया गया लेकिन अभी तक जवाब नहीं आया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीसीआई ने कहा कि प्रथम दृष्टया इंडिगो का यह आचरण भारत में प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता प्रतीत होता है। इसके मद्देनजर आयोग ने मामले की विस्तृत जांच के लिए अपने महानिदेशक को निर्देश दिए हैं। महानिदेशक कार्यालय को 90 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। आदेश से पता चला कि इंडिगो ने सीसीआई को बताया है कि प्रतिस्पर्धा अधिनियम आयोग को क्षेत्रीय नियामक ढांचे की पर्याप्तता या प्रभावशीलता की जांच करने का अधिकार नहीं देता है। इंडिगो ने कहा कि डीजीसीए के विशिष्ट अधिकार क्षेत्र में आने वाले मामलों में आयोग का कोई भी हस्तक्षेप अधिकार क्षेत्र का गलत इस्तेमाल होगा।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। दोनों के भाव वायदा भाव नीचे आये। सुब घरेलू बाजार में सोने के वायदा कीमतें 1,49,00 रुपये, जबकि चांदी की 2,52,750 रुपये के करीब कारोबार रही हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोन-चांदी की कीमतों में नरमी रही। आज सुबह मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध 1,098 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,948 रुपये के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,53,046 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 3,964 रुपये की गिरावट के साथ 1,49,082 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,51,948 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,48,455 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। गौरतलब है कि सोने के वायदा भाव पिछले माह 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध 10,754 रुपये फिसलकर 2,58,096 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,68,850 रुपये था। यह अनुबंध 16,131 रुपये की गिरावट के साथ ही 2,52,719 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एक समय इसने 2,58,096 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,52,719 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। वहीं चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर पर आउट हुई हैं यूगांडा और नीदरलैंड

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 विश्वकप शुरु होने में अब कुछ ही दिन शेष हैं। विश्वकप मुकबले भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से खेले जाएंगे। इसमें कई नये रिकार्ड बन सकते है। अब तक हुए टी20 विश्व कप के आंकड़ों पर नजर डालें तो कि दो टीमें जिनके नाम विश्वकप में सबसे कम स्कोर का रिकार्ड है। 2 टीमें इसमें अब तक 50 रनों के अंदर आउट हुई हैं। ये टीमें यूगांडा और नीदरलैंड हैं। ये दोनो ही टीमें 50 रनों के अंदर ही आउट हुई हैं। ये दोनो ही एसोसिएट टीमें रही हैं। टी20 विश्व कप की शुरुआत साल 2007 में हुई थे। वहीं साल 2014 तक कोई भी टीम 50 या इससे कम के स्कोर पर नहीं सिमटी थी। नीदरलैंड की टीम साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 39 रनों पर आउट हो गई थी। इसके बाद 4 और बार टीमें 50 से कम के स्कोर पर सिमट गयीं। नीदरलैंड की टीम साल 2021 के टी20 विश्व कप में भी 50 से कम रनों पर आउट हुई थीं। सबसे कम स्कोर पर आउट होने के मामले में युगांडा की टीम सबसे आगे है, वह साल 2024 के टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 39 रन पर ही आउट हो गयी थी। वहीं नीदरलैंड की टीम भी साल 2014 में 39 रनों पर आउट हुई थी। वहीं साल 2024 में युगांडा की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 40 रन के स्कोर पर आउट हुई। युगांडा एकमात्र टीम है, जो दो बार 40 से कम रनों पर आउट हुई है। वहं सूची में सबसे कम रनों पर आउट होने के मामले में चौथे नंबर पर नीदरलैंड है। वह , साल 2021 में श्रीलंका के खिलाफ केवल 44 रन ही बना पायी थी। पांचवें स्थान पर ओमान की टीम है। वह सला 2024 के टी20 विश्व कप में 44 रनों पर आउट हुई थी।

भारत और इंग्लैंड के बीच आज खेला जाएगा यूथ अंडर 19 विश्व कप क्रिकेट

हरारे (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड की टीमें शुक्रवार को यहां यूथ अंडर 19 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेलने उतरेंगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराकर दसवीं बार फाइनल में प्रवेश किया जबकि इंग्लैंड टीम छठी बार फाइनल में पहुंची है। भारत और इंग्लैंड दोनो ही टीमों ने अपने-अपने सभी मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी है। भी अपने सभी मैच जीते हैं. दोनों टीमों के बीच फाइनल छह फरवरी को हरारे में भारतीय समय के मुताबिक दोपहर एक बजे से खेला जाएगा.

आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और इंग्लैंड की टीमों ने अब तक अंडर 19 में 55 यूथ एकदिवसीय मैच खेले हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 41 मुकाबलों में जीत हासिल की है। वहीं भाररीय टीम को 13 मुकाबलों में उसे हार मिली जबकि एक मैच का परिणान नहीं निकला।। दूसरी ओर इंग्लैंड को 13 मैचों में जीत मिली है। फाइनल में पहुंचने के बाद उत्साहित भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने कहा कि यहां पहुंचने का अहसास काफी अच्छा है। हमारे लिए विश्वकप कप फाइनल खेलना सुखद अनुभवी है। सभी प्रशंसकों से मेरी अपील है कि आप इसी प्रकार हमारा समर्थन करते रहें। हम फाइनल मैच में अपनी ओर से जीतने का पूरा प्रयास करेंगे। हम फाइनल मैच को केवल एक गेम की तरह ही रखेंगे।

भारत ने जहां पहले सेमीफाइनल में आरोन जॉर्ज के 115 रनों की शतकीय पारी से अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 27 रन से

हराकर फाइनल में जगह बनायी है। उनकी बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ-साथ गेंदबाजी यूनिट भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है। ऐसे में फाइनल में इंग्लैंड भारत को कड़ी चुनौती दे सकता है।

टीम इस प्रकार है

भारतीय टीम: आयुष म्हात्रे (कप्तान), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी. दीपेश, मोहम्मद एमान, एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उदय मोहन, हेमिल पटेल, खिलान ए. पटेल, हर्षवर्धन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी

इंग्लैंड टीम: थॉमस रेव (कप्तान), फरहान अहमद, रॉकी अलर्ट, बिल वीसन, बेन डॉकिन्स, कालेब फॉल्कनर, अली फारूक, एलेक्स फ्रेंच, एलेक्स ग्रीन, ल्यूक हेंडरसन, मैनी लार्डन, बेन मेयर, जेम्स मीटो, जो मूर्स, सेबेस्टियन मॉर्गन

जून में शादी के बंधन में बंध सकते हैं रिंकू और प्रिया

नई दिल्ली (ईएमएस)।क्रिकेटर रिंकू सिंह सपा सांसद प्रिया सरोज के साथ इसी साल जून में शादी के बंधन में बंध सकते हैं।रिंक अभी आईसीसी टी20 विश्वकप के लिए टीम के साथ हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी शादी की तारीख शीघ्र ही सामने आयेगी। रिंकू और प्रिया की सगाई पिछले साल लखनऊ में हुई थी।इसमें कई दिग्गज राजनेता और क्रिकेटर भी शामिल हुए थे।पहले दोनों के शादी को लेकर 18 नवंबर 2025 की तारीख सामने आई थी पर रिंकू के व्यस्त होने के कारण इसे टाल दिया गया था।रिंकू की सगाई की तस्वीरों को प्रशंसकों ने खूब पसंद किया था।प्रिया के साथ उनके रिश्ते की खबर सोशल मीडिया पर छायी रही थी।सगाई की तस्वीरें और डांस के वीडियो भी प्रशंसकों ने जमकर पसंद किये थे।रिंकू आईपीएल 2024 के बाद से ही भारतीय टीम के साथ हैं।अभी वह टी20 विश्वकप में व्यस्त हैं।विश्वकप 7 फरवरी से शुरु होने वाला है।इसके बाद 26 मार्च से 31 मई के बीच आईपीएल मुकाबले होंगे।इसके बाद ही रिंकू और प्रिया की शादी होगी।रिंकू भारतीय टी20 टीम में शामिल हैं।इसके अलावा वह आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हैं।

टी20 विश्वकप में सैमसन नहीं ईशान करेंगे पारी की शुरुआत : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस बार भी शायद ही टी20 विश्वकप खेलने का अवसर मिले। पिछली बार सैमसन टीम में शामिल थे पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। वहीं इस बार भी उन्हें अवसर मिलने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अभिषेक शर्मा के साथ ईशान किशन पारी की शुरुआत करेंगे। सैमसन इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई सीरीज में असफल रहे थे जबकि ईशान ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। ऐसे में उन्हें विश्वकप में जगह मिलने की उम्मीद पहले ही समाप्त हो गयी थी। भारतीय टीम पहले अभ्यास मैच मे भी अभिषेक और ईशान के साथ उतरी। ईशान ने इस दौरा अर्धशतक लगाकर अपने चयन को सही साबित किया।

ईशान को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के अंतिम मुकाबले में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी मिली थी। इससे साफ है कि अब सैमसन की विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर उतरने की संभावना भी समाप्त हो गयी है।

इससे पहले जब टी20 विश्व कप और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम चुनी गई थी तो संजू सैमसन मैन ओपनर और मैन विकेटकीपर थे, लेकिन अब बैकअप ओपनर और बैकअप विकेटकीपर के तौर पर टूर्नामेंट शुरू करेंगे।

सैमसन की इस हालत के कारण वह स्वयं हैं। पांच मैचों की टी20 सीरीज में सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए केवल 46 रन ही बनाये थे। सीरीज में उनका औसत 9.20 का था। 135.29 का स्ट्राइक रेट उनका रहा। 6 चौके और 2 छक्के पूरी सीरीज में उनके बल्ले से निकले। वहीं, अभिषेक ने 5 मैचों में 182 रन बनाए, बावजूद इसके कि वे दो मैचों में खाता भी नहीं खोल पाये थे। वहीं ईशान ने नंबर 3 पर 4 मैचों में 215 रन बनाए।

दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं' नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले बोले नागल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु ¬ भारत के नंबर एक एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह नीदरलैंड के खिलाफ भारत के डेविस कप मुकाबले से पहले कूल्हे की मामूली चोट से उबरने के दौरान दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहे हैं। नागल खराब फॉर्म और उसके कारण खराब नतीजों की वजह से मुश्किलों से भरे 2025 सत्र के बाद विश्व रैंकिंग में 281वें स्थान पर खिसक गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन हफ्तों के एकाग्र रिहैबिलिटेशन ने उन्हें मुकाबले में उतरने से पहले आत्मविश्वास दिया है।

नागल ने ट्रेनिंग सत्र के बाद कहा, 'अच्छा महसूस कर रहा हूं, दिन-ब-दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं पिछले दो-तीन हफ्तों से बहुत मेहनत कर रहा हूं। मेरे लिए शिविर बैंकॉक के ठीक बाद शुरू हो गया था। मुझे वहां इतना अच्छा महसूस नहीं हो रहा था लेकिन मैं उसी रात वापस आ गया, अपना रिहैब शुरू किया और सच कहूं तो मुझे कोई शिकायत नहीं है। मैंने डेविस कप के लिए तैयार होने के लिए वह सब कुछ किया जो मैं कर सकता था।'

इस 27 वर्षीय खिलाड़ी को बैंकॉक में कूल्हे में चोट लगी थी और उन्होंने माना कि उबरने का दौर मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था। इस सुझाव के बावजूद कि धीमे कोर्ट भारत के लिए बेहतर हो सकते थे नागल ने बेंगलुरु में मुकाबला आयोजित करने के फैसले का समर्थन किया और नीदरलैंड के खिलाड़ियों की ताकत की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, '(जेस्पर) डि जोंग और गाय (डेन ओडेन), वे दोनों क्ले कोर्ट पर बहुत अच्छे हैं। उन्होंने उस सतह पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए मुझे लगता है कि यह अच्छा हुआ कि हमने बेंगलुरु को चुना। मैं यहां सहज हूं, मैंने अपने करियर में इन परिस्थितियों में खेलते हुए बहुत समय बिताया है।'

नागल ने परिचित माहौल के महत्व पर भी जोर दिया और आयोजन स्थल तय होने के बाद अपना ट्रेनिंग स्थल बेंगलुरु में स्थानांतरित कर लिया था। नागल ने कहा, 'जब हमें पता चला कि डेविस कप यहां होने वाला है तो हमने अपना शिविर स्थानांतरित कर लिया। मैं डब्ल्यूटीएल के बाद यहीं रुक गया, चैलेंजर के लिए जल्दी आ गया और यहां जितना हो सके उतना समय बिताने की कोशिश की।'

उन्होंने कहा, 'जब हमें पता चला कि डेविस कप यहां होने वाला है तो हमने अपना शिविर बदल दिया। मैं डब्ल्यूटीएल के बाद यहीं रुक गया, चैलेंजर के लिए जल्दी आ गया और यहां जितना हो सके उतना समय बिताने की कोशिश की।' नागल 2025 के उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद शीर्ष 100 से बाहर हो गए और उन्होंने इसे 'एक बड़ा सीखने का अनुभव' बताया। उन्होंने कहा, 'अगर आप टेनिस में अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं तो आपकी रैंकिंग गिरती है, पैसे कम मिलते हैं, सब कुछ खत्म हो जाता है। मैं ऐसे मैच हार रहा था जो मुझे जीतने चाहिए थे और करीबी मैच भी नहीं जीत पा रहा था। इसी वजह से रैंकिंग गिरने लगी।'

नागल ने पिछले साल सिर्फ दो एटीपी टूर स्तर की प्रतियोगिता खेली और चैलेंजर सर्किट में सात बार पहले दौर में ही बाहर हो गए। उन्होंने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण था, बीमार पड़ना, चोट लगना, लय खो देना। 2025 के आखिर में मैंने फिर से बेहतर खेलना शुरू किया लेकिन मैंने एक सीमित कार्यक्रम के अनुसार खेलने का फैसला किया और लंबे सत्र पूर्व कार्यक्रम पर ध्यान देने के लिए अपना सत्र जल्दी खत्म कर दिया।'

महिला हॉकी टीम की फिटनेस पर है ध्यान : कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ।भारतीय महिला हॉकी टीम इसी साल होने वाले एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक की तैयारियों में लगी है।इसी को देखते हुए मुख्य कोच स्योर्ड मारिज्ने ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान टीम की फिटनेस बनाये रखने के साथ ही आपसी तालमेल को बेहतर करने पर रहेगा।मारिज्ने ने कहा कि फिटनेस पर अधिक ध्यान इसलिए दिया जा रहा है क्योंकि ये आजकल के खेल में सबसे जरुरी है।इसी पर टीम का प्रदर्शन आधारित रहता है।इसके अलावा खिलाड़ियों के एक जुट होकर खेलने पर जोर दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि जब टीम फिट होगी तभी वह बेहतर प्रदर्शन कर पायेंगी क्योंकि दबाव सहने के लिए शारीरिक रुप से मजबूत होना जरुरी है। भारतीय टीम को अभी 8 से 14 तक हैदराबाद में होने वाले एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर खेलने हैं। इसके अलावा एशियन गेम्स 2026 और एलए 2028 ओलंपिक चक्र के अन्य बड़े टूर्नामेंट भी खेलने हैं।टीम आजकील बेंगलुरु स्थित साई के क्षेत्रीय केंद्र में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप में अभ्यास कर रही है।ये 18 फरवरी तक चलेगा।शुरुआत में इस शिविर में 49 खिलाड़ी शामिल थे, जिनमें 43 सीनियर और छह जूनियर थीं।

टी20 विश्वकप में अभिषेक पर रहेंगी नजरें : शास्त्री

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री मानना है कि टी20 विश्वकप में आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। शास्त्री के अनुसार अभिषेक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के ट्रंप कार्ड साबित होंगे।इस पूर्व कोच के अनुसार अभिषेक निडर होकर खेलते हैं।उनमें गजब का आत्मविश्वास है और ऐसे में वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी क्रम को धवस्त कर देते हैं।इसके अलावा उन्हें घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इससे वह टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे।यहां एक कार्यक्रम में शास्त्री ने अभिषेक की जममर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह विश्वकप में सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी होंगे जो मैच बदलने में सक्षम रहेगा। उनके अनुसार अभिषेक इस समय जबरदस्त लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। जिस प्रकार का आत्मविश्वास उसके अंदर भरा हुआ है। उससे भी उससे एक आक्रामक बल्लेबाज बनने में सहायता मिली है।वह मैदन में उतरते ही विरोधी टीम के गेंदबाजों पर दबाव बना देता है।शास्त्री का मानना है कि अभिषेक की सबसे

बड़ी ताकत उकसा आत्मविश्वास है। वह घरेलू दर्शकों का समर्थन मिलने से और भी खतरनाक हो जाता है। साथ ही कहा , अगर अभिषेक रन बनाते हैं, तो इसका सीधा मतलब है कि भारत मैच में आगे बना रहेगा रहेगा।इससे अंदाजा होता है कि अब भारतीय टीम की सफलता काफी कुछ अभिषेक की बल्लेबाजी पर आधारित रहती है।अभिषेक ने सबसे पहले आईपीऐएल 2024 में अपने आक्रामम प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था।इसी कारण उन्हें टी20 विश्व कप के बाद भारतीय टीम में भी अवसर मिला। जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी ही सीरीज में इस बल्लेबाज ने अपनी प्रतिभा दिखायी।

रोनाल्डो ने फीफा वर्ल्ड कप को लेकर की भविष्यवाणी, ये टीम जीतेगी खिताब

रियो डी जेनेरो (एजेंसी)। पूर्व स्ट्राइकर रोनाल्डो ने कहा कि उन्हें इस साल के फीफा वर्ल्ड कप में एक नई ऊर्जा से भरी ब्राजील टीम देखने की उम्मीद है, और उन्होंने मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के सकारात्मक प्रभाव की तारीफ की। पांच बार की वर्ल्ड कप विजेता ब्राज़ील क्वालीफायर में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी पीछे थी, 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में पांचवें स्थान पर रही, जो लीडर और मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से 10 अंक पीछे थी। लेकिन रोनाल्डो ने कहा कि पिछले साल मई में अपनी नियुक्ति के बाद से एंसेलोटी ने राष्ट्रीय टीम में नया आत्मविश्वास जगाया है।

दो बार के वर्ल्ड कप विजेता ने पत्रकारों से कहा, 'मैं बहुत आशावादी हूं।हमने कुछ बार मुलाकात की है और छठे खिताब पर विश्वास करने के लिए ब्राजीलियाई फैंस से अपील करते हुए एक मजेदार विज्ञापन भी फिल्माया है। मैं उन्हें जानता हूं, मैं उनके काम करने का तरीका जानता हूं, इसलिए जब वह राष्ट्रीय टीम में शामिल हुए थे, उससे कहीं ज्यादा मैं अब उत्साहित हूं।' वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई तक संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा। ब्राजील 13 जून को मोरक्को के खिलाफ ग्रुप सी अभियान शुरू करेगा, जिसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड का सामना करेगा। रोनाल्डो, जिन्होंने 2002 में ब्राजील को आखिरी वर्ल्ड कप जीत दिलाई थी, जब उन्होंने आठ गोल किए थे, जिसमें जर्मनी के खिलाफ फाइनल में दो गोल शामिल थे, उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट देश को एकजुट करेगा। पूर्व बार्सिलोना और रियल मैड्रिड स्टार ने कहा, ''यह (वर्ल्ड कप) एक ब्राजीलियाई के लिए सबसे बड़ी खुशी है। यह एक ऐसा आयोजन है जो हमारे छठे खिताब की तलाश में ब्राज़ीलियाई लोगों को एक साथ लाएगा। मुझे लगता है कि हमें इस मौके का फायदा उठाना चाहिए।' रोनाल्डो ने कहा कि उन्होंने 2024 और 2025 में क्रमशः ब्राजील के क्रूजेरो और स्पेन के वलाडोलिड में अपनी अधिकांश हिस्सेदारी बेचने के बाद फुटबॉल क्लब के स्वामित्व से एक कदम पीछे हटने का फैसला किया है। 49 वर्षीय ने कहा, 'फुटबॉल टीमों से जुड़े प्रोजेक्ट्स के साथ मेरा कोई वित्तीय लक्ष्य नहीं था। मैं खुद का एक प्रोजेक्ट लीड करने का अनुभव लेना चाहता था, जिसमें मैं इंचार्ज रहूं, और यह बहुत बढ़िया था। लेकिन जब मुझे समझ आया कि क्लब्स को आगे बढ़ाने के लिए मुझे पीछे हटना होगा, तो उसी पल मैंने दोनों स्टेक बेचने का फैसला किया।' अब वह छोटे बिज़नेस वेंचर्स पर फोकस कर रहे हैं, जैसे साओ पाउलो में एक नए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की योजना जिसमें आर्टिफिशियल वेव पूल होंगे। उन्होंने कहा, 'जब मैंने वे दोनों टीमें बेचीं, तो मैंने तय किया कि कुछ समय के लिए मैं फुटबॉल इंडस्ट्री से ज्यादा शांत चीजें चाहता हूं।'

बांग्लादेश को विश्वकप में शामिल किया जाता है तो पाकिस्तान भी बदलेगा बहिष्कार का फैसला : सेठी

लाहौर।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष नजम सेठी ने कहा है कि अगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बांग्लादेश को टी20 विश्वकप में शामिल करने के लिए तैयार हो जाता है तो उनकी टीम भारत के खिलाफ मैच खेलने के लिए तैयार हो जाएगी। वहीं आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को चेतावनी दी है कि मैच का बहिष्कार उसे भारी पड़ेगा।ऐसे में उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई हो सकती है। आईसीसी ने यह भी साफ किया है कि

बहिष्कार का कदम खेल और व्यावसायिक हितों के लिए सही नहीं होगा, क्योंकि भारत-पाकिस्तान मुकाबले का महत्व बहुत बड़ा है. हालांकि आईसीसी ने अभी तक ये नहीं बताया है कि वह पीसीबी को किस प्रकार की सजा दे सकती है।वहीं सेठी का मानना है कि हालात अब भी ठीक हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 卐मेरे हिसाब से अगर बांग्लादेश को श्रीलंका बुलाया जा सकता है, तो अभी देर नहीं हुई है।वहां कई मैच खेले जा रहे हैं।मुझे उम्मीद है कि सभी लोगा विश्व क्रिकेट की भलाई को देखते हुए सही फैसला करेंगे।हर कोई भारत-पाकिस्तान मैच देखना चाहता है।साथ ही कहा कि अगर आईसीसी उनकी बात नहीं मानती है तो पाक मैच से बाहर रहने के फैसले पर बना रहेगा।उसने कानूनी मामलों से निपटने के लिए अपने वकीलों से बात की है।

फेड कप 2026 चयन विवाद: विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ पर साधा निशाना

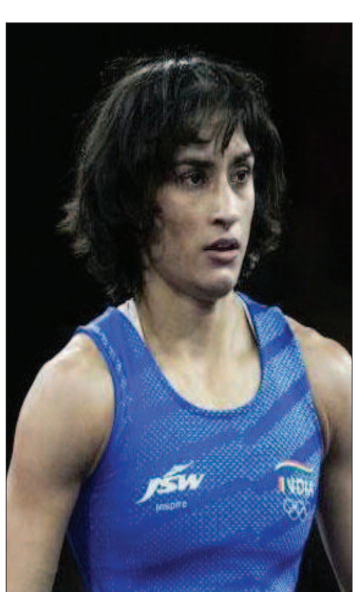

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने फेडरेशन कप 2026 के चयन को लेकर हरियाणा कुश्ती संघ के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने चयन मानदंडों को 'अनुचित' बताते हुए कहा कि मौजूदा नियम न सिर्फ भेदभावपूर्ण हैं, बल्कि कई प्रतिभाशाली पहलवानों के करियर पर भी खतरा बन सकते हैं। विनेश का मानना है कि सीमित ट्रायल नीति भारतीय कुश्ती में निष्पक्षता और नए टैलेंट के विकास दोनों के खिलाफ है।

चयन मानदंडों पर विनेश की कड़ी आपत्ति

विनेश फोगाट ने हरियाणा कुश्ती संघ के उस फैसले पर सवाल उठाए, जिसमें फेड कप 2026 के ट्रायल केवल 2025 के सीनियर राज्य पदक विजेताओं और 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले पहलवानों तक सीमित कर दिए गए हैं। उनका कहना है कि इस नीति ने हजारों मेहनती खिलाड़ियों को बिना किसी ठोस कारण के बाहर कर दिया है।

2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को बाहर क्यों?

विनेश ने खास तौर पर इस बात पर नाराजगी जताई कि 2024 के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को चयन प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या एक साल पहले देश के लिए पदक जीतने वाले पहलवान अचानक अयोग्य हो जाते हैं। उनके मुताबिक, यह फैसला प्रदर्शन आधारित चयन की मूल भावना के खिलाफ है।

उम्र सीमा और चोट से जूझ रहे पहलवानों की अनदेखी

फोगाट ने यह भी कहा कि उम्र सीमा के कारण 2025 सीनियर नेशनल में हिस्सा न ले पाने वाले पहलवान 2026 में पूरी तरह योग्य हैं, फिर भी उन्हें मौका नहीं दिया जा रहा। इसके अलावा, चोटिल खिलाड़ियों को भी चयन से बाहर कर दिया गया है, जो उनके अनुसार अन्यायपूर्ण है क्योंकि चोट खेल का हिस्सा होती है, अपराध नहीं।

'ये टूर्नामेंट हर खिलाड़ी का सपना होते हैं'

विनेश ने जोर देकर कहा कि एशियाई खेल, विश्व चैंपियनशिप और फेडरेशन कप जैसे इवेंट हर पहलवान के करियर के लिए बेहद अहम होते हैं। उनका मानना है कि मौजूदा चयन नीति खिलाड़ियों के भविष्य पर समय से पहले ब्रेक लगाने जैसा है और सालों की मेहनत को बेकार कर देती है।

निष्पक्ष ट्रायल की कमी से रुक रहा नया टैलेंट

स्टार पहलवान ने राज्य स्तर पर निष्पक्ष ट्रायल न होने को भारतीय कुश्ती की सबसे बड़ी समस्या बताया। उनके अनुसार, जब खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मौका ही नहीं मिलेगा, तो देश के लिए नई प्रतिभाएं सामने कैसे आएंगी।

ओपन ट्रायल की जोरदार मांग

विनेश फोगाट ने खुलकर ओपन ट्रायल की वकालत की। उन्होंने कहा कि असली टैलेंट सिर्फ मैट पर पहचाना जा सकता है, न कि कागजी मानदंडों से। किसी खिलाड़ी को ट्रायल का मौका न देना उसके साथ सबसे बड़ा अन्याय है।

मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील

अपने बयान के अंत में, विनेश ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और नायब सैनी से इस मुद्दे में दखल देने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य के पहलवानों को न्याय दिलाने के लिए सरकार का हस्तक्षेप बेहद जरूरी है।

पके कटहल को करें डाईट में शामिल, दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

गठिया का रामबाण इलाज है कच्चे पपीते की चाय

उम्र बढ़ने के साथ-साथ या फिर कैल्शियम की कमी से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। इन्हीं में से एक समस्या है गठिया की, जिससे कई लोग परेशान होते हैं। इसमें जोड़ों में दर्द, यूरिक एसिड के क्रिकेट का जोड़ों में जमा होना जैसी समस्याएं आती है। इससे बचने के लिए या फिर इलाज के लिए आप काफी कुछ आजमा चुके हैं और फिर भी कोई असर नहीं होता, तो इसका एक बेहतरीन घरेलू उपाय है हमारे पास। ये उपाय है कच्चे पपीते की चाय। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी कि पपीते की चाय का सेवन आपकी गठिया की समस्या समाप्त कर सकती है। मेडिकल साइंस की दुनिया में भी इस चाय का काफी महत्व है। पपीता शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा को घटाता है और इसमें सूजन को दूर करने वाले गुण होते हैं।

विधि - इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए - पानी, कच्चा हरा पपीता, ग्रीन टी बैग या ग्रीन टी की पत्तियां। अब चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी लेकर उसमें कच्चे पपीते के टुकड़े डाल दें और इसे आंच पर रख दें। जब यह उबलने लगे, तो आंच बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। इस इसे छान लें और इसमें ग्रीन टी डालकर लगभग 3 मिनट के लिए छोड़ दें। अब यह चाय पीने के लिए तैयार है, इसे गर्मागर्म या गुनगुनी ही पिएं।

जानिए पपीते की इस चाय के फायदे -

- गठिया की समस्या में फायदेमंद।
- शारीरिक सूजन कम करने में मददगार।
- ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाने में मददगार।
- शरीर के अवांछित तत्वों को बाहर कर आंतरिक सफाई में मददगार।

बीपी-शुगर में रामबाण है ब्लैक राइस

आपने आज तक सफेद या ब्राउन चावल के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या आपने काले चावल के लाभ के बारे में सुना है। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं काले चावल के बेमिसाल फायदे।

हमारे देश में चावल का सेवन सदियों से किया जा रहा है। बिरयानी से लेकर डोसा और इडली तक चावलों से ना जाने कितने ही व्यंजनों को तैयार किया जाता है। आज से कुछ समय पहले तक ज्यादातर लोगों को केवल सफेद चावल के बारे में ही जानकारी थी। लेकिन अब लोग चावल की अलग-अलग किस्मों को ना केवल जान रहे हैं बल्कि इनका सेवन भी कर रहे हैं। ऐसे में आप काले चावल को ही ले लीजिए। दरअसल काले चावल ओरीजा सैटिवा प्रजाति से आते हैं। प्राचीन काल में चीन के अंदर इन काले चावल के पोषक तत्वों को देखते हुए इसे रॉयल्टी में शामिल किया गया था। आपको बता दें कि काले चावल के अंदर कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट गुण और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो आपको जिंदगी भर सेहतमंद रख सकते हैं। आज इन काले चावलों के जरिए विश्व भर में तरह-तरह की खाद्य सामग्री तैयार की जाती है। जिनका लुत्फ आप भी उठा सकते हैं। लेकिन इससे पहले जरा काले चावल के फायदे जानिए।

आयरन और प्रोटीन का खजाना

अगर आप अपनी रोजाना की डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो आप काले चावल का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि 10 ग्राम ब्लैक राइस में लगभग 9 ग्राम प्रोटीन होती है, जो ब्राउन राइस के मुकाबले कहीं अधिक है। यही नहीं इसमें आयरन भी मौजूद होता है जो शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अलावा इसमें कुछ अन्य पोषक तत्व हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

45 ग्राम चावल में पोषक तत्व की मात्रा

कैलोरी - 160
फैट - 1.5 ग्राम
प्रोटीन - 4 ग्राम
कार्ब्स - 34 ग्राम
फाइबर - रोजाना की जरूरत का 6 प्रतिशत

इसके 23 एंटीऑक्सीडेंट हृदय रोग और अल्जाइमर से बचाते हैं

आज तक आपने ऐसी बहुत सी खाद्य सामग्रियों का सेवन किया होगा जिनमें एक, दो या पांच एंटीऑक्सीडेंट होंगे। लेकिन ब्लैक राइस में एक या दो नहीं बल्कि पूरे 23 एंटी ऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट गुण आपको ऑक्सीडेटिव तनाव से राहत दिलाते हैं। ज्ञात हो कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से कैंसर, हृदय रोग और अल्जाइमर जैसी समस्या पैदा होती है। आप इन सभी समस्याओं से ब्लैक राइस की वजह से बचे रह सकते हैं। यही नहीं इसके अंदर कई तरह के फ्लेवोनोइड्स और कैरोटीनॉयड होते हैं। यह भी आपको सेहतमंद बनाए रखने में मदद करते हैं। इस लिहाज से आप ब्लैक राइस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

हृदय के लिए फायदेमंद

अब तक ब्लैक राइस को लेकर कई शोध हो चुके हैं जो हृदय रोगों से बचाने के दावे कर रहे हैं। हालांकि यह अध्ययन अभी उतने अधिक नहीं हुए हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस को लेकर जानवरों और इंसानों पर कई शोध हुए हैं जिनमें एंथोसायनिन की भूमिका को जांचा गया है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर में सुधार देखा गया है। अध्ययनों को देखकर लगता है कि यह हृदय के लिए फायदेमंद है। लेकिन अभी इस पर कुछ और अध्ययनों की आवश्यकता भी है।

कैंसर से बचाए

ब्लैक राइस को लेकर हुए कई अध्ययनों में ऐसा पाया गया है कि जो लोग अधिक मात्रा में एंथोसायनिन का सेवन करते हैं उन्हें कोलोरेक्टल कैंसर होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा हुए टेस्ट ट्यूब अध्ययन में पया गया कि काले चावल में मौजूद एंथोसायनिन ने महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की कोशिका को कम कर दिया। साथ कैंसर के फैलने की गति को भी धीमा कर दिया। इन अध्ययनों में भले ही अब तक अच्छे प्रमाण हासिल हुए हों। लेकिन अभी इस पर अन्य अध्ययन की आवश्यकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

ब्लैक चावल के अंदर जेक्सैन्थिन और ल्यूटिन मौजूद होता है जो दो प्रकार की कैरोटीनॉयड यह आंखों को स्वस्थ रखने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। आपको बता दें कि यह यौगिक आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक मुक्त कणों से राहत दिला सकते हैं। साथ ही ब्लैक राइस के अंदर मौजूद इन गुणों पर जब अध्ययन किए गए तो इसमें पाया गया कि यह मोतियाबिंद जैसी समस्या से भी राहत दिला सकते हैं जो एक उम्र के बाद लोगों को होने लगती है। हालांकि इस पर अभी अध्ययन केवल चूहों पर ही किया गया है इंसानों पर नहीं।

वजन घटाने में असरदार

अगर आप वजन घटाना चाहते है तो आप ब्लैक राइस का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस के अंदर मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रख सकते हैं और आपका वजन घटाने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। इसके अलावा एंथोसायनिन को भी वजन घटाने में कई अध्ययनों में कारगर माना गया है। हालांकि यह रिसर्च अभी तक इंसानों पर नहीं हुई हैं। इसलिए इस पर अभी और अध्ययन बाकी हैं।

ग्लूटेन फ्री है ब्लैक राइस

आप शायद जानते ही होंगे कि ग्लूटेन फ्री एक तरह का प्रोटीन होता है जो कई तरह के अनाज में पाया जाता है जैसे गेहूं, जौ और राई आदि। ऐसे लोग सीलिएक रोग से पीड़ित लोगों को इस प्रोटीन से बचना होता है क्योंकि यह उनकी आंत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में अगर आप सीलिएक रोग से पीड़ित हैं तो आप ब्लैक राइस का लुत्फ ले सकते हैं, क्योंकि यह आपकी स्थिति को बिगाड़ेगा नहीं।

इन कामों को करने वाले सबसे ज्यादा झेलते हैं साइटिका का दर्द

क्या आपको अक्सर कमर से लेकर पैरों तक तेज दर्द या जलन महसूस होती है, तो यह साइटिका या साइटिका की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं साइटिका के होने की वजह और इसके उपाय एवं इलाज के बारे में।

मानव शरीर के अंदर करीब 206 हड्डियां होती हैं। इनमें से अगर किसी में भी जरा दिक्कत शुरू हो जाए तो उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। साथ ही आप एक भंयकर और जानलेवा दर्द से गुजरने लगते हैं। ऐसा ही कुछ होता है साइटिक नर्व में। इस स्थिति से जूझने वाले व्यक्ति को कमर से लेकर कूल्हों और पैरों तक बहुत तेज दर्द, जलन, और सुन्न होने की समस्या होने लगती है। इस स्थिति में दरअसल साइटिका के जरिए ही आप अपने पैरों को नियंत्रित कर पाते हैं और पैरों को महसूस इसकी वजह से होता है। साइटिका के उपचार या उपाय का तरीका जानने से पहले जरूरी है कि आप इस दर्द को सही प्रकार समझ लें। ऐसे में साइटिका दर्द की समस्या के कारण और उपचार के तरीकों और जटिलताओं के बारे में बता रहे हैं पेन स्पेशलिस्ट।

क्या है साइटिका का दर्द

साइटिका नर्व आपकी रीढ़ की हड्डी से शुरू होकर आपके कूल्हों से लेकर आपके पैरों तक जाती है। यह मानव शरीर की सबसे महत्वपूर्ण तंत्रिकाओं में से एक है। आमतौर पर यह दर्द लोगों को 30 साल के बाद ही होता है। यूं तो साइटिका पेन एक अस्थाई दर्द ही है जो खुद भी ठीक हो जाता है और इसके लिए दवा और कुछ उपायों की आवश्यकता भी हो सकती है। साइटिका नर्व में हुई समस्या से जूझ रहे मरीजों को कमर दर्द, पैरों में सुन्नपन आ जाना या दर्द अनुभव होता है। साइटिका को कटिस्नायुशूल के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं इस दर्द की वजह या कारणों के बारे में।

किस वजह से होता है साइटिका

साइटिका की समस्या के पैदा होने की यूं तो कई वजह होती हैं। लेकिन डॉक्टर अमोद बताते हैं कि इस दर्द की मुख्य वजह स्लिप डिस्क होती है। आपको बता दें कि हमारी रीढ़ की हड्डी में बहुत सी हड्डियां होती हैं और इसके आगे एक डिस्क होती है, जिसे आप किसी कुशन की तरह समझ सकते हैं। इसकी वजह से हम आसानी से कमर को मोड़ सकते हैं। लेकिन जब यह डिस्क अपनी जगह से हिल जाती हैं तो इसके पीछे निकलने वाली नसों पर दबाव पड़ने लगता है। अब यह नस जहां तक जाती हैं वहां तक साइटिका का दर्द हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि साइटिका के दर्द का केवल यही कारण है। इसकी कई वजह हो सकती हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

- धूम्रपान-खराब लाइफस्टाइल बनते हैं साइटिका का कारण
- अगर हड्डियों की एलाइनमेंट खराब हो तो भी साइटिका पेन हो सकता है।
- उम्र के साथ बॉडी पॉश्चर में बदलाव आता है जिसकी वजह से भी यह समस्या हो सकती है।
- अगर कोई व्यक्ति अधिक वजन उठाने के कार्य करता है तो भी यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
- खराब जीवन शैली भी साइटिका पेन की वजह बन सकता है।
- ऐसे लोग जिनका वजन अधिक है उन्हें भी साइटिका का दर्द हो सकता है।
- अधिक धूम्रपान करने वाले लोगों को भी साइटिका का दर्द हो सकता है।

साइटिका का परीक्षण कैसे

आमतौर पर लोगों को लगता है कि साइटिका की स्थिति के बारे में जानने के लिए उन्हें एक्सरे कराना होगा। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक्सरे दूसरी कई समस्या में काम आ सकता है। लेकिन साइटिका के बारे में सही जानकारी प्राप्त करने के लिए आपको MRI ही करवाना होता है।

साइटिका से जुड़े भ्रम और सच

साइटिका के दर्द को लेकर राहत की बात यह है कि यह तीन महीने के अंदर-अंदर ठीक भी हो सकती है। हालांकि कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि साइटिका की स्थिति में केवल सर्जरी ही एक विकल्प होता है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है क्योंकि इस स्थिति में महज 1 प्रतिशत लोगों को ही सर्जरी की जरूरत पड़ती है। बाकि अन्य साधारण उपाय से भी ठीक हो जाते हैं।

साइटिका का उपचार का तरीका

साइटिका के दर्द से राहत दिलाने और इसे हील करने के लिए डॉक्टर आपको कई तरह की पेन किलर दवाओं का सेवन करने की सलाह दे सकते हैं। इन दवाओं से आपको काफी हद तक आराम मिल सकता है। पेन किलर दवाओं का असर ना होने पर कई मामलों में डॉक्टर साइटिका की समस्या में आपके उसी हिस्से पर इंजेक्शन लगाते हैं जहां दर्द हो। इलाज की इस प्रक्रिया से जल्दी ही दर्द से राहत मिलने लगती है। वहीं अगर इनमें से कोई भी उपाय काम नहीं करता तो डॉक्टर आपको सर्जरी कराने का विकल्प देते हैं।

कैसे ठीक होता है साइटिका

अगर आपको साइटिका की समस्या है तो डॉक्टर आपको वजन घटाने, धूम्रपान छोड़ने, और एक सही जीवन शैली का पालन करने की सलाह दे सकते हैं। डॉक्टर अमोद कहते हैं कि इस समस्या में सर्जरी का विकल्प सबसे आखिरी होता है। वहीं दवाओं और इंजेक्शन के माध्यम से सर्जरी को टाला जा सकता है। जबकि कई मामलों में यह स्थिति खुद भी ठीक हो जाती है।

चीनी खाने से कैसे बढ़ता है आपका वजन?

चीनी का इस्तेमाल हर घर में होता है। चाय, कॉफी और मिठाईयों के अलावा रोजमर्रा की ऐसी कई चीजें हैं, जिनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती हैं। ऐसे में चीनी का सेवन कम से कम करना चाहिए क्योंकि चीनी का सेवन ज्यादा करने से आपका वजन तेजी से बढ़ता है। आइए, जानते हैं कि चीनी कैसे बढ़ाती है आपका वजन-

फ्रक्टोज इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बनता है

चीनी का अधिक मात्रा में सेवन करना आपके ब्लड में इन्सुलिन के स्तर को बढ़ा देता है, जो आपके खाद्य पदार्थो से एनर्जी को कम करता है और उसे फैट सेल्स में परिवर्तित करता है और जब शरीर में फैट की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आपका शरीर आपके मष्तिष्क को भूख लगने का संकेत पहुंचाता है।

फ्रक्टोज लेप्टीन नामक हार्मोन के प्रतिरोध का कारण

फ्रक्टोज लेप्टिन नामक हार्मोन के प्रभाव से वजन बढ़ने की समस्या होती है। लेप्टीन वसा कोशिकाओं द्वारा उत्पादित होता है। वसा कोशिका जितनी बड़ी होगी, उतना अधिक लेप्टिन का उत्पादन होगा। इस वजह से शरीर में अधिक वसा जमा हो जाती है और साथ ही वजन भी बढ़ता है।

फ्रक्टोज ग्लूकोज की तरह काम नहीं करता

ग्लूकोज आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, लेकिन फ्रक्टोज के सेवन से ऐसा कुछ महसूस नहीं होता है, बल्कि फ्रक्टोज के सेवन से आपको अधिक भूख महसूस होती है और इस वजह से आप कैलोरी और फैट का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं।

फ्रक्टोज आपकी भूख को बढ़ाता है

फ्रक्टोज आपके हंगर हॉर्मोन को नियंत्रित करने में मदद नहीं करता है और इस वजह से खाने के बाद भी आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में कैलोरी का सेवन करते हैं जो आपके शरीर में एक्सट्रा फैट को बढ़ाता है जिसकी वजह से आपका वजन भी बढ़ता है।

बहन शाहीन के साथ मिलकर फिल्म निर्माण करेंगी आलिया

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- डोंट बी शाय। यह प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण आलिया ने अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर किया है।

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- डोंट बी शाय है। इस फिल्म को इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंसन के तले बनाया गया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें आलिया कहती हैं- क्या कहानी में सब कुछ है। रोमांस है, दिल टूटता है, गाना है, लड़कियां, लड़के, और एक कछुआ भी...। दरअसल, यह एक ऐसी कहानी जिसके साथ आप बड़े होते हैं।

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

आलिया की मां सोनी राजदान ने कमेंट में लिखा, वाह, शानदार, बहुत बढ़िया किया आपने, फिल्म निर्माता अशर आस्कन ने लिखा, अब तक की सबसे प्यारी घोषणा, एक फैन ने लिखा, आपकी एक्टिंग मुझे बहुत पसंद है, दूसरे फैन ने लिखा, यह तो बेहद रोमांचक लग रहा है, इतने लंबे समय बाद ऐसी कोई फिल्म आई है, यह कमाल की होने वाली है।

कब रिलीज होगी लव एंड वॉर

आलिया भट्ट लव एंड वॉर में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। यह एक रोमांटिक पीरियड ड्रामा फिल्म है। इसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

मलयालम से अलग है हिंदी दृश्यम 3 की कहानी

क्राइम-थ्रिलर 'दृश्यम' अपने तीसरे पार्ट के साथ फिर लौट रही है। 'दृश्यम 3' मलयालम के साथ हिंदी में भी शुरू हो चुकी है। एक बार फिर विजय सालगांवकर (अजय देवगन) अपनी फैमिली के साथ वापस लौट रहे हैं। अब फिल्म को लेकर अभिनेत्री श्रिया सरन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के अपने सफर को इमोशनल बताते 'दृश्यम 3' के बारे में बात की है।

दस साल पहले शुरू हुई थी पहले पार्ट की शूटिंग

इंडिया टुडे के साथ बात करते हुए श्रिया सरन ने 'दृश्यम 3' को लेकर खुशी जताई। 'दृश्यम' की दुनिया में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित हूं। इस बार, कहानी असाधारण रूप से अच्छी तरह से लिखी गई है, बहुत कसी हुई और दिलचस्प है। यह फ्रेंचाइजी का आखिरी पार्ट है। हम अभी इसकी शूटिंग कर रहे हैं। यह मेरे लिए एक बेहद भावुक सफर है क्योंकि जब मैंने हाल ही में फिल्म देखी, तो मुझे एहसास हुआ कि पहला भाग दस साल से भी पहले शूट किया गया था। हम सब बहुत बदल गए हैं। मैं तब से बहुत बदल गई हूं।'

इस वजह से बाकी फिल्मों से अलग है 'दृश्यम'

श्रिया ने बताया कि दृश्यम को जो बात सबसे अलग बनाती है, वह सस्पेंस जॉनर में कहानी को अलग तरह से कहने की कला है। मुझे याद नहीं कि किसी मिस्ट्री फ्रेंचाइजी के तीन पार्ट हों। हमने ड्रामा सीरीज तो देखी हैं, लेकिन एक मिस्ट्री फ्रेंचाइजी, जिसमें पूरी कहानी एक छोटी सी घटना के इर्द-गिर्द घूमती

हो, यह कमाल है। यकीन मानिए तीसरा पार्ट बेहद दिलचस्प है। इस दौरान उन्होंने 'दृश्यम 3' के एक बड़े ट्विस्ट की ओर भी इशारा किया।

मलयालम से अलग है हिंदी वर्जन

श्रिया सरन का मानना है कि मलयालम और हिंदी की 'दृश्यम' में अंतर है। यही कारण है कि फिल्म हर भाषा में अलग अनुभव देती है और पसंद की जाती है। उन्होंने कहा कि हिंदी 'दृश्यम 2' मलयालम वर्जन से बहुत अलग थी। यहां तक कि हिंदी 'दृश्यम 3' भी मलयालम वाली फिल्म से काफी अलग है।

2015 में रिलीज हुई थी पहली 'दृश्यम'

'दृश्यम' फ्रेंचाइज की शुरुआत साल 2015 में हुई थी। पहली फिल्म में अजय देवगन के साथ तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर और इशिता दत्त प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसके बाद साल 2022 में 'दृश्यम 2' रिलीज हुई। इसमें अक्षय खन्ना भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। अब लगभग चार साल बाद फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट रिलीज होने जा रहा है।

भूमि पेडनेकर ने इंटरनेट स्क्रोलिंग को कहा दलदल

भूमि पेडनेकर की क्राइम बेस्ड सीरीज दलदल में उनके किरदार की दर्शक काफी तारीफ कर रहे हैं। बचपन के ट्रामा और मानसिक हालत को जोड़ कर बनी हुई ये सीरीज कई परतें खोलती हैं। इस इंटरव्यू में अभिनेत्री ने एंटरप्रेन्योर के तौर पर कई बातें साझा की हैं।

भूमि की वेब सीरीज दलदल में आज के दौर में समाज में हो रहे अपराध के पीछे के कारण को भी दिखाया गया है। भूमि से जब उनके सबसे बड़े दलदल के बारे पूछा गया तो भूमि ने कहा, मेरा सबसे बड़ा दलदल इंटरनेट स्क्रोलिंग था। मुझे सोशल मीडिया यूज करते वक्त पता ही नहीं चलता था कि कब कितना समय निकल गया? यह एक ऐसी आदत थी जिससे बाहर निकलना जरूरी था और मैंने इसे धीरे-धीरे बदला भी। आज सोशल मीडिया एक बेहद डरावनी जगह बन गया है। सोशल मीडिया पर अगर किसी के बारे में एक बार कुछ गलत कह दिया जाए तो बाकी लोग भी वही दोहराने लगते हैं और वह चीज एक ट्रेंड बन जाती है। लोगों के लिए जागरुक रहना और खुद को इस दलदल से बाहर निकालना जरूरी है।

बतौर एंटरप्रेन्योर इस फील्ड में जाएंगी भूमि

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बातचीत के दौरान सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल पर भी चर्चा की। बतौर एंटरप्रेन्योर,जब भूमि से ये पूछा गया कि क्या एक सच और झूठ बता देने वाला प्लेटफॉर्म बनाना चाहिए तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया, यह वाकई एक बहुत अच्छा आइडिया है। मेरे मन में अक्सर आता है कि काश ऐसा कोई स्टार्टअप या प्लेटफॉर्म हो जो सिर्फ फैक्ट चेक पर काम करे। जहां लोग अपनी तरफ से भी वीडियो या जानकारी भेज सकें और यह प्लेटफॉर्म एआई या एक्सपर्ट्स की मदद से तुरंत बता सके कि यह सच है या झूठ।कई मीडिया हाउस फैक्ट चेक करते हैं जोकि बहुत अच्छा काम है। मैं खुद भी एक एंटरप्रेन्योर हूं और शायद आगे चलकर इस फील्ड में कुछ करना चाहूंगी।

'दलदल' वेब सीरीज ओटीटी पर रिलीज

'दलदल' वेब सीरीज 30 जनवरी से अमेजन प्राइम पर रिलीज हो चुकी है। भूमि पेडनेकर इस सीरीज में मुख्य किरदार में हैं, साथ ही समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी सीरीज में अहम भूमिका में हैं। इस वेब सीरीज में बाकी सपोर्टिंग कैरेक्टर्स जैसे की जया भट्टाचार्य, चिनमय मंडलेकर, गीता अग्रवाल, संदीप कुलकर्णी, सौरभ गोयल भी मौजूद हैं।

श्रीलीला के साथ पहली बार नजर आएंगे धनुष

धनुष ने हाल ही में अपनी 55वीं फिल्म का एलान किया है, जिसका अस्थाई नाम डी55 है। निर्माताओं ने स्टार कास्ट की घोषणा भी कर दी है। निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की अगली फिल्म में धनुष के साथ मुख्य भूमिका में यह अभिनेत्री पहली बार नजर आएंगी। राजकुमार पेरियासामी पहले अमरन फिल्म बना चुके हैं।

धनुष की आगामी फिल्म का नाम

धनुष की आगामी फिल्म का अस्थाई नाम डी55 है। यह अस्थाई नाम इसलिए डी55 रखा गया है क्योंकि यह धनुष की 55वीं फिल्म हैं। इस फिल्म में उनके साथ पहली बार मुख्य अभिनेत्री के रूप में श्रीलीला नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार पेरियासामी करेंगे। धनुष और श्रीलीला पहली बार किसी फिल्म में एक साथ नजर आने वाले हैं।

निर्माताओं ने की घोषणा

फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी वंडरबार फिल्म्स ने यह घोषणा की। उन्होंने लिखा, आपने यह उम्मीद नहीं की होगी। खूबसूरत अभिनेत्री श्रीलीला का डी55 में स्वागत है। साथ में धनुष, श्रीलीला और टीम की कई तस्वीरें भी शेयर की गई, जो बहुत तेजी से फैंस के बीच सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

फिल्म डी55 के बारे में

डी55 एक बड़ा प्रोजेक्ट है। धनुष अपनी कंपनी वंडरबार फिल्म्स के साथ आर टेक स्टूडियोज को मिलकर इसे बना रहे हैं। फिल्म का निर्माण अभी मुंबई में चल रहा है। शूटिंग 2026 के आखिर तक पूरी होने की उम्मीद है। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर दे रहे हैं। यह फिल्म 2027 में रिलीज हो सकती है।

दमदार एक्टर होने के साथ एक फैमिली मैन भी हैं शाहिद कपूर

बॉलीवुड में शाहिद कपूर की शुरुआत साल 2003 में एक लवर बॉय के तौर पर इश्क विश्क से हुई थी। इंडस्ट्री में आम तौर पर एक्टर्स का एक इमेज में बंध जाना जहां स्वभाविक की समस्या बन जाती है, वहीं हरफनमौला शाहिद ने इस बंधन को मानने से इनकार कर दिया। पर्दे पर उन्हें जब वी मेट और विवाह में निहारने वाले दर्शक तब दंग रह गए, जब कमीने, हैदर, कबीर सिंह में उनका इन्टेंस अवतार दिखा। अब वह विशाल भारद्वाज की ओ रोमियो में एक गैंगस्टर के रोल में नजर आने वाले हैं। आप चाहे उनके फैन हो या नहीं, लेकिन उनकी अदाकारी के ग्राफ की तारीफ हर कोई करता है। एक दमदार एक्टर होने के साथ ही शाहिद एक फैमिली मैन भी हैं। बातचीत में उन्होंने करियर और निजी जीवन के बीच के संतुलन, पैरेंटिंग, शादी, परफॉर्मेंस ओरिएंटेड भूमिकाओं, और ओ रोमियो पर बात की है।

अपने परिवार को पॉजिटिव सोच देनी चाहिए

शाहिद कपूर एक बेहतरीन पिता भी हैं। वह मीशा और ज़ैन के प्यारे पापा हैं। आज के दौर में वह बच्चों को वह किस तरह के वैल्यूज देना चाहेंगे? इस सवाल पर एक्टर कहते हैं, 'इस पर तो किताब लिखी जा सकती है। मुझे लगता है कि आपके परिवार के जो मूल्य हैं, वह आपके बच्चों में होने चाहिए। बच्चों को हमेशा पॉजिटिव एनर्जी देनी चाहिए, क्योंकि आजकल के बच्चे और यंगस्टर्स बहुत समझदार हो गए हैं। आजकल के बच्चे हर चीज के लिए बहुत ज्यादा सोचते हैं और नकारात्मक पहलुओं की तरफ उनका फोकस ज्यादा है, तो ऐसे में उन्हें पॉजिटिव सोच देना बहुत जरूरी है। उन्हें बताना जरूरी है कि हम इन फैमिली वैल्यूज में विश्वास करते हैं। बच्चों को बहुत ज्यादा प्यार देने की जरूरत है, एक कनेक्शन स्थापित करना, उनसे कम्युनिकेट करना बेहद आवश्यक है।'

बच्चों पर अपने सपने ना थोपें

शाहिद से जब पूछा गया कि वह अपने बच्चों को किस चीज से बचाना चाहेंगे? तो जवाब मिला, 'मुझे लगता है कि मां-बाप को अपने बच्चों को अपनी ख्वाहिशों और महत्वाकांक्षाओं से बचाना चाहिए। बच्चों पर अपने सपने न थोपें। ऊपर वाले ने उन्हें अपनी एक यात्रा पर भेजा है और बच्चों को उस सफर पर जाने दें।'

शादी में एक-दूसरे को वक्त देना बहुत जरूरी है

पत्नी मीरा राजपूत के साथ बॉन्डिंग के बारे में शाहिद कहते हैं, 'मैं हमेशा कहता हूं कि शादी डेली वर्क है। अपनी शादी देखकर हर किसी को लगता है कि दूसरे की शादी अच्छी है, पर ऐसा नहीं होता। जिस तरह से आप आज इंस्टाग्राम या यूट्यूब पर फोकस करते हैं, उसी तरह से अपनी रिलेशनशिप पर भी ध्यान देना जरूरी है। जब आप अपने पार्टनर पर ध्यान देते हैं और उसे इज्जत देते हैं, तो वह सामने वाले को भी महसूस होता है। शादी में पार्टनर को वक्त और सम्मान देना बहुत आवश्यक है। मैं-मीरा ये ही कोशिश करते हैं।'

आप तभी ट्रांसफॉर्म होते हैं, जब खुद को चुनौती देते हैं

शाहिद कपूर ने लवर बॉय से अपने करियर की शुरुआत की थी और फिर इंटेंस और टफ भूमिकाओं में नजर आए। इस ट्रांसफॉर्मेशन पर वह कहते हैं, 'आप ट्रांसफोर्म तभी हो पाते हैं, जब आप रिस्क लेना या खुद को चुनौती देना शुरू करते हैं। इससे आप मुश्किल भूमिकाएं कर पाते हैं और फिर उस सफर का आनंद उठाने लगते हैं। जब लोग उस चीज को देखते हैं और पसंद करते हैं, तब वे उस तरह के रोल्स का प्रस्ताव आपके पास लाने लगते हैं और एक सिलसिला चल निकलता है।

ओ रोमियो डरावनी भी है, रोमांटिक भी, इमोशनल भी

शाहिद आगे कहते हैं, अब विशाल सर के साथ ही ओ रोमियो मेरी चौथी फिल्म है। ये नब्बे के गैंगस्टर की प्रेम कहानी है और सभी जानते हैं कि विशाल भारद्वाज की फिल्मों की दुनिया थोड़ी अनोखी और अजीब होती है। फिल्म के अंदर एक ड्रामा है, पर यह फिल्म थोड़ी क्रिर्की है। ये एक ही साथ में डरावनी भी है, रोमांटिक भी और इमोशनल भी।'

पलक्कड़ पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध विस्फोटकों की खेप बरामद की

पलक्कड़ (एजेंसी)। केरल के पलक्कड़ जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई कर भारी मात्रा में अवैध विस्फोटकों की खेप बरामद की है। पलक्कड़ मेडिकल कॉलेज के पास एक पिकअप वैन से 100 से अधिक जिलेटिन स्टिक के डिब्बे और 20 से ज्यादा डेटोनेटर के डिब्बे जब्त किए हैं। विस्फोटक ले जाने का तरीका इतना शातिराना था कि पुलिस भी दंग हुई। पलक्कड़ पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, यह जब्ती बुधवार देर रात की गई। खुफिया जानकारी मिली थी कि राज्य में विस्फोटकों की एक बड़ी खेप लाई जा रही है। इसी आधार पर जब पुलिस ने एक पिकअप वैन को रोकने का इशारा किया, तब ड्राइवर ने गाड़ी रोकने के बजाय स्पीड़ बढ़ दी। इसके बाद पुलिस ने पीछा कर वैन को घेरा और तलाशी ली। पुलिस ने गाड़ी के ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है, जिसकी पहचान सेंथिल के रूप में हुई है। शुरुआती पूछताछ में ड्राइवर ने बताया कि उसने कोयंबटूर से डिब्बे लोड किए थे और उन्हें त्रिशूर में एक खदान में ले जा रहा था। शुरुआती जांच से पता चलता है कि विस्फोटक को काले पत्थर की खदान के कामों में इस्तेमाल के लिए गुप्त रूप से ले जाया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि पहले भी ऐसे मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल विस्तृत जांच चल रही है।

मुझे अजित के साथ यात्रा करना था, लेकिन देरी के कारण मैं जा नहीं सका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री महादेव जानकर ने दावा किया है कि बीते सप्ताह बारामती में हुए विमान हादसे वाले दिन उन्हें भी उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ यात्रा करनी थी, लेकिन मुंबई देर से पहुंचने के कारण, वे जा नहीं सके। बारामती हवाई अड्डे पर 28 जनवरी को सुबह करीब आठ बजकर 45 मिनट पर एक चार्टर्ड विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। राष्ट्रीय समाज पक्ष (आरएसपी) के प्रमुख जानकर ने बताया कि दुर्घटना से कुछ दिन पहले उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता पवार से बातचीत हुई थी और उन्हें उसी विमान से बारामती जाने के लिए बुलाया गया था। उन्होंने कहा, 'हालांकि मैं मुंबई देर से पहुंचा, जिसके कारण मैं अजित पवार के साथ बारामती विमान से नहीं जा सका। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और पवार की मृत्यु राज्य के लिए एक बड़ी क्षति है। धनगर (चरवाहा) समुदाय के नेता जानकर पश्चिमी महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ जिलों में प्रभाव रखने वाली आरएसपी के प्रमुख हैं।

बिहार के कैमूर में जहरीले बीज खाने से आठ बच्चे बीमार, सभी खतरे से बाहर

पटना (एजेंसी)। बिहार के कैमूर जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मदुरना गांव में तब अफरा-तफरी मच गई, जब खेलते समय जहरीले पौधे के बीज खाने से आठ बच्चे गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बना और परिजन बच्चों को लेकर अस्पतालों की ओर दौड़ पड़े। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सभी बच्चे गांव के पूर्वी तालाब के पास खेल रहे थे। तभी उन्होंने पास में उगे डीजल प्लांट के फल तोड़े और उनके बीज खा लिए। लगभग एक घंटे बाद बच्चों में उल्टी, चक्कर आना, मतली और बेचैनी जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। बच्चों की बिगड़ती हालत देखकर परिजनों ने तुरंत उन्हें चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। स्थिति की गंभीरता को देखकर डॉक्टरों ने सभी बच्चों को भाभुआ सदर अस्पताल रेफर कर दिया। बीमार बच्चों की पहचान लाडो कुमारी (5), ट्विंकल कुमारी (8), आशीर्वाद कुमार (7), कृष कुमार (8), अभिषेक कुमार (5), आदित्य कुमार (9), खुशी कुमारी (12) और अरुण कुमार (8) के रूप में हुई है। सदर अस्पताल में सभी बच्चों को भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. त्रिभुवन नारायण ने बताया कि सभी बच्चों की हालत अब स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि समय पर इलाज मिलने से गंभीर स्थिति टल गई। चिकित्सकों ने अभिभावकों को चेतावनी देते हुए कहा कि बच्चों को अज्ञात पौधों, फलों और बीजों से दूर रखें, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाने वाले कई जंगली पौधे अत्यधिक विषैले होते हैं। इस घटना ने ग्रामीण इलाकों में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता को एक बार फिर उजागर किया है।

रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में शूटर को हथियार मुहैया करने वाला पुणे से गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के जुहू इलाके में मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग की घटना ने कानून-व्यवस्था और वीआईपी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच को लगातार अहम सुराग मिल रहे हैं। इसी कड़ी में एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है, इससे जांच में नया मोड़ आया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी का नाम आशाराम फसले है, इस पुणे से हिरासत में लिया है। उस पर आरोप है कि आशाराम ने वारदात को अंजाम देने वाले शूटर को हथियार मुहैया कराया था। इस गिरफ्तारी के साथ ही मामले में अब तक कुल पांच आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। हालांकि, इस हमले को अंजाम देने वाला मुख्य शूटर अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। उसकी तलाश में क्राइम ब्रांच की कई टीमें मुंबई के अलावा अन्य राज्यों में भी दबिश दे रही हैं। आशंका हैं शूटर वारदात के बाद शहर छोड़कर फरार हो गया है। जांच में सामने आया है कि रोहित शेट्टी के घर पर हमला पूरी तरह से सुनियोजित था। आरोपियों ने कई दिनों तक उनके घर और आसपास के इलाके की रेकी की थी। सही मौके का इंतजार करने के बाद फायरिंग की गई और शूटर स्कूटी से फरार हो गया। सीसीटीवी फुटेज में उसकी गतिविधियां कैद हुई हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई। पुलिस जांच कर रही है कि वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी पुणे से कैसे लाई गई और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका थी। कुछ आरोपियों का दावा है कि उन्हें टारगेट की जानकारी नहीं थी।

चेन्नई-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस पटरी से उतरी, मची चीख-पुकार सभी यात्री सुरक्षित

जाजपुर (एजेंसी)। ओडिशा के जाजपुर जिले में गुरुवार सुबह बड़ा रेल हादसा हुआ। चेन्नई-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस बेपटरी हो गई। एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। ट्रेन डिरेल होते ही चीख-पुकार मच गई। यात्रियों में दहशत फैल गई। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा। सभी यात्री सुरक्षित हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार सुबह करीब 8 बजकर 51 मिनट पर चेन्नई से न्यू जलपाईगुड़ी जा रही ट्रेन नंबर 22611 जखपुरा यार्ड से गुजर रही थी, तभी उसके तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इनमें एक एसी कोच और दो जनरल कोच शामिल हैं। उस वक्त ट्रेन की रफ्तार बहुत धीमी थी, इसलिए बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

दो चरणों में पूरी होगी जनगणना, प्रक्रिया और जातिगत गणना का खाका तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की बहुप्रतीक्षित आगामी जनगणना को लेकर केंद्र सरकार ने संसद में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। सरकार ने आधिकारिक तौर पर जानकारी दी है कि जनगणना की प्रक्रिया शुरू होते ही तत्काल जाति जनगणना शुरू नहीं की जाएगी, बल्कि इसके लिए देशवासियों को दूसरे चरण का इंतजार करना होगा। राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न का उत्तर देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि जाति से संबंधित विशिष्ट सवालों को दूसरे चरण की शुरुआत से ठीक पहले अधिसूचित किया जाएगा।

गृह मंत्रालय के अनुसार, इस विशाल राष्ट्रीय कार्य को दो मुख्य हिस्सों में विभाजित किया गया है। योजना के मुताबिक, पूरे देश में जनसंख्या की वास्तविक गिनती का काम मुख्य रूप से फरवरी 2027 में शुरू किया जाएगा। हालांकि, भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी व बर्फीले राज्यों के दुर्गम इलाकों में यह प्रक्रिया सितंबर 2026 में ही शुरू कर दी जाएगी। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि इस संबंध में विस्तृत

जानकारी दिसंबर 2025 में ही सार्वजनिक कर दी गई थी, लेकिन कुछ वर्गों द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने के लिए सरकार ने दोबारा तारीखों और प्रक्रिया को स्पष्ट करना आवश्यक समझा है।

जनगणना का पहला चरण मकान सूचीकरण (हाउसलिस्टिंग) और उनकी गणना पर केंद्रित होगा। इस चरण के लिए सरकार ने 22 जनवरी को 33 प्रश्नों की एक सूची अधिसूचित की है। इनमें घर के मुखिया का लिंग, मकान में इस्तेमाल की गई सामग्री, विवाहित जोड़ों की संख्या, उपभोग किए जाने वाले अनाज का प्रकार, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच और वाहनों के प्रकार जैसे विवरण शामिल होंगे। यह चरण इस साल 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच संपन्न होगा, जिसमें प्रत्येक राज्य अपनी सुविधानुसार 30 दिनों की अवधि तय करेंगे। खास बात यह है कि हाउसलिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले नागरिकों को स्वयं ऑनलाइन जानकारी भरने का विकल्प भी दिया जाएगा।

वहीं, जाति जनगणना का महत्वपूर्ण कार्य दूसरे चरण के दौरान किया जाएगा। इस स्पष्टीकरण के बावजूद राजनीतिक गलियारों में बहस तेज है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल का जाति जनगणना कराने का कोई वास्तविक इरादा नहीं है और यह पिछड़ों, दलितों तथा अल्पसंख्यकों (पीडीए) के साथ धोखा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया कि मौजूदा नोटिफिकेशन में जाति के लिए कोई कॉलम ही नहीं रखा गया है। कांग्रेस ने भी इस प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। जवाब में सरकार ने साफ किया है कि दूसरे चरण के दौरान ही जातिगत डेटा एकत्र किया जाएगा और इसके लिए अलग से अधिसूचना जारी होगी।

हिमाचल में पीएम मोदी की घोषणा पर सियासी घमासान, केंद्र पर भेदभाव के आरोप

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में मानसून से हुई भारी तबाही के बाद केंद्र सरकार से मिलने वाली आपदा राहत को लेकर फिर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। बीते वर्ष 9 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं धर्मशाला पहुंचे थे और राज्य के लिए 1500 करोड़ रुपये के विशेष आपदा राहत पैकेज की घोषणा की थी। लेकिन लगभग चार महीने बीत जाने के बावजूद यह राशि अब तक हिमाचल प्रदेश को नहीं मिली है। इस देरी को लेकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्य के राजस्व एवं बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने केंद्र पर तीखा हमला बोलकर कहा कि मोदी सरकार हिमाचल के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि 1500 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज दूर, राज्य को आपदा राहत के नाम पर 15 पैसे तक नहीं मिले हैं। मंत्री नेगी ने याद दिलाया कि वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश ने सदी की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा झेली थी, जिसमें राज्य को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। केंद्र सरकार की टीमों ने स्वयं हिमाचल आकर नुकसान का आकलन किया और रिपोर्ट में करीब 9300 करोड़ रुपये के नुकसान की पुष्टि भी की गई। इसके बावजूद, पोस्ट डिजास्टर नीड्स असेसमेंट (पीडीएनए) के तहत केवल 2500 करोड़ रुपये की सहायता को ही मंजूरी दी गई। मंत्री नेगी का आरोप है कि इस स्वीकृत राशि का भी पूरा भुगतान अब तक नहीं किया गया है। वर्ष 2024 में केवल 600 करोड़ रुपये जारी किए गए, जबकि हाल ही में फिर से 600 करोड़ रुपये देने की बात कही गई है। ऐसे में वर्ष 2026 में प्रवेश करने के बावजूद हिमाचल अभी भी 2023 की आपदा राहत का इंतजार कर रहा है। मंत्री नेगी ने सवाल उठाया कि जब उत्तराखंड और बिहार जैसे राज्यों को आपदा राहत की पूरी राशि समय पर मिल सकती है, तो हिमाचल के साथ भेदभाव क्यों। उन्होंने इसे संघीय ढांचे की भावना के खिलाफ बताते हुए सभी राज्यों के लिए समान व्यवहार की मांग की।

कृषि मंत्री पन्नीरसेल्वम के बिगड़े बोल- हिंदी वाले बेचते हैं पानी पूरी

-तमिलनाडु चुनाव में उत्तर-दक्षिण विवाद गहराया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले भाषा और पहचान की राजनीति एक बार फिर केंद्र में आ गई है। डीएमके सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री की विवादित टिप्पणी ने राज्य में उत्तर-दक्षिण विवाद को हवा दे दी है और 'हिंदी थोपने' बनाम द्विभाषा नीति की बहस को फिर तेज कर दिया है।

तमिलनाडु के कृषि मंत्री एमआरके पन्नीरसेल्वम ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, कि उत्तर भारत से आने वाले लोग केवल हिंदी जानने के कारण राज्य में सीमित रोजगार पाते हैं और उन्हें टेबल साफ करने, निर्माण मजदूरी करने या पानी पूरी बेचने जैसे काम करने पड़ते हैं। इसके उलट उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु की दो-भाषा नीति तमिल और अंग्रेजी के कारण राज्य के युवा विदेशों में अमेरिका और लंदन जैसे देशों में जाकर अच्छी नौकरियां और ऊंची आय हासिल कर रहे हैं।

मंत्री के इस विवादित बयान को विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। विपक्षी दलों, खासकर भाजपा ने इसे उत्तर भारतीय प्रवासियों का अपमान बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेताओं ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां राज्य में प्रवासी मजदूरों के खिलाफ नफरत और हिंसा को बढ़ावा दे सकती हैं। साथ ही इंडिया ब्लॉक के नेताओं, विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए गए हैं।

वरिष्ठ नेताओं ने बयान से बनाई दूरी

जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, डीएमके के वरिष्ठ नेताओं ने मंत्री के बयान से दूरी बनाने की कोशिश की। डीएमके सांसद टी. आर. बालू ने कहा कि पन्नीरसेल्वम के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि डीएमके और द्रविड़ आंदोलन की शुरुआत से ही हिंदी थोपने के विरोध में रही है और पार्टी का रुख किसी समुदाय या क्षेत्र विशेष के खिलाफ नहीं है।

सपा सांसद बोले- उत्तर भारत का अपमान

इस बयान पर तमिलनाडु के बाहर से भी प्रतिक्रियाएं आई हैं। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने टिप्पणी को घटिया बताते हुए कहा कि यह पूरे उत्तर भारत का अपमान है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत ने देश को आधे से अधिक प्रधानमंत्री दिए हैं और इस तरह के बयान क्षेत्रीय विभाजन को बढ़ाते हैं।

असम के सीएम सरमा व परिवार ने 12,000 बीघा जमीन पर किया कब्जा

-गौरव गोगोई ने लगाए आरोप, बीजेपी ने किया पलटवार- उन्हें कोर्ट जाना चाहिए

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने आरोप लगाया है कि असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और उनके परिवार ने पूरे राज्य में करीब 12,000 बीघा जमीन पर कब्जा किया है। इन आरोपों को लेकर सीएम सरमा ने कहा है कि वह कांग्रेस के बड़े नेताओं के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करेंगे। वहीं, बीजेपी ने रॉबर्ट वाड्रा का जिक्र किया और सीएम पर लगे आरोपों का खंडन किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गौरव गोगोई ने दावा किया कि सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने इसी भूमि घोटाले को छिपाने के लिए उनके कथित पाकिस्तानी संबंधों का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जांच की है और इससे कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सीएम सरमा और उनके परिवार ने पूरे असम में करीब 12,000 बीघा जमीन पर कब्जा किया हुआ है। यह आंकड़ा अंतिम नहीं है, क्योंकि जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में यह बढ़ सकता है।

वहीं सीएम सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनके बारे में दिए गए झूठे, मनगढ़ंत और मानहानिकारक बयानों के लिए 9 फरवरी

को जितेंद्र सिंह, भूपेश बघेल, गौरव गोगोई और देबब्रत सैकिया के खिलाफ दीवानी और फौजदारी मानहानि कार्यवाही शुरू करेंगे। इन आरोपों का जवाब देते हुए सत्तारूढ़ बीजेपी के प्रवक्ता रंजीब कुमार सरमा ने कहा कि गोगोई के दावों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके इस बयान में क्या सच्चाई है? क्या इतनी बड़ी जमीन रखना संभव है, जबकि भारतीय कानूनों के मुताबिक कोई भी व्यक्ति 50 बीघा से ज्यादा जमीन नहीं रख सकता है? यह जमीन सीमा अधिनियम के कारण संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर गौरव गोगोई के पास कोई जानकारी है, तो उन्हें कोर्ट जाना चाहिए, जैसा कि लोग रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ कोर्ट गए थे। बोफोर्स से लेकर वाड्रा मामलों तक, कई मुद्दों पर लोगों ने अदालतों का दरवाजा खटखटाया। अगर आपके पास दस्तावेज हैं, तो उन्हें उजागर करने के लिए कोर्ट जाएं। बीजेपी नेता ने कहा कि हमारी न्यायिक प्रणाली भ्रष्टाचार को उजागर करने का मंच प्रदान करती है। गौरव गोगोई ऐसा इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि आरोप झूठे हैं। वह केवल अपने निराधार आरोपों से सनसनी पैदा करना चाहते हैं, और कुछ नहीं।

हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा हाल ही में गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों का जिक्र करने पर गोगोई ने कहा कि उन्होंने यह पिछले साल 10 सितंबर को क्यों नहीं किया? वह इन पांच महीनों से सो रहे थे और अचानक उन्हें मेरे पाकिस्तानी संबंधों की याद आ गई। सीएम सरमा ने पहले भी घोषणा की थी कि वह 10 सितंबर 2025 तक गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों से जुड़े सभी सबूत सार्वजनिक करेंगे। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने कहा कि उन्हें पता है कि हम उनके और उनके परिवार के भ्रष्टाचार एवं भूमि हड़पने के मामलों की फाइल तैयार कर रहे हैं।

दिल्ली धमाका मामला: अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी को जालसाजी और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा दर्ज कराई गई दो अलग-अलग प्राथमिकियों (एफआईआर) के

आधार पर की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के कामकाज में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा और नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिली थीं, जिसके बाद पुलिस ने अपनी जांच तेज कर दी थी।

इस पूरे मामले की जड़ें सुरक्षा से जुड़े एक बेहद संवेदनशील घटनाक्रम से जुड़ी हैं। पुलिस के अनुसार, इस फर्जीवाड़े की जांच का सिलसिला लाल किले के समीप हुए एक धमाके के बाद शुरू हुआ था। उस घटना के बाद जब सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस ने कड़ियों को जोड़ना शुरू किया, तो अल-फलाह यूनिवर्सिटी के संचालन में कई संदिग्ध अनियमितताएं और दस्तावेजी जालसाजी के तथ्य सामने आए। इसी के आधार पर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर गहन तफ्तीश शुरू की। उल्लेखनीय है कि इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी सक्रिय है और उसने वित्तीय हेरफेर के कोण से अपनी जांच पहले ही शुरू कर दी थी। ईडी की जांच के दौरान सामने आए इनपुट के आधार पर ही दिल्ली पुलिस ने सिद्दीकी को हिरासत में लेकर लंबी पूछताछ की और पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के उपरांत जावेद अहमद सिद्दीकी को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहाँ से पुलिस को चार दिन की रिमांड मिली है। इस अवधि के दौरान पुलिस सिद्दीकी से यूनिवर्सिटी के फंड्स, फर्जी दस्तावेजों और अन्य संदिग्ध गतिविधियों के बारे में विस्तार से पूछताछ करेगी।

यह यूनिवर्सिटी पहली बार तब चर्चा में आई थी जब फरीदाबाद में एक कश्मीरी डॉक्टर मुजम्मिल शकील को भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया था। जांच में पता चला कि शकील इसी यूनिवर्सिटी में शिक्षक के रूप में कार्यरत था। फरीदाबाद और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में उसके पास से लगभग 360 किलोग्राम विस्फोटक बरामद हुआ था। इसी कड़ी ने सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान यूनिवर्सिटी के प्रबंधन की ओर खींचा, जिसके बाद अब चेयरमैन की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस का मानना है कि रिमांड के दौरान इस मामले में कई और चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

राहुल गांधी ने मजाक में कही थी बात, बिट्टू ने तो किया है कांग्रेस के साथ विश्वासघात

-कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा- बीजेपी ने रवनीत बिट्टू को झाड़ पर चढ़ा दिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को लेकर दिया बयान पर विवाद जारी है। इस बीच कांग्रेस नेता उदित राज ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि बात हंसी मजाक में कही गई थी। साथ ही उन्होंने कहा कि बिट्टू ने कांग्रेस के साथ विश्वासघात तो किया ही है। बुधवार को संसद परिसर में राहुल गांधी ने बिट्टू को गद्दार कह दिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी साफ दिल के हैं। उन्होंने यह हंसी मजाक में कह दिया, लेकिन उसको हवा दी बीजेपी ने और रवनीत बिट्टू को भड़का दिया। इसे कहते हैं कि झाड़ पर चढ़ाना। ऐसा नहीं करना चाहिए। राहुल गांधी ने लाइट मूड में कहा था, मैंने देखा था। राज ने आगे कहा कि दूसरी बात यह है कि चिढ़ने की क्या बात है। कांग्रेस ने ही तो इनको नेता बनाया।

इनके पूरे खानदान को नेता बनाया। तो विश्वासघात किया भी है, लेकिन जिस टोन में राहुल गांधी ने कहा उसमें कुछ गलत नहीं था।

बता दें संसद परिसर में सांसदों का प्रदर्शन चल रहा था। वहां, राहुल गांधी भी मौजूद थे। उस दौरान बिट्टू सामने से आ रहे थे। उन्हें देखकर राहुल गांधी ने कहा, खिए यहां एक गद्दार चला आ रहा है...मेरे गद्दार मित्र, चिंता मत करो, वापस आओगे। इस पर केंद्रीय मंत्री ने जवाब दिया, ये देश के दुश्मन हैं। राहुल गांधी ने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री बिट्टू से हाथ मिलाने का प्रयास किया, हालांकि बीजेपी नेता ने हाथ नहीं मिलाया और सीधे संसद भवन के अंदर चले गए।

बिट्टू ने बाद में राहुल गांधी को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का बिगड़ा हुआ बेटा करार दिया। बीजेपी नेता ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने यह बात कई अन्य सांसदों से क्यों नहीं कही, बल्कि केवल एक सिख से ही क्यों कही? बिट्टू ने एक वीडियो संदेश में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वे खुद को सबसे बड़ा देशभक्त मानते हैं क्योंकि उनके पिता राजीव गांधी ने अपना जीवन कुर्बान किया था। मैंने पार्टी में यह लड़ाई लड़ी कि मेरे दादा, बेअंत सिंह गांधी परिवार द्वारा लगाई गई आग के कारण पंजाब में शहीद हुए।

पाकिस्तान में छपे भारतीय नकली नोट नेपाल के रास्ते बिहार में खपा रहे तस्कर

-नोट की क्वालिटी उत्तम ग्रेड की, इसे साधारण तौर पर पहचानना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में छपे भारतीय नोट बड़े पैमाने पर नेपाल के रास्ते बिहार पहुंच रहे हैं। नेपाल सीमा पार कराकर इन नोटों को बिहार के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है। छोटे नोट होने के कारण आसानी से मार्केट में खपाया जा रहा है। पाकिस्तानी एजेंट नेपालियों के साथ बिहार व उत्तर प्रदेश तस्करों के जरिए नकली नोट की खेप भेज रहे हैं। बिहार भेजे जा रहे नकली नोट की क्वालिटी उत्तम ग्रेड की मिली है। इसे साधारण तौर पर पकड़ना मुश्किल है। इसका फायदा उठाकर बाजारों में नकली नोट खपाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार एसटीएफ ने 30 जनवरी को मोतिहारी के हरैया थाना इलाके में नेपाल के बागमती प्रदेश के नकली नोट तस्कर तिलक बहादुर और बारा जिला के गमरगावा के रहने वाले सरोज कुमार को गिरफ्तार करने के बाद इसका खुलासा किया था। दोनों तस्करों के पास से 18 हजार 500 रुपए के जाली भारतीय नोट जब्त किए गए थे। पूछताछ के बाद मोतिहारी पुलिस ने सीतामढ़ी जिले के मेजरगंज से छह व मधुबनी के एक अन्य नकली नोट तस्करों को गिरफ्तार किया था। इनके पास से नकली नोट छपाई वाले कागज भी मिले।

बता दें इससे पहले 29 जनवरी को बिहार एसटीएफ और एसएसबी की टीम ने सीमा पर मधुबनी के हरलाखी में स्थानीय नकली नोट तस्कर मुकेश महतो व सिलकर पंडित को 34 हजार 600 रुपए के जाली भारतीय नोट के साथ गिरफ्तार किया था। दोनों के पास से 173 पीस 200 रुपए के नकली नोट मिले थे। नोट की क्वालिटी व छपाई बेहतरीन थी कि उसे पहचान पाना आसान नहीं था। मधुबनी के नो मेन्स लैंड में मंगलवार को 14 लाख का जाली भारतीय नोट जब्त किए गए हैं। दो तस्करों को एसएसबी ने पकड़ा है।

रिपोर्ट के मुताबिक लगातार नेपाल बॉर्डर इलाके से भारत में नकली नोट की खेप पहुंचने के बाद बिहार एसटीएफ ने मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, मोतिहारी, दरभंगा, मधुबनी आदि जिले की पुलिस को अलर्ट कर दिया है। तिरहुत रेंज के डीआईजी ने भी इसको लेकर वैशाली, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और शिवहर जिले की पुलिस को सतर्क रहने और सूचना जुटाने का निर्देश दिया है। बड़े पैमाने पर नकली नोट और मादक पदार्थ की खेप नेपाल बॉर्डर से बिहार में भेजे जाने का सुराग मिलने के बाद बिहार एसटीएफ की विशेष टीम नेपाल बॉर्डर इलाके व आसपास के जिलों में सक्रिय हो गई है।

मोतिहारी और मधुबनी में गिरफ्तार हुए नकली नोट तस्करों के पास से विशेष टीम ने 13 मोबाइल जब्त किए हैं। इन मोबाइल को खंगालने पर टीम को नकली नोट के बड़े नेटवर्क का सुराग मिला है। दर्जनों संदिग्धों की सूची बनाकर बिहार एसटीएफ कार्रवाई

में जुटी है। नकली नोट के तस्करों के मोबाइल में नेपाल से लेकर बिहार और यूपी तक के नोट धंधेबाजों के सुराग मिलने की बात बताई जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)